* ओड़िशा संस्करण
www.epaper.azadsipahi.in
01 जुलाई, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, दशमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00
रांची
सोमवार, वर्ष 09, अंक 251
कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही

भोगनाडीह में हूल दिवस पर झामुमो का शंखनाद

रांची (आजाद सिपाही)। 30 जून को 'हूल दिवस' के मौके पर संताल परगना के भोगनाडीह में झामुमो के नेता जुटे और सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि देकर नयी लड़ाई का शंखनाद किया। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन और राज्य के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, सांसद विजय हांसदा और प्रो स्टीफन मरांडी ने मौके पर अमर बलिदानियों को पुष्पांजलि अर्पित की, लोगों को 'हूल दिवस' की बधाई दी और एक और उलगुलान का आह्वान किया। भोगनाडीह बरहेट विधानसभा क्षेत्र में पड़ता है, जहां से हेमंत सोरेन विधायक हैं। जेल से निकलने के बाद हेमंत सोरेन पहली बार अपने चुनाव क्षेत्र में पहुंचे थे।

लूटनेवालों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे: चंपाई

भोगनाडीह। सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि सिदो-कान्हू की इसी धरती से अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी गयी थी। इसी लड़ाई से प्रेरणा लेकर हम झारखंड को लूटनेवालों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। इसी लड़ाई से प्रेरणा लेकर हम झारखंड को संवारेंगे। उन्होंने कहा कि यह वही धरती है, जहां के आदिवासियों ने सिदो-कान्हू, फूलो झानो और चांद-भैरव की अगुवाई में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। अंग्रेजों की गुलामी को बर्दाश्त नहीं किया। उनकी बंदूक का जवाब तीर-धनुष से दिया। इसी धरती से हूल की शुरुआत की गयी थी। हजारों की संख्या में क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ाई में हिस्सा लिया। अंग्रेजों की बंदूक वाली सेना को तीर धनुष से तोड़ने और हराया था। हमारी जमीन, परंपरा और अस्मिता को बचाने के लिए हमारे पुरखों ने लंबी लड़ाई लड़ी। सीएम ने कहा कि हमारे पूर्वजों का इतिहास बताता है कि हमने कभी किसी की गुलामी को सहन नहीं किया। आज पूरे देश में सिदो-कान्हू, फूलो-झानो, चांद-भैरव की लड़ाई से लोग प्रेरणा ले रहे हैं। इस महान लड़ाई की शुरुआत इसी भोगनाडीह गांव में जंगल-झाड़ के बीच से हुई थी।

हेमंत को जेल भेजने की आलोचना की

सीएम ने कहा कि लंबे समय तक झारखंड को लूटनेवालों ने हेमंत सोरेन जैसे जननेता को जेल भेज दिया। इस देश में एक ताकत है, जो दलितों, आदिवासियों और वंचितों की बात करने वालों को कभी चैन से नहीं रहने देती है। लेकिन आप लोगों की चट्टानी एकता हमारे साथ है। आप लोगों का सहयोग है कि हमने इनको लोकसभा चुनाव में सबक सिखाया है।

इसी जमीन से हम संकल्प लेते हैं कि हम अपने खेत-खलिहान और जमीन पर किसी का अधिकार नहीं होने देंगे। सीएम ने कहा, हमारी अपनी परंपरा है। भाषा है, संस्कृति है। हमने गांव बसाया है। यहां हम किसी का हुक्म चलने नहीं देंगे।

मनुवादी सोच वालों की जड़ कबाड़ फेंकेंगे : हेमंत

भोगनाडीह। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में विपक्ष, अपने कार्यकाल, पूर्वजों और जेल यात्रा पर खुल कर बात रखी। उन्होंने कहा कि अभी हमको जेल से निकले केवल दो दिन हुए हैं और विपक्ष में खलबली मच गयी है। अब बड़े-बड़े नेता सोचने लगे हैं कि कैसे मुझे फंसाया जाये और मुझे जेल में डाला जाये। जेल से छूटने के बाद मेरा यह पहला बाहर निकलना है। यह संयोग है कि हूल दिवस तो हम सदियों से मना रहे हैं, लेकिन आज एक प्रेरणा दिवस है। आज देश में जो स्थिति बनी है, जो विपक्ष की जमात इकट्ठा हुई है, उसके खिलाफ महागठबंधन ने हूल क्रांति करने का निर्णय लिया है। संकल्प लिया है कि इन सामंती सोच और मनुवादी विचारधारा वाले लोगों की जड़ राज्य और देश से कबाड़ देंगे। अलग-अलग झूठे मुद्दों को लेकर महागठबंधन के नेताओं को फंसाया गया। जो उनका विरोध करेंगे, उनको जेल में डाल देंगे। किसी भी हद तक जायेंगे। लेकिन इनको पता नहीं कि झारखंड ऐसी धरती है, जो खून से सनी है। यह शहीदों की धरती है।

(पेज 05 भी देखें)

हम लोगों की एक परीक्षा की घड़ी आ रही

हेमंत सोरेन ने कहा कि अभी बहुत जल्द राज्य में फिर से हम लोगों के लिए एक परीक्षा की घड़ी आने वाली है। समय से पहले यह चुनाव कराने की तैयारी है, तो हमने भी उन लोगों को कह दिया कि चुनाव की घोषणा कर ही दो। राज्य की एक-एक जनता समझ चुकी है कि किस तरीके से जल-जंगल-जमीन को हड़पने की कोशिश की गयी।

बकाया पैसा मांगा तो जेल में डाल दिया

हेमंत सोरेन ने कहा कि महंगाई आसमान पर है। जब हमने खनिज का 136,000 लाख का बकाया केंद्र सरकार से मांगना शुरू किया, तो हमें जेल में डाल दिया। हमें भी लगा कि यह हमारा हक मांगने का परिणाम है। हम अब अपना हक लेकर रहेंगे।

खतरे में संताल के आदिवासी एसआइटी जांच हो : बाबूलाल

■ अगले 25 साल में संताल आदिवासियों का अस्तित्व मिट जायेगा

■ जनगणना के आंकड़े बताते हैं कि संताल की डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गयी है

आजाद सिपाही संवाददाता

रानेश्वर। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि संताल परगना में आदिवासियों का अस्तित्व संकट में है। पिछले 75 साल में वहां की डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गयी है। यदि यही स्थिति रही, तो अगले 25 साल में संताल परगना से आदिवासियों का अस्तित्व मिट जायेगा। उन्होंने संताल में आदिवासियों की घटती आबादी के कारणों की जांच एसआइटी से कराने की मांग राज्य सरकार से की है।

बाबूलाल मरांडी ने 1951 से 2011 तक की जनगणना के आंकड़ों के हवाले से कहा कि 1951 में संताल में आदिवासियों की आबादी 44.67 प्रतिशत थी, जबकि मुस्लिम 9.44 प्रतिशत और अन्य 45.9 प्रतिशत थे। 1961 में आदिवासी आबादी घट कर 38.24 प्रतिशत हो गयी, जबकि मुस्लिम आबादी बढ़ कर 13.77 प्रतिशत हो गयी। 1971 में आदिवासी आबादी फिर घट कर 36.22 फीसदी हो गयी, जबकि मुस्लिम बढ़ कर 14.62 फीसदी हो गये। 1981 में आदिवासी आबादी थोड़ी बढ़ी और 36.80 फीसदी हुई, लेकिन मुस्लिम आबादी 16.44 फीसदी हो गयी। यह सिलसिला 1991 में भी जारी रहा, जब आदिवासी आबादी घट कर 31.89 फीसदी हो गयी और मुस्लिम आबादी बढ़ कर 18.25 फीसदी हो गयी। 2001 में संताल में आदिवासी 29.90 फीसदी हो गये, जबकि मुस्लिम 20.59 प्रतिशत हो गये। 2011 में आदिवासी आबादी 28.11 फीसदी रह गयी, जबकि मुस्लिम आबादी बढ़ कर 22.73 प्रतिशत हो गयी। आज संताल में आदिवासियों और मुस्लिमों की आबादी लगभग बराबर हो गयी है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की लगातार घटती आबादी के कारणों की जांच एसआइटी से करायी जाये, ताकि हकीकत का पता चल सके।

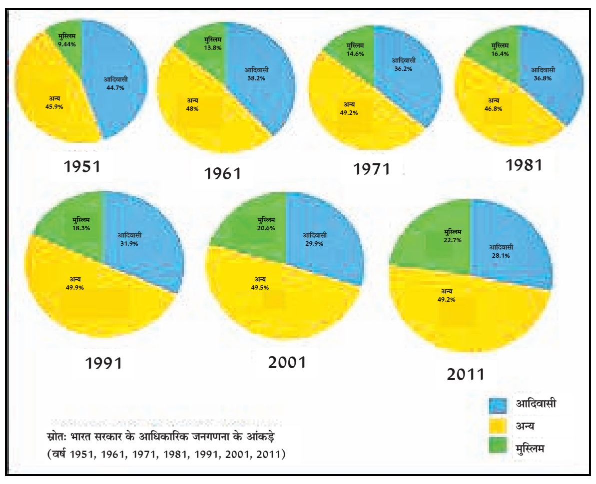

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज संताल फिर से संकट में है। संताल घुसपैठ का शिकार हो रहा है। यहां के आदिवासियों की पहचान एक सुनियोजित साजिश के तहत मिटायी जा रही है। संताल की इस विकराल समस्या पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सरकार भी संताल में है। आदिवासियों की हितैषी होने का दम भरनेवाली इस सरकार से आग्रह है कि इस मामले की जांच कर साजिश को बेनकाब करे।

बाबूलाल ने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव ने आदिवासी समाज की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी। उनके द्वारा छेड़ी गयी लड़ाई का ही नतीजा रहा कि संताल परगना बना। यहां आदिवासी संरक्षित हो सकें, इसके लिए 1876 में संताल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी एक्ट) भी बना। इतना ही नहीं, आजादी के बाद 1949 में सूचीबद्ध होनेवाला पहला कानून भी एसपीटी एक्ट ही बना। आज सभी कानून लागू हैं, फिर भी स्थिति यह है कि एक सुनियोजित साजिश के कारण आदिवासियों का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है।

2,3 BHK FLAT AVAILABLE
FOR SALE
At Bootymore & Tatisilwai
(Residential & Commercial)
On Road, Project Near & Smart Point Booty More, Ranchi
Contact Now
8521980977

अंदर पढ़ें

वेंकैया गारू-भारत की सेवा में समर्पित जीवन

आज भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति और राष्ट्रीय राजनीति में शुचिता के प्रतीक हमारे श्री एम. वेंकैया नायडू गारू का जन्मदिवस है। वेंकैया नायडू जी आज 75 वर्ष के हो गये हैं।

पेज 2

चतुर्थ पुण्यतिथि

"नैन छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैन दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः।।

स्व. श्री माधव सिंह

ईश्वर से प्रार्थना है कि आपके आदर्शों व सद्विचारों की लौ हमारे जीवनपथ को निरंतर आलोकित करती रहे। आप जैसे अलौकिक ज्योतिपुंज को हम सबका अश्रुपूरित शत्-शत् नमन।

विनम्र श्रद्धांजलि
श्री सुनील सिंह
एवं
समस्त परिवार

मेसर्स -
सुधा बिजनेस इंटरप्राईजेज प्रा. लि.
(सुधा मोटर्स)
रांची

पीएम मोदी ने 111वीं बार की 'मन की बात'

प्रेरणा मिश्रा से बात कर बढ़ाया झारखंड का मान

पोड़ैयाहाट के डांडे गांव से करती हैं कारोबार

आजाद सिपाही संवाददाता

गोड्डा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी जीत के बाद रविवार को पहली बार 'मन की बात' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में पीएम ने गोड्डा के पोड़ैयाहाट प्रखंड के डांडे गांव की 28 वर्षीय नव उद्यमी प्रेरणा मिश्रा से बातचीत कर झारखंड का मान बढ़ाया। बता दें कि यह 'मन की बात' का 111वां संस्करण था।

प्रेरणा मिश्रा गांव में एक महिला समूह बना कर स्टार्टअप के तहत इ-कॉमर्स व्यवसाय कर रही हैं। प्रेरणा मिश्रा अपने गांव डांडे में परंपरागत तरीके से ढेकी और जाता में पीस कर तैयार चावल, सत्तू और मसाले को पैकेट में बंद कर इ-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन और फ्लिपकार्ट आदि के माध्यम से बेच रही हैं।

प्रेरणा की मेहनत की जानकारी पीएम तक पहुंची : लगातार तीन वर्षों से प्रेरणा अपने गांव में काम कर रही हैं। उनकी मेहनत और गांव में परंपरागत तरीके से तैयार खाद्यान्न के बेहतर मार्केटिंग की जानकारी प्रधानमंत्री तक पहुंच गयी। प्रधानमंत्री ने झारखंड के स्टार्टअप कार्यक्रम को चला रहीं प्रेरणा से बात कर उनकी हौसला अफजाई की। कार्यक्रम डांडे गांव में दिन के 11 बजे आयोजित किया गया। गांव की महिलाएं पीएम मोदी की बातों को बड़े स्क्रीन में सुन रही थीं।

पीएम ने आदिवासियों को दी 'हूल दिवस' की बधाई

पीएम मोदी ने कहा कि 30 जून का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिन को आदिवासी भाई-बहन 'हूल दिवस' के रूप में मनाते हैं। उन्होंने संताल जनजाति का भी जिक्र किया। पीएम ने 'हूल दिवस' के मौके पर आदिवासी समुदाय को बधाई दी। बता दें कि संताल आदिवासी हूल दिवस वीर सिदो-कान्हू की याद में मनाते हैं। वीर सिदो-कान्हू ने अदम्य साहस से विदेशी शासकों के अत्याचार का विरोध किया था। पीएम ने कहा कि झारखंड के संताल परगना के आदिवासी भाई-बहन ने विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठा लिया था। उन्होंने कहा कि झारखंड के अमर सपूतों का यह बलिदान देशवासियों को आज भी प्रेरित करता है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 67,600 रु./10 ग्राम
चांदी 93,000 रु./प्रति किलो

वेंकैया गारू-भारत की सेवा में समर्पित जीवन

नरेंद्र मोदी

आज भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति और राष्ट्रीय राजनीति में शुचिता के प्रतीक हमारे श्री एम. वेंकैया नायडू गारू का जन्मदिवस है। वेंकैया नायडू जी आज 75 वर्ष के हो गये हैं। उन्होंने राष्ट्रसेवा और जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखा है। मैं उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। देश में उनके लाखों चाहते वाले हैं। मैं उनके सभी शुभचिंतकों और समर्थकों को भी बधाई देता हूं।

वेंकैया जी का 75वां जन्मदिवस एक विशाल व्यक्तित्व की व्यापक उपलब्धियों को समेटे हुए है। उनका जीवन सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की ऐसी यात्रा है, जिसके बारे में सभी देशवासियों को जानना चाहिए।

राजनीति में अपने प्रारंभिक दिनों से लेकर उपराष्ट्रपति जैसे शीर्ष पद तक, नायडू गारू ने भारतीय राजनीति की जटिलताओं को जितनी सरलता और विनम्रता से पार किया, वो अपने आपमें एक उदाहरण है। उनकी वाकपटुता, हाजिरजवाबी और विकास से जुड़े मुद्दों के प्रति उनकी सक्रियता के कारण उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर हर पार्टी में सम्मान मिला है।

वेंकैया गारू और मैं दशकों से एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। हमने लंबे समय तक अलग-अलग दायित्वों को संभालते हुए साथ काम किया है, और मैंने हर भूमिका में उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैंने देखा है, जीवन के हर पड़ाव पर आम लोगों के प्रति उनका स्नेह और प्रेम कभी नहीं बदला।

वेंकैया जी सक्रिय राजनीति से आंध्र प्रदेश में छात्र नेता के रूप में जुड़े थे। उन्होंने राजनीति के पहले पड़ाव पर ही प्रतिभा, वक्तृत्व क्षमता और संगठन कौशल की अलग छाप छोड़ी थी। किसी भी राजनीतिक दल में उन्हें कम समय में बड़ा स्थान मिल सकता था। लेकिन उन्होंने संघ परिवार के साथ काम करना पसंद किया, क्योंकि उनकी आस्था राष्ट्र प्रथम के विजन में थी। उन्होंने विचार को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखा और बाद में जनसंघ एवं बीजेपी को मजबूत किया।

लगभग 50 साल पहले जब कांग्रेस पार्टी ने देश में आपातकाल लगाया था, तब युवा वेंकैया गारू ने आपातकाल विरोधी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्हें लोकनायक जेपी को आंध्र प्रदेश में आमंत्रित करने के लिए जेल जाना पड़ा। लोकतंत्र के लिए उनकी ये प्रतिबद्धता, उनके राजनीतिक जीवन में हर जगह दिखाई देती है। 1980 के दशक के मध्य में, जब महान एनटीआर की सरकार को कांग्रेस ने गलत तरीके से बर्खास्त कर दिया था, तब वे फिर से लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए हुए आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में थे।

1978 में आंध्र प्रदेश ने जब कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया था, तब वेंकैया जी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद एक युवा विधायक के रूप में जीतकर आये थे। पांच साल बाद, राज्य चुनाव में एनटीआर की लोकप्रियता अपने सर्वोच्च स्तर पर थी। तब भी वे बीजेपी के विधायक चुने गये। उनकी जीत ने आंध्र समेत दक्षिण में बीजेपी के लिए भविष्य के बीज बोये थे। युवा विधायक के रूप में ही, वे विधायी मामलों में अपनी दृढ़ता और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की आवाज उठाने के लिए सम्मानित होने लगे।

उनकी वाकपटुता, शब्दशैली और संगठन सामर्थ्य से प्रभावित होकर एनटीआर जैसे दिग्गज ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। एनटीआर उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करना चाहते थे, लेकिन वेंकैया गारू हमेशा की तरह अपनी मूल विचारधारा पर अडिग रहे। उन्होंने आंध्र प्रदेश में बीजेपी को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई, गांवों में जाकर सभी क्षेत्रों के लोगों से जुड़े। उन्होंने विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व किया और आंध्र प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष भी बने।

1990 के दशक में बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने वेंकैया गारू के परिश्रम और प्रयासों को पहचानते हुए उन्हें पार्टी का अखिल भारतीय महासचिव नियुक्त किया।

1993 में यहीं से राष्ट्रीय राजनीति में उनका कार्यकाल शुरू हुआ था। एक ऐसा व्यक्ति, जो किशोरावस्था में अटल जी और आडवाणी जी के दौरों की तैयारी करता था, उनके लिए ये कितना बड़ा मुकाम था। पार्टी महासचिव के रूप में, उनका एक ही लक्ष्य था कि अपनी पार्टी को सत्ता में कैसे लाया जाये! उनका एक ही संकल्प था कि कैसे देश को बीजेपी का पहला प्रधानमंत्री मिले। दिल्ली आने के बाद, उनकी मेहनत का ही परिणाम था कि उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कुछ ही समय बाद वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने।

वर्ष 2000 में, जब अटल जी सरकार बना रहे थे तो वो वेंकैया गारू को अपनी सरकार में मंत्री बनाना चाहते थे। अटल जी ने उनसे उनकी इच्छा पूछी तो वेंकैया गारू ने ग्रामीण विकास मंत्रालय को अपनी प्राथमिकता के रूप में चुना। उनकी इस पसंद ने तब कई लोगों को हैरान किया था। क्योंकि, उसके पहले नेताओं के लिए दूसरे मंत्रालय पहली पसंद हुआ करते थे। लेकिन, वेंकैया गारू की सोच बिल्कुल स्पष्ट थी- वह एक किसान पुत्र थे, उन्होंने अपने शुरूआती दिन गांवों में बिताये थे और इसलिए, अगर कोई एक ऐसा क्षेत्र था जिसमें वह काम करना चाहते थे, तो वह ग्रामीण विकास था। उस समय एक मंत्री के रूप में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना को जमीन पर उतारने में उनकी अहम भूमिका थी।

2014 में एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली, तो उन्होंने शहरी विकास, आवासन एवं शहरी गरीबी उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों को संभाला। उनके कार्यकाल के दौरान ही हमने स्वच्छ भारत मिशन और शहरी विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू कीं। शायद, वह उन नेताओं में से एक हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक ग्रामीण और शहरी विकास दोनों के लिए काम किया है।

2014 के उन शुरूआती दिनों में वेंकैया जी का अनुभव मेरे भी बहुत काम आया था। मैं उस समय दिल्ली के लिए एक बाहरी व्यक्ति था। मेरा करीब डेढ़ दशक गुजरात में ही काम करते हुये बीता था। ऐसे समय में वेंकैया गारू का सहयोग मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। वह एक प्रभावी संसदीय कार्य मंत्री थे। वो सदन में पक्ष-विपक्ष की बारीकियों को समझते थे। साथ ही, जब संसदीय मानदंडों और नियमों की बात आती थी, तब वो नियमों को लेकर भी उतना ही स्पष्ट नजर आते थे।

वर्ष 2017 में, हमारे गठबंधन ने उन्हें हमारे उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। ये हमारे लिए एक कठिन और दुविधा से भरा निर्णय था। हम ये जानते थे कि वेंकैया गारू के स्थान को भरना बेहद कठिन होगा। लेकिन साथ ही, हमें ये भी पता था कि उपराष्ट्रपति पद के लिए उनसे बेहतर कोई और उम्मीदवार नहीं है। मंत्री और सांसद पद से इस्तीफा देते हुए उन्होंने जो भाषण दिया था, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। जब उन्होंने पार्टी के साथ अपने जुड़ाव और इसे बनाने के प्रयासों को याद किया तो वह अपने आंसू नहीं रोक पाये। इससे उनकी गहरी प्रतिबद्धता और जुनून की झलक मिलती है। उपराष्ट्रपति बनने पर उन्होंने कई ऐसे कदम उठाये जिससे इस पद की गरिमा और भी बढ़ी। वह राज्यसभा के एक उत्कृष्ट सभापति थे, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि युवा सांसदों, महिला सांसदों और पहली बार चुने गये सांसदों को बोलने का अवसर मिले। उन्होंने सदन में उपस्थिति पर बहुत जोर दिया, समितियों को अधिक प्रभावी बनाया। उन्होंने सदन में बहस के स्तर को भी ऊंचा उठाया।

जब अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाने का निर्णय राज्यसभा के पटल पर रखा गया, तो वेंकैया गारू ही सभापति थे। मुझे यकीन है कि यह उनके लिए एक भावनात्मक क्षण था। वह युवा जिसने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के संकल्प के लिए अपना जीवन समर्पित किया था, जब वह सपना पूरा हुआ तो वह सभापति के पद पर आसीन था। किसी निष्ठावान देशभक्त के जीवन में इससे बड़ा समय और क्या होगा!

काम और राजनीति के अलावा, वेंकैया गारू एक उत्साही पाठक और लेखक भी हैं। दिल्ली के लोगों के बीच, उन्हें उस व्यक्ति के रूप में जाना जाता है जो शहर में गौरवशाली तेलुगु संस्कृति लेकर आये। उनके द्वारा आयोजित उगादी और संक्रांति कार्यक्रम स्पष्ट रूप से शहर के सबसे पसंदीदा समारोहों में से एक हैं। मैं वेंकैया गारू को हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जानता हूं जो भोजन प्रेमी हैं और शानदार मेजबानी करना जानते हैं। लेकिन, पिछले कुछ समय से उनका संयम भी सबके सामने दिखने लगा है। फिटनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इस बात से झलकती है कि वह अभी भी बैडमिंटन खेलना और ब्रिस्क वॉक करना पसंद करते हैं।उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी, वेंकैया गारू सार्वजनिक जीवन में बेहद सक्रिय हैं। वह लगातार देश के लिए जरूरी मुद्दों और विकास कार्यों को मुझसे बात करते रहते हैं। हाल ही में जब हमारी सरकार तीसरी बार सत्ता में लौटी, तो मेरी उनसे मुलाकात हुई थी। वह बहुत खुश हुए और उन्होंने मुझे व हमारी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। मैं एक बार फिर उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मुझे आशा है कि युवा कार्यकर्ता, निर्वाचित प्रतिनिधि और सेवा करने का जुनून रखने वाले सभी लोग उनके जीवन से सीख लेंगे और उन मूल्यों को अपनायेंगे। यह वेंकैया गारू जैसे लोग ही हैं जो हमारे राष्ट्र को बेहतर और अधिक जीवंत बनाते हैं।

(लेखक : भारत के प्रधानमंत्री हैं)

झारखंड के आदिवासियों को साधने के लिए सक्रिय हुई भाजपा

■ हिमंता बिस्वा सरमा ने आदिवासी नेताओं से मिल कर हार का कारण पूछा, दिया मंत्र

■ अगले कुछ महीने में आदिवासियों के लिए कई कदम उठायेगी मोदी सरकार

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड में विधानसभा चुनाव का बिगुल अभी बजा भी नहीं है, लेकिन राजनीतिक दल अपनी सियासी जमीन को मजबूत करने में जुट गये हैं। झारखंड के किंगमेकर माने जाने ाले आदिवासी समुदाय के वोटों पर भाजपा सहित सभी दलों की नजर है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में झारखंड की सभी पांच आदिवासी सीट हारने के कारण भाजपा इस बार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। इसलिए वह अभी से ही सक्रिय हो गयी है। आदिवासियों को साधने के लिए असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने एक दिन पहले झारखंड का दौरा किया और यहां के आदिवासी नेताओं से मुलाकात कर उनसे यह जानना चाहा कि आदिवासियों का वोट कैसे हासिल किया जा सकता है। किन कारणों से आदिवासी सीटों पर भाजपा को हार मिली। सरमा ने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा-मधु कोड़ा, सीता सोरेन, समीर उरांव, अरुण उरांव और पार्टी के दूसरे आदिवासी नेताओं से मुलाकात की और विस्तार से बातचीत की। यह पहली बार है कि झारखंड में आदिवासियों को साधने के लिए भाजपा ने इतनी व्यापक तैयारी शुरू की है। इतना ही नहीं, ओड़िशा में एक संथाल आदिवासी मोहन मांझी को सीएम बनाने के बाद अब मोदी सरकार ने चुनाव के एलान से पहले आदिवासियों को साधने के लिए झारखंड समेत पूरे देश में आनेवाले दिनों में आदिवासियों के लिए कई नयी योजनाएं शुरू किये जाने की रणनीति तैयार की है और इन पर पर विचार किया जा रहा है, ताकि विधानसभा चुनाव के एलान से पहले आदिवासियों को लुभाने की कवायद को ठोस स्वरूप दिया जा सके। भाजपा को उम्मीद है कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से उपजी सहानुभूति को इन योजनाओं की मदद से कम किया जा सकता है। आदिवासी वोट हासिल करने के लिए भाजपा इतनी उतावली क्यों है और क्या है उसकी रणनीति, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

2019 के विधानसभा चुनाव के बाद हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में झारखंड की पांच आदिवासी सीटों पर हार का सामना करने के बाद भाजपा अब इस समुदाय का विश्वास दोबारा हासिल करने के लिए सक्रिय हो गयी है। झारखंड कभी भाजपा का मजबूत गढ़ हुआ करता था और यहां के आदिवासी उसके वोटर थे, लेकिन 2019 के विधानसभा चुनाव में यह समुदाय भाजपा से कट गया। इसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा राज्य की 28 आदिवासी सीटों में से महज दो ही जीत सकी और वह भी किसी तरह। इसके बाद भाजपा ने आदिवासियों को साधने के लिए बाबूलाल मरांडी को कमान सौंपी और कई दूसरे जतन किये, लेकिन लोकसभा चुनाव में इसका कोई असर नहीं दिखा। इसलिए भाजपा इस बार कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहती है और अभी से ही वह आदिवासियों को साधने के लिए सक्रिय हो गयी है।

इस काम के लिए पार्टी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को झारखंड का सह चुनाव प्रभारी बनाया है। वह एक दिन पहले झारखंड आये और यहां पार्टी के प्रमुख आदिवासी नेताओं से मिले। इस क्रम में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, उनके पति सह पूर्व सीएम मधु कोड़ा और लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पार्टी में शामिल हुईं शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन, समीर उरांव और अरुण उरांव से मुलाकात की। सरमा दूसरे आदिवासी नेताओं से भी मिले और आदिवासी वोट दोबारा पाने की रणनीतियों पर विचार किया। यह पहली बार हुआ है कि भाजपा इतने बड़े पैमाने पर आदिवासियों को साधने के लिए सक्रिय हुई है।

हिमंता बिस्वा सरमा को क्यों दी गयी जिम्मेदारी

दरअसल, हिमंता बिस्वा सरमा ने पूर्वोत्तर में भाजपा के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। झारखंड के आदिवासियों का पूर्वोत्तर के आदिवासियों से गहरा रिश्ता है और सरमा ने जिस तरह वहां के आदिवासियों में भाजपा को स्थापित किया है, वैसे ही वह झारखंड में भी कर सकते हैं, ऐसा पार्टी का मानना है। माना जा रहा है कि ओड़िशा में सीएम के रूप में मोहन मांझी को कमान सौंपने के पीछे भी सरमा का ही हाथ है, क्योंकि इसका सकारात्मक असर झारखंड में पड़ सकता है।

क्यों महत्वपूर्ण हैं आदिवासी

झारखंड में करीब 26 फीसदी आदिवासी समुदाय के वोटर हैं, जो राजनीतिक दलों का सियासी समीकरण बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखते हैं। यही वजह है कि सभी राजनीतिक दल इस समुदाय को साधने में जुटे रहते हैं। झारखंड की कुल 81 विधानसभा सीटों में से 28 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव में इन 28 सीटों में से भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा को 13-13 सीटें हासिल हुई थीं, जबकि दो सीटों पर अन्य उम्मीदवार विजयी हुए थे। 2019 के विधानसभा चुनाव में यह स्थिति पूरी तरह बदल गयी और भाजपा केवल दो आदिवासी सीट ही जीत सकी। इसके कारण भाजपा के हाथों से झारखंड की सत्ता भी फिसल गयी।

क्या कहा हिमंता बिस्वा सरमा ने

झारखंड दौरे की समाप्ति पर हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि झारखंड का विकास और आदिवासियों का कल्याण भाजपा की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से राज्य में कोई सरकार नहीं है। पिछले पांच वर्षों में राज्य में महिलाओं और आदिवासियों पर अत्याचार कई गुना बढ़ गये हैं। विधानसभा चुनाव के लिए जब भाजपा का घोषणापत्र आयेगा, तो पता चलेगा कि पार्टी ने अगले पांच साल में आदिवासी लोगों के लिए कितना काम करने की योजना बनायी है।

आदिवासी सीटों पर करारी हार से सीखा सबक

झारखंड में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा की सबसे बुरी स्थिति आदिवासी सीटों पर हुई। राज्य की जिन पांच सीटों पर भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा, वे सभी आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। इनमें खूंटी, सिंहभूम, लोहरदगा, दुमका और राजमहल शामिल हैं। सिंहभूम और राजमहल में पिछली बार भी भाजपा को हार मिली थी, लेकिन इस बार सबसे चौंकानेवाली हार बाकी तीन सीटों पर हुई। आदिवासी सीटों पर भाजपा की हार का कारण हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के कारण पैदा हुई सहानुभूति को बताया जा रहा है। हालांकि भाजपा से आदिवासियों की नाराजगी 2019 के विधानसभा चुनाव में ही सामने आ गयी थी। उसके बाद से भाजपा ने आदिवासियों को साधने के कई उपाय किये। आदिवासियों के बड़े नेता बाबूलाल मरांडी को वह अपने खेमे में वापस लायी और उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गयी। इतना ही नहीं, 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलीहातू गये और उस दिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। लेकिन इसका कोई खास असर आदिवासियों पर नहीं पड़ा। यह भाजपा के लिए बेहद चिंता का विषय है और अब विधानसभा चुनाव में भाजपा आदिवासियों का वोट दोबारा हासिल करने के लिए हर उपाय करने के लिए तैयार हो गयी है। अब देखना है कि हेमंत सोरेन, चंपाई सोरेन और कल्पना सोरेन के त्रिस्तरीय प्लान का वह कैसे मुकाबला कर सकती है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	32.7°c	24.0°c
सूर्यास्त (आज) :	18.38 बजे	
सूर्योदय (कल) :	05.05 बजे	

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 01 जुलाई, 2024
www.azadsipahi.in

2024 'डॉक्टर्स डे विशेष'

A Frontline Healthcare Warrior

RANCHI

गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ. देवनीस खेस
Managing & Medical Director
Sr. Consultant Rheumatology &
Clinical Immunology MBBS., MD
SHALBY DIVINE
SUPER SPECIALITY HOSPITAL
Old HB Road, Near Veterinary Hospital,
Siramtoli, Ranchi, Mob. : 7280001050

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ.सपन कुमार
MBBS (RIMS)
MS Ortho (UCMS & GTB Hospital,DU) DNB ORTHO
EX - SR (Safdarjung Hospital Delhi)
FIJR (Sant Parmanand Hospital, Delhi)
IOA FELLOW (Kolkata)
MASTER ORTHOPAEDIC CENTRE
Bargain Road, Bariatu, Ranchi, Mob.: 9110041461
Email: sapan2576@gmail.com

न्यूरो और स्पाइन विशेषज्ञ

डॉ. गणेश कुमार
MBBS, M.S., M.ch. Neurosurgery,
Director Neurosurgery
PARAS HEC HOSPITAL
Near Dhurwa, JSCA Stadium, Ranchi
Mob.: 9142583784, 7070191744

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं हेपेटोलॉजीस्ट

डॉ. रविश रंजन
MBBS, MD (Gen. Medicine)
DNB-Super Speciality (Gastro)
Consultant Interventional Gastroenterologist & Hepatologist
Senior Consultant Raj Hospital
गैस्ट्रो एवं लिवर केयर क्लिनिक
संजीवनी मेडिको, सहजानन्द चौक, हरमू रांची
मो.- 7903826161, 7903637063

शिशु रोग विशेषज्ञ

डॉ.प्रकाश कुमार
एमबीबीएस, एमडी, पीएसीएच, एनएएलएस
पीएसएस ट्रेन कंसल्टेंट एंड इंटेन्सिविस्ट
शौर्या चिल्ड्रन हॉस्पिटल
आईटीआई बस स्टैंड के पीछे, लोहा सिंह मार्ग,
इटकी रोड रांची, संपर्कः 7261824060

ई.एन.टी. स्पेशियलिस्ट

डॉ समित लाल
MBBS, MS, (ENT)
Formerly Registrar, Jaslok Hospital, Mumbai
Formerly Asst. Prof. K.J. Somaiya Medical College, Mumbai
Formerly Secretary AOICON 2022
Secretary AOI Bihar -Jharkhand
डॉ. लाल अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर
Near Kadru Over Bridge,Kadru, Ranchi -2
Mob.: 7061117676, 7707005676

हर साल 1 जुलाई को क्यों मनाया जाता है डॉक्टर्स डे

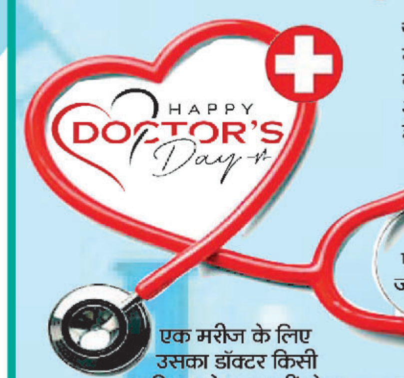

एक मरीज के लिए उसका डॉक्टर किसी फरिश्ता से कम नहीं होता है। कोरोना काल मे हमने सीखा कि हमारे समाज में डॉक्टर किसी वॉरियर से कम नहीं है। यह सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं बल्कि एक इंसान कि लाइफ लाइन है। देश के सभी डॉक्टर्स के योगदान को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई के दिन 'नेशनल डॉक्टर्स डे' मनाया जाता है। भारत में 1 जुलाई को डॉ0 बिधान चंद्र रॉय की याद में प्रत्येक वर्ष 'नेशनल डॉक्टर्स डे' के रूप में मनाया जाता है। आज हम अपने आर्टिकल के माध्यम से डॉक्टर्स डे को खास बनाने के लिए इसका महत्व एवं इतिहास आपके सामने लेकर आए हैं।

इस दिन को मनाने का महत्व : इस खास दिन को मनाने के पीछे एक ही कारण है कि देश के सभी डॉक्टर्स जो दिन-रात अपने मरीज की जान बचाने के लिए जुटे रहते हैं उन्हें सम्मानित करना।

कोरोना काल में डॉक्टर्स ने जो अपनी भूमिका निभाई है वह किसी से छिपी नहीं है। इस खास दिन को मनाने के पीछे यही कारण है कि उन्हें सम्मानित करना, उन्हें दूसरे के सेवा के लिए प्रेरित करना। डॉक्टर्स के प्रति अपना सम्मान करने के लिए इससे खास दिन और कोई हो नहीं सकता है। डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है।

डॉक्टर्स डे का महत्व क्या है?

देश में डॉक्टर्स डे को प्रथम वर्ष 1991 में मनाया गया था। तभी से हर साल 1 जुलाई को यह मनाया जाता है। यह बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ0 बीसी रॉय के सम्मान में मनाने का फैसला लिया गया। डॉ0 बीसी रॉय एक स्वतंत्रता सेनानी थे। बीसी रॉय को 4 फरवरी 1961 में भारत रत्न से नवाजा गया था। इसलिए यह खास दिन बीसी रॉय के जन्म तिथि के दिन मनाया जाता है। बीसी रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ था। उनका निधन 1 जुलाई 1962 को हुआ था। इस प्रकार 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जाने लगा।

इस वर्ष की थीमः

डॉक्टर के सम्मान में प्रत्येक वर्ष इस खास दिन को मनाने के लिए थीम रखी जाती है। इस वर्ष की थीम कुछ अलग है। थीम का नाम रखा गया है सेलिब्रिटी रेजिलिएंस एंड हीलिंग हैंड्स।

किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ. अशोक कुमार बैद्य
MD; DNB (NEPH) MNAMS
Senior Consultant Nephrologist
सावित्री देवी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट
नेफ्रोन किडनी केयर क्लिनिक
Ranchi -Mob.: 8102409980

किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ अविनाश कुमार दुबे
MBBS (Gold Medalist), MD (Medicine)
DM Nephrology (JIPMER)
नेफ्रो केयर क्लिनिक
मां दुर्गा मेडिकल, ओंकार होटल के सामने, पिस्का मोड़,
इटकी रोड, रांची, मो : 8102139781

डेंटल सर्जन

डॉ. अर्चना सिंह
B.D.S (Hons.) Lucknow, Implantologist (Sweden)
Cert. Orthodontist F.A.F.O (Kerala)
Laser Dentist (Germany), Masters in Aesthetic Dentistry
and Facial Harmony (SPAIN)
M.A.O.I., M.I.D.A.
CODS DENTAL HOSPITAL & IMPLANT CENTRE
2nd Floor, Sumati Bihar Complex, Karamtoli
Road, Opp. Adivasi Hostel, Nagra Toli, Ranchi
Ph. : 08298113175

नेशनल डॉक्टर्स डे का इतिहास

केंद्र सरकार ने वर्ष 1991 में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाने की शुरूआत की थी। इस दिन एक महान चिकित्सक की पुण्यतिथि भी होती है। उन्हीं की याद में और डॉक्टर्स के लिए कृतज्ञता दिखाते हुए ये खास दिन मनाया जाता है। दरअसल 1 जुलाई के दिन भारत के महान डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय का जन्म हुआ था। उनकी याद में इस दिन को डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जाता है। डॉ0 बिधान चंद्र रॉय एक महान डॉक्टर थे।

फर्टिलिटी कंसल्टेंट

डॉ. रूपाश्री पुरूषोत्तम
MBBS, DNB, (Obst & Gaynae)
IVF Specialist, Laparohysteroscopic Surgeon
अवेटा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
तीसरी मंजिल, कृष्णा आर्केड, बूटी मोर, रांची-09,
झारखंड, मोब0- 8252529345, 9155044322

लेप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रो सर्जन

डॉ. अविनाश कुमार झा
M.S. (General Surgery), FIAGES, FMAS
F.A.L.S. FNB (Minimal Access Surgery)
मेदान्ता हॉस्पिटल
मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल विवर्स अस्पताल,
इरबा, रांची, मो.: 8447646055, 7869216632

किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ. अरविंद चरण मंगल
Consultant Nephrologist Santevita Hospital, Ranchi
And Kidney Transplant Physician
MBBS MD (Medicine) RIMS, DNB (Nephrology)
किडनी हेल्थ क्लिनिक
Saher Height 3rd Floor, Above HDFC Bank, Bariatu
Ranchi Jharkhand-Mob.: 8212191200,6201474057

असाध्य, जीर्ण एवं जटिल रोगों के विशेषज्ञ

डॉ. उमा शंकर वर्मा
M.B.B.S, (RAN), M.D. (MED), D.M.S.(HOM)
Chief Medical Officer, University Hospital, BAU, Ranchi &
Chief Executive Director
यू.एस. पॉलिक्लिनिक
1 केसी कॉम्पलेक्स, डिप्टीपाड़ा रोड, कचहरी चौक, रांची-1
मो.: 9835167743, 8797015126

डायबिटीज एवं थायराइड रोग विशेषज्ञ

डॉ. अजय छाबड़ा
M.B.B.S., D. Diabetology
(Consultant Diabetologist & Physician)
डॉ. छाबड़ा डायबिटीज सेंटर
मेट्रो लेन, रामविलास पेट्रोल पंप के सामने, रातू रोड,
रांची-1, संपर्क : 0651-2283320, 8051173464

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ. रोहित लाल
MBBS, D.Ortho, DNB (Ortho), MNAMS
Fellow, Joint Replacement and Arthroscopic
Surgeries, Sportsmed Hospital, Adelaide, Australia
डॉ. लाल अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर
Near Kadru Over Bridge,Kadru, Ranchi -2
Mob.: 7061117676, 7707005676

ई.एन.टी. एंड स्कल बेस एंड हेड एंड नेक सर्जन

डॉ. अभिषेक कु. रामाधीन
MBBS (KEM), MD (USA), MS (ENT), FARS (USA), FIANO (ITLAY), MRCSI (UK)
Ex Clinical Associate Tufi School Of Medicine Boston, Massachusetts, USA
EAR, NOSE, THROAT & SKULL BASE, HEAD & NECK & IT'S CANCER SPECIALIST
ENT HOSPITAL
RMDA Building, 4th Floor, Itki Road, Piska More, Ranchi
Mob.: 9934040203, 8210918334, 7258953555

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

एनआइबीएम में विशेष बैच आज से

रांची (आजाद सिपाही)। सरकुलर रोड श्री साईं टावर रांची स्थित एनआइबीएम में विशेष बैच हिंदी और अंग्रेजी माध्यम में 1 और 5 जुलाई से प्रारंभ होगा। इस संस्थान में विभिन्न परीक्षाओं में लगभग हू-ब-हू पूछे जाते हैं। यहां फ्री लाइब्रेरी रीडिंग रूम के साथ शिक्षकों के द्वारा प्रतिदिन नयी पैटर्न पर पढ़ाई करायी जाती है। संबंधित डाउट को प्रतिदिन क्लियर भी किया जाता है। निदेशक द्वारा चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। सम्मान समारोह के दिन तैयारी कर रहे संस्थान के युवाओं को मोटिवेट किया जाता है। कल्याण योजना के तहत गरीब अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए नामांकन में 50 फीसदी की विशेष छूट दी जाती है। इच्छुक विद्यार्थी संस्थान के वेबसाइट कार्यालय और 754202226 पर संपर्क कर सकते हैं।

सांठ-गांठ कर टेंडर घोटाला करने वाले पर हो कार्रवाई: राजेंद्र प्रसाद

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने एक पत्र मेल के माध्यम से भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि कार्यपालक अभियंता द्वारा लघु सिंचाई सिमडेगा चेक डैम बुलढ़ाणाला प्रखंड सिमडेगा के लिए निविदा निकाला गया था। उस निविदा में तीन संवेदकों ने निविदा भरा था। दूसरा जागेश्वर नाग और तीसरा संवेदक रवि प्रसाद ने टेंडर भरा था। एल वन रहे रवि प्रसाद को काम देने से मना कर दिया गया। यह बोलकर कि उनके पास काम करने का कोई एक्सपीरियंस नहीं है। बाद में उनसे काम अलॉटमेंट करने से पहले 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की गयी। रवि प्रसाद के द्वारा कमीशन देने से मना करने पर मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता के द्वारा उनके चरित्र प्रमाण को फर्जी बताया गया। बाद में मुख्य अभियंता लघु सिंचाई रांची द्वारा उपायुक्त सिमडेगा से मेल के माध्यम से पूछा गया कि यह चरित्र प्रमाण पत्र सही है या नहीं। इसके बाद उपायुक्त सिमडेगा की ओर से मेल के माध्यम से बताया गया कि चरित्र प्रमाण पत्र उनके कार्यालय से ही निर्गत किया गया है और वह वैध है, लेकिन चरित्र प्रमाण पत्र में छह माह की जगह में दो माह दर्ज है, यह मानवीय भूल है। इसके बाद मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता ने इसी को आधार बनाकर उन्हें काम देने से मना कर दिया और दूसरे नंबर पर लोएस्ट भारतीय कंधों प्राइवेट लिमिटेड को काम देने की चर्चा है। रवि प्रसाद के पास उपायुक्त के द्वारा दूसरा प्रमाण पत्र भी निर्गत किया गया था, जो काम देने से पहले उस आचरण प्रमाण पत्र को जमा किया जा सकता था, लेकिन मामला कुछ और है। अधिकारियों के द्वारा काम देने से पहले 10 प्रतिशत का कमीशन लिया जाता है और वे काम अपने नजदीकी संवेदकों से सांठगांठ कर कमीशन लेते हैं। नये संवेदकों को विभाग में काम नहीं देना चाहते हैं। इस निविदा के बाद फिर लघु सिंचाई विभाग के द्वारा चार जगहों के लिए फिर से निविदा निकला है, लेकिन इसमें यह शर्त जोड़ दिया गया है कि निविदा में वही संवेदक शामिल होंगे, जिसके पास कार्य करने का एक्सपीरियंस है। आग्रह है कि दोबारा जो टेंडर निकला है। उसे रद्द करते हुए मामले की जांच करायी जाये।

हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति : सुदेश

आजसू पार्टी ने राज्यभर में मनाया हूल दिवस, वीर शहीदों को किया नमन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अंग्रेजी सरकार की गलत नीतियों और महाजनी प्रथा के विरोध में हुए हूल विद्रोह ने देश में आजादी की लड़ाई का शंखनाद किया था। हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति है, भुलाया नहीं जा सकता। संताल हूल के दौरान वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हजारों क्रांतिकारियों ने अपनी शहादत दी। इतिहास के पन्नों में उन सभी वीर शहीदों को उचित स्थान दिलाने के लिए हम सभी को आगे आने होगा। हमारा उद्देश्य इन वीरों की गाथा को राज्य की नहीं देश के हर एक व्यक्ति तक पहुंचाना है। उक्त बातें आजसू अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने जोन्हा में हूल दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कहीं। उन्होंने कहा कि यह वक्त सभी झारखंडियों को एकजुट कर एक नयी सामाजिक और राजनीतिक चेतना जागृत करने की है। वीर शहीदों के स्वशासन के सपनों को साकार कर समृद्ध और खुशहाल झारखंड की परिकल्पना को पूरा करने के लिए हमें मिलकर एक नयी हूल क्रांति की नींव रखनी होगी।

क्रांतिकारी सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक हूल दिवस पर सभी जिला और प्रखंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और अन्य क्रांतिकारी सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। मौके पर संताल विद्रोह के महानायकों की संघर्ष गाथा को याद कर उनके बलिदानों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

पार्टी पदाधिकारियों ने सिदो-कान्हू को किया नमन : रांची स्थित सिदो-कान्हू पार्क में हूल दिवस के मौके पर पार्टी पदाधिकारियों द्वारा अमर वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस दौरान पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि झारखंड के वीरों ने कभी भी बाहरी दखल, जुल्म और अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया। अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करना हर झारखंडी की पहचान है। सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो समेत झारखंड के वीर बलिदानियों की संघर्ष गाथा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। युवाओं को इस संघर्ष गाथा को आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस मौके पर केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव सुधीर यादव, भरत काशी, पारसनाथ उरांव, जलनाथ चौधरी, सत्येंद्र सिंह, बनमाली मंडल, रमेश गुप्ता, वीरेंद्र प्रसाद, टीके मुखर्जी, दयाशंकर झा, डॉ पार्थ पारितोष, हरिश कुमार, ओम वर्मा, चेतन, राहुल तिवारी, अजीत सिंह उपस्थित थे।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का कब-बुलबुल महोत्सव, महाप्रबंधक ने विजेता को किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल राज्य सोनपुर और गढ़हरा की ओर से भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का कब-बुलबल महोत्सव हुआ। इसमें राजस्थान, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, झारखंड, बिहार राज्यों सहित पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे के करीब 150 कब-बुलबुल, उनके लीडर्स ने भाग लिया। इसमें भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय की उप निदेशक सुरेखा श्रीवास्तव थीं। इसमें बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास से संबंधित उनके बीच कई तरह की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिता का ओवर ऑल प्रथम स्थान पूर्व मध्य रेल को, द्वितीय स्थान पूर्व रेलवे को और तीसरा स्थान तामिलनाडु की टीम को प्राप्त हुआ, जबकि ओवर ऑल चैंपियन का खिताब राजस्थान को प्राप्त हुआ। इसी कड़ी में महोत्सव के अंतिम दिन महाशिविराग्नी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि महाप्रबंधक तरूण प्रकाश, मीनाक्षी शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक शिव कुमार प्रसाद और मंडल रेल प्रबंधक सोनपुर विवेक भूषण सूद सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे। तरूण प्रकाश ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों का मानसिक, बौद्धिक, मनोवैज्ञानिक और कलात्मक दृष्टिकोण से विकास होता है। मुख्य राज्य आयुक्त सह प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक शिव कुमार प्रसाद ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के कब-बुलबुल महोत्सव के आयोजन पर खुशी जाहिर की।

पासवा के प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी अंतिम चरण: आलोक दुबे

20 हजार से अधिक मेधावी विद्यार्थी होंगे सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इनडोर स्टेडियम हरबंश टाना भगत में पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आगामी 2 जुलाई को छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी अंतिम चरण में है। पासवा राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे, प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, प्रदेश महासचिव फलक फातिमा, प्रदेश सचिव संजय प्रसाद, संयुक्त सचिव अल्ताफ अंसारी, रांची जिला महासचिव रशीद अंसारी और मनोज कुमार भट्ट के नेतृत्व में खेल गांव का दौरा किया गया। तैयारियों की समीक्षा की गयी। समारोह में लगे लगभग 250 वोलेंटियर्स को विशेष ट्रेनिंग दी गयी, ताकि आने वाले बच्चों को दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आलोक कुमार दुबे ने बताया कि झारखंड में पहली बार एक मंच पर 20 हजार से अधिक मैट्रिक और इंटर के तीनों बोर्ड में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा सम्मान समारोह में झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, मंत्री हफीजुल हसन के हाथों किया जायेगा। पासवा अध्यक्ष ने कहा कि इतना बड़ा छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन निश्चित रूप से झारखंड में पहली बार हो रहा है और इतने बड़े आयोजन के लिए पासवा के वोलेंटियर्स को विशेष ट्रेनिंग दी गयी, ताकि इतने बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके।

प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा प्रतिभावान छात्र-छात्राएं रजिस्ट्रेशन तो करवा रहे हैं, किंतु उसके साथ साथ छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी व्यवस्था की गयी है, ताकि उस दिन भी जैक सीबीएसइ और आइसीएसइ में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों का ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन किया जा सके। पासवा प्रदेश महासचिव डॉक्टर राजेश गुप्ता छोटू ने कहा कि ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन के लिए 29 से अधिक काउंटर बनाये गये हैं। राष्ट्रपति अवार्डी फलक फातिमा ने कहा कि सभी बच्चों और आने वाले अतिथियों के लिए निःशुल्क भोजन और पीने की पानी की भी व्यवस्था की जा रही है।

यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर का आधुनिकीकरण करे सरकार : बंधु तिर्की

विश्वविद्यालय सेवा आयोग का गठन करने की मुख्यमंत्री से मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि राज्य सरकार को झारखंड फैकल्टी डेवलपमेंट एकेडमी की स्थापना करने के बजाये रांची विश्वविद्यालय के यूजीसी ह्युमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर के विकास, आधुनिकीकरण का प्रयास करना चाहिए। यह झारखंड के लिए कहीं अधिक बेहतर और हितकारी होगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती बिहार में 1992 में रांची विश्वविद्यालय में यूजीसी द्वारा संपोषित अकादमिक स्टाफ कॉलेज की स्थापना की गयी थी, जिसे बाद में यूजीसी ह्युमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर का नाम और पहचान मिला। यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तीय संपोषित है, लेकिन वास्तविकता है कि इसके आधुनिकीकरण की बहुत अधिक जरूरत है।

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को भेजे गये एक पत्र में श्री तिर्की ने कहा कि झारखण्ड के विविध विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों में क्षमता निर्माण और उनमें गुणात्मक सुधार के लिए अपेक्षाकृत रूप से अधिक ध्यान देने की जरूरत है और इसके लिए राज्य की गठबंधन सरकार भी संकल्पित है, तभी सरकार ने झारखंड फैकल्टी डेवलपमेंट एकेडमी की स्थापना का निर्णय लिया है, लेकिन इसकी बजाय यूजीसी ह्युमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर का आधुनिकीकरण कहीं अधिक प्रासंगिक है। कहा कि खनिज और मानव संसाधन के साथ ही असीमित संभावनाओं से परिपूर्ण झारखंड का संपूर्ण और गुणवत्ता के साथ विकास तभी संभव है, जब झारखंड के विश्वविद्यालयों-महाविद्यालयों में वैसे शिक्षित, कुशल मानव संसाधन तैयार हों, जो आगे आगे बढ़कर न केवल झारखंड बल्कि देश के विकास में अपनी संपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकें। उन्होंने कहा कि इस परिप्रेक्ष्य में यह बहुत जरूरी है कि झारखंड के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को वैसे शिक्षकों का मार्गदर्शन मिले जो अनुभवी और शैक्षणिक क्षमता से सुसज्जित हों। श्री तिर्की ने कहा कि वर्तमान में महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक पदों की रिक्तियों पर भर्ती झारखंड लोक सेवा आयोग का दायित्व है, परंतु जेपीएससी के ऊपर पहले से ही राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति, पदोन्नति के मामले में हैं। परिणाम यह है कि जेपीएससी के द्वारा झारखंड के महाविद्यालयों-विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति लंबे समय से लंबित है और अनेक पद रिक्त पड़े हैं, जबकि अनुभवी शिक्षकों की सेवानिवृत्ति के कारण शैक्षणिक पद खाली होते जा रहे हैं।

फरीदाबाद का अमृता हॉस्पिटल सेवा भाव से चलता है : काले

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले ने अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद के एडमिनिस्ट्रेटिव डायरेक्टर निजामृतानंद पूरी महाराज से विशेष भेंट की और संस्थान द्वारा चलाये जा रहे अत्यंत पावन व पुनीत कार्यों को समझा। श्री महाराज ने झारखंड के मरीजों का भी इलाज करने के श्री काले के अनुरोध का स्वागत किया।

आज एशिया के सबसे बड़े निजी अस्पताल की बात करें जहां हर मरीज का पूरे सेवा भाव से उपचार किया जाता हो तो यह कहने मे कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि दिल्ली से सटे फरीदाबाद स्थित नवनिर्मित अमृता अस्पताल है। जब इस अस्पताल में गया तो ऐसा लगा ही नहीं कि मैं भारत के किसी अस्पताल में हूं। 135 एकड़ के विशाल परिसर में भरपूर हरियाली, साफ सुथरे बगीचे, व्यवस्थित सेवाएं और सहयोग संबंधी निर्देशों वाले साइन बोर्ड हर दिशा में दिखायी देंगे। 2,600 बिस्तरों की क्षमता वाले इस अस्पताल में 500 से भी ज्यादा आइसीसीयू -सीसीयू हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में अमृता हॉस्पिटल का नाम आज पूरी दुनिया में सम्मान के साथ लिया जाता है। मैसूर, कोल्लम, कल्पेट्टा और कोच्चि से शुरू हुई यह स्वास्थ्य यात्रा आज हरियाणा के फरीदाबाद में सेवा के इस मिशन को अग्रसर कर रही है।

महत्वपूर्ण खबरें

सीएमपीडीआइ में स्वच्छता पखवाड़ा

रांची (आजाद सिपाही)। सीएमपीडीआइ के कांफ्रेस हाल में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा का समापन हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक अजय कुमार, सतीश झा, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमित कुमार सिन्हा ने स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित किया और पौधरोपण करके एक पखवाड़े तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा का समापन किया। इस अवसर पर सीएमपीडीआइ मुख्यालय और क्षेत्रीय संस्थान-3 के महाप्रबंधक और विभागाध्यक्षगण और वरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर श्री कुमार ने स्वच्छता पर जोर दिया और कहा कि स्वच्छ भारत के महात्मा गांधीजी के सपने को साकार करने के लिए हमारे दैनिक जीवन और आसपास के समुदायों में स्वच्छता को अपनाना आवश्यक है और नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य और जीव कल्याण ही स्वच्छता का अंतिम लाभ है। श्री झा ने कहा कि स्वच्छता के संबंध में जानकारी का प्रचार-प्रसार और जागरूकता पैदा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है, इसे निभाने के लिए हम लोगों को सतत प्रयास करना चाहिए।

तीन रेलकर्मियों को किया सस्पेंड

कोलकाता (आजाद सिपाही)। जोनल भंडार शाखा के प्रभार हस्तांतरण के दौरान यूपीएस और अन्य उपकरणों के वितरण में विसंगतिया प्रकाश में आयी। प्रभार लेने वाले निरीक्षक द्वारा मामला तुरंत रेल सुरक्षा बल प्रशासन, दक्षिण पूर्व रेलवे, कोलकाता के संज्ञान में लाया गया। आंतरिक सतर्कता शाखा की जांच में प्रथम दृष्ट्या रेलवे संपत्ति के दुर्विनियोग में एक निरीक्षक, एक उप निरीक्षक और प्रधान आरक्षक की संलिप्तता पायी गयी। उपरोक्त जांच के आधार पर तीनों कर्मियों को निलंबित कर कार्यवाही आरंभ की गयी है। इसके अतिरिक्त रेलवे संपत्ति पर अवैध कब्जा अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षक और अन्य के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल थाना में आपराधिक मामला भी दर्ज किया गया है।

केंद्रीय सरना समिति ने सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने हूल दिवस के अवसर पर सिदो-कान्हू पार्क में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। मौके पर केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि 30 जून 1855 को अंग्रेजों के विरुद्ध संथाल आदिवासी नेताओं ने विद्रोह का बिगुल फूंका, जिसका नेतृत्व सिदो-कान्हू ने किया, जिसको हूल दिवस के नाम से जानते हैं। स्वतंत्रता की पहली लड़ाई 1855 में संथाल आदिवासियों ने लड़ी थी, परंतु इतिहास में 1857 को बताया गया। मौके पर केंद्रीय सरना समिति के संरक्षक ललित कच्छप, प्रमोद एक्का, सोहन कच्छप, पंचम तिर्की, विनय उरांव एवं अन्य शामिल थे।

अंग्रेजों के खून से शौर्यगाथा लिखने वाले नायक थे सिदो-कान्हू: बबलू मुंडा

रांची (आजाद सिपाही)। हूल दिवस के अवसर पर केंद्रीय सरना समिति और चडरी सरना समिति के द्वारा बबलू मुंडा की अगुवाई में सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। बबलू मुंडा ने कहा कि संथाल हूल का नेतृत्व भोगनाडीह निवासी चुन्नी मांझी के चार पुत्रों ने किया। 30 जून 1855 को सिदो और कान्हू के नेतृत्व में मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ था। इस मौके पर सिद्धू ने नारा दिया था, करो या मरो। अंग्रेजों के खून से शौर्य गाथा लिखने वाले नायक थे। चारों भाइयों ने संथाल विद्रोह में सक्रिय भूमिका निभायी थी। मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने कहा कि 30 जून 1855 को मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में वीर सिदो-कान्हू और चांद भैरव के नेतृत्व में 400 गांव के लगभग 50000 लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत से जंग का एलान किया था। सुरेंद्र लिंडा, कुमोद कुमार वर्मा, शोभा कच्छप, सुरेंद्र लिंडा, संजय नायक, शक्ति सोनी, सुधीर मंडल, अर्पित कच्छप, विक्की मुंडा, विकास उरांव, शंकर लिंडा, अंकुश कच्छप, विशाल तिर्की उपस्थित थे।

बरनवाल सेवा ट्रस्ट ने स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

रांची (आजाद सिपाही)। बरनवाल सेवा ट्रस्ट ने स्थापना दिवस हरमू में हर्षोल्लास के साथ मनाया। इसमें अध्यक्ष टीपी बरनवाल ने विगत वर्ष में ट्रस्ट के द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों के बारे में बताया। साथ ही ट्रस्ट के नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। ट्रस्ट की वार्षिक पत्रिका स्पंदन का विमोचन हुआ। पत्रिका का संपादन मनोज कुमार ने किया है। गिरिडीह से महासभा महामंत्री इंद्रजीत लाल और केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि नरेश बरनवाल उपस्थित थे। सुप्रसिद्ध हास्य योग गुरु अजीत कुमार के द्वारा हास्य योग कराया गया। मौके पर विधायक नवीन जयसवाल, डॉ एसपी अग्रवाल, अध्यक्ष लखन लाल बरनवाल, खुशबू बरनवाल, विकास कुमार, अरविंद कुमार, मोतीलाल, पवन कुमार, अनुज कुमार, उमेश कुमार, अनिल कुमार, प्रकाश कुमार, मुकुल कुमार, सुदेश कुमार ने भरपूर सहयोग किया।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
Subscribe NOW

पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है कि आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित हैं : चंपाई सोरेन

राज्य सरकार की योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

भोगनाडीह। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि 1855 में आज ही के दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है। हम सभी अपने अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री रविवार को हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीद सिदो- कान्हू की पावन धरती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है। इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय -शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाये रखने के लिए लंबा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़ें हिला दीं। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गये। इन पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है कि आज आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित हैं।

आर्थिक-सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से राज्य को कर रहे मजबूत : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड तभी आगे बढ़ेगा, जब यहां की आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। आदिवासियों मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रहें हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नयी दिशा और दशा दे सकते हैं।

यहां के खनिज संसाधनों पर आदिवासियों मूलवासियों का पहला अधिकार : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है। इस लिहाज से झारखंड काफी धनी है, लेकिन यहां के लोग आज भी गरीब हैं। यहां के खनिज संसाधनों से दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन झारखंड पिछड़ा राज्य में ही गिना जाता है। अब इसमें बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि झारखंड को विकसित राज्य बनाना है।

हर क्षेत्र के लिए राज्य सरकार की हैं योजनाएं : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरकार की अनेकों योजनाएं हैं, जिनका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग,खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं। आप इन योजनाओं से जुड़ें और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें।

ये रहे उपस्थित : इस अवसर पर मंत्री बसंत सोरेन, सांसद विजय कुमार हांसदा, विधायक स्टीफन मरांडी, विधायक दीपिका पांडेय सिंह, विधायक कल्पना सोरेन, पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू, जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद डाडेल, पुलिस उप महानिरिक्षक संजीव कुमार और उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

बदल रहा है झारखंड, प्रगति की राह पर बढ़ रहा आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में झारखंड में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' अभियान के दौरान लाखों आवेदन हमें मिले। इन आवेदनों के माध्यम से हमें जनता की विभिन्न समस्याओं की पूरी गहराई से जानकारी मिली। लोगों की समस्याओं के आधार पर ही हम योजनाओं को बना रहे हैं, ताकि इसका लाभ हर किसी को मिल सके।

अपनी अस्मिता और पहचान को खोने नहीं देंगे

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को हूल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम वर्षों से हूल दिवस मनाते चले आ रहे हैं। आज इस अवसर पर संकल्प लेकर राज्य के विकास में जो भी चुनौतियां सामने आयेंगी, उनका मुकाबला पूरी ताकत के साथ किया जायेगा। हमें अपने हक और अधिकार को हर हाल में लेना है और इसके खिलाफ साजिश रचनेवालों को जवाब देना है। हमें जल-जंगल और जमीन को हर हाल में बचाना है, क्योंकि इसी की खातिर हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया था। हम अपनी अस्मिता और पहचान को किसी कीमत पर मिटने नहीं देंगे।

396 योजनाओं की मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 29026.745 लाख रुपये की कुल 396 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इनमें 11284.854 लाख रुपये की 165 योजनाओं का उद्घाटन और 17741.731 लाख रुपये की 231 योजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कुल 37212 लाभुकों के बीच 9289.745 लाख रुपये की परिसंपत्तियां बांटी।

कल 1500 करोड़ की योजनाओं का सीएम करेंगे शिलान्यास-उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 2 जुलाई को राज्यवासियों को 1500 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे। इस अवसर पर जल संसाधन, पथ निर्माण विभाग, भवन निर्माण मंत्री बसंत सोरेन भी उपस्थित रहेंगे। उप राजधानी दुमका से योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन होगा। इसका सबसे अधिक लाभ संताल के सभी छह जिलों को मिलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण सड़क-पुल और प्रखंड भवन सहित सिंचाई परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। इनमें कई नयी योजनाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को देखते हुए तीनों विभाग तैयारी कर रहे हैं। संबंधित जिला प्रशासन को भी इस संबंध में दिशा-निर्देश दिया गया है।

मंत्री बसंत सोरेन आज प्रमंडलवार योजनाओं की करेंगे समीक्षा

रांची (आजाद सिपाही)। पथ निर्माण, जलसंसाधन मंत्री बसंत सोरेन प्रमंडलवार विभाग की योजनाओं की समीक्षा करेंगे। सबसे पहले संतालपरगना के सभी जिलों की योजनाओं की स्थिति की समीक्षा की जायेगी। यह बैठक 1 जुलाई को होगी। बसंत सोरेन उपराजधानी दुमका से यह समीक्षा बैठक करेंगे। इसमें सभी जिलों के डीसी, डीडीसी, इंजीनियर अधिकारी उपस्थित होंगे। समीक्षा बैठक में योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली जायेगी। लंबित योजनाओं पर विशेष रूप से फोकस रखा जायेगा। संताल में समीक्षा के बाद हजारीबाग, रांची, पलामू, कोल्हान में संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की जायेगी।

भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव ने हेमंत सोरेन से की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा सहित अन्य नेताओं ने रविवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। साथ ही जेल से पांच महीने के बाद बाहर आने पर उन्हें शुभकामना दीं। उन्होंने कहा कि संविधान और सच्चाई की जीत हुई है। भाजपा के मंसूबों पर चोट हुई है। हेमंत सोरेन के बाहर आने से इंडी ब्लॉक मजबूत हुआ है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए एकजुट होकर चुनाव लड़ने का संकल्प लें। मुलाकात करने वाले नेताओं में पीके पांडेय, महेंद्र पाठक, अजय सिंह, केडी सिंह, कलम रशीदी और पुष्कर महतो सहित अन्य शामिल थे।

शहीदों को सम्मान देनेवाली वाली पार्टी है झामुमो: अश्विनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हूल दिवस पर झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची जिला समिति ने रविवार को कांके रोड स्थित सिदो कान्हू पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। झामुमो जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने कहा कि झारखंड के तमाम शहीदों को सम्मान और शहीद के परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी एक मात्र झामुमो ही है। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हूल क्रांति के महानायकों, शहीदों और शहीदों के परिजनों की सुध ली गयी।

सभी शहीद स्थलों का सौंदर्यीकरण किया गया। छूटे हुए शहीद स्थलों को सौंदर्यीकरण करने के लिए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन अग्रसर हैं। कार्यक्रम में जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू, केंद्रीय सदस्य समनुर मंसुरी, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, रामानंद बेदिया, कलाम आजाद, डॉ तालकेश्वर महतो सहित अन्य शामिल थे।

हूल क्रांति: एक नजर में

झारखंड के साहिबगंज जिले में भोगनाडीह एक छोटा सा गांव है। हर साल की तरह इस बार भी 30 जून को इस गांव में पंचकठिया नामक जगह पर बरगद के विशाल पेड़ के नीचे हजारों लोग इकट्ठा हुए। बरगद का यह ऐतिहासिक पेड़ अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पहली जनक्रांति संथाल हूल, जिसे अंग्रेजों ने संथाल विद्रोह की संज्ञा दी, की याद दिलाता है। संथाल हूल के जरिये 169 साल पहले 30 जून 1855 को हजारों आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंका था। इतिहासकार इसे क्रांति नहीं युद्ध कहना ज्यादा उचित समझते हैं। इस जनक्रांति ने ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी थी। तभी से यह तारीख 'हूल दिवस' के रूप में मनायी जाती है। भारतीय इतिहास की ज्यादातर पुस्तकों में आजादी की पहली लड़ाई के तौर पर 1857 के संग्राम का जिक्र किया गया है, लेकिन शोधकर्ताओं और जनजातीय इतिहास के विद्वानों के एक बड़े समूह का कहना है कि 30 जून 1855 को झारखंड के भोगनाडीह से शुरू हुआ 'हूल' ही देश का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम था। आदिवासी इस दिन को अपने संघर्ष और अंग्रेजों के द्वारा मारे गये अपने 20000 साथियों की याद में मनाते हैं। भोगनाडीह गांव में चुनका मुर्मू के घर जन्मे चार भाइयों सिदो, कान्हू, चांद और भैरव और दो बहनें फूलो एवं झानो ने साथ मिल कर 1853 से 1856 तक संथाल हूल नामक आंदोलन चलाया, जो अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ पहली लड़ाई थी। जर्मनी के समकालीन चिंतक कार्ल मार्क्स ने अपनी पुस्तक 'नोट्स ऑफ इंडियन हिस्ट्री' में जून 1855 की संथाल क्रांति को भारत की पहली जनक्रांति की संज्ञा दी है। इस दिन 400 गांवों के 50000 लोगों ने साहिबगंज के भोगनाडीह गांव पहुंच कर अंग्रेजों से आमने-सामने की जंग का एलान कर दिया। आदिवासी भाइयों सिदो-कान्हू और चांद-भैरव के नेतृत्व में तब संथालों ने मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का जोर-शोर से एलान किया। अंग्रेजों ने तब संथाल विद्रोहियों से घबरा कर उनका दमन प्रारंभ किया। इसकी प्रतिक्रिया में आदिवासियों ने अंग्रेजी सरकार की ओर से आये जमींदारों और सिपाहियों को मौत के घाट उतार दिया। तब आदिवासियों को सबक सिखाने के लिए अंग्रेजों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। चांद और भैरव को अंग्रेजों ने मार डाला। इसके बाद सिदो और कान्हू को भोगनाडीह में ही पेड़ से लटका कर 26 जुलाई 1855 को फांसी दे दी गयी। संथाल की माटी के इन्हीं शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को किया गया सम्मानित

विकास योजनाओं को शीघ्र पूरा किया जायेगा: संजय सेठ

एक पेड़ मां के नाम पर अवश्य लगायें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नयी दिशा के तत्वावधान में लालपुर व्यवसायी समिति की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ का अभिनंदन किया गया। सभागार में संजय सेठ के आगमन पर पुष्पों की वर्षा की गयी। स्वागत भाषण लालपुर व्यवसायी समिति के अध्यक्ष निरंजन शर्मा ने दिया। कार्यक्रम संयोजक मुकेश काबरा ने कहा कि संजय सेठ को रक्षा राज्य मंत्री का विशिष्ट स्थान मिलना पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है। समारोह में रांची गोशाला न्यास समिति, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, जेसीआइ उड़ान, रांची गुजराती संघ, राउंड टेबल, कॉसमॉस क्लब, झारखंड थोक वस्त्र विक्रेता संघ, रांची जिला दुर्गा पूजा समिति, झारखंड टिंबर ट्रेडर्स एसोसिएशन, रांची कैटल फीड, लायंस क्लब, वसुधा कल्याण सहित 40 से भी अधिक सामाजिक-व्यवसायिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने संजय सेठ को सम्मानित किया। सांसद संजय सेठ ने कहा कि सबों से मिले स्नेह और सम्मान से अभिभूत हूं। ईश्वर ने जब तक जीवन दिया है, निःस्वार्थ भाव से समाज का कार्य करता रहूंगा। जितनी भी विकास की योजनाएं हैं, उसे शीघ्र ही पूरा किया जायेगा। उन्होंने विभिन्न रेल परियोजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि रांची की सभी रेल योजनाओं का कार्य और विस्तार शीघ्र पूरा कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि जलवायु को बचाने के लिए प्रधानमंत्री के आवाह्न पर एक पेड़ मां के नाम पर सभी को एक पेड़ लगाने की अपील की। कार्यक्रम में संजय सर्राफ, अमित चौधरी, मनीष लोधा, श्रीराम शर्मा, मनोज कुमार, विष्णु प्रसाद, मनोज गुप्ता, संजीव विजयवर्गीय, चंद्रकांत रायपत, ऐश्वर्य सेठ, अशोक चौधरी, वासुदेव भल्ला समेत अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस ने हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को अर्पित किया श्रद्धासुमन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को हूल क्रांति दिवस पर सिदो-कान्हू पार्क में संथाल हूल के अमर नायक सिदो-कान्हू की प्रतिमा और कांग्रेस भवन में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि झारखंड के महान सपूत सिदो-कान्हू और चांद-भैरव ने 150 वर्ष पूर्व अंग्रेजों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ स्वाभिमान के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका था। यह आंदोलन 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि थी। यह सबसे अधिक संगठित और सशक्त आंदोलन था, जिसमें संथाली अपनी मातृभूमि की खातिर कुर्बान होने को तैयार हो गये। एक छोटे से गांव से शुरू हुए हूल से पूरे संताल में ऊर्जा का संचार हुआ, जिसने तत्कालीन अंग्रेज सरकार की नींद उड़ा दी थी। उन्होंने कहा कि झारखंडवासियों को उन महान सपूतों के त्याग बलिदान से प्रेरणा लेकर झारखंड राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाते हुए समृद्ध और विकसित राज्य बनाने का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर महासचिव अमूल नीरज खलखो, मदन मोहन शर्मा, सतीश पाल मुंजनी, सोनल शांति, गजेंद्र सिंह, कमल ठाकुर, रमा खलखो, गौतम उपाध्याय, राकेश किरण महतो, अजय सिंह, एनुल हक, रमेश पांडेय, चंदन बैठा, मनोज कुमार महतो, गुलजार अहमद, सुरेन राम समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

बढ़ते भारत-बदलते भारत की गाथा है मन की बात: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 111वें संस्करण का प्रसारण रविवार को हुआ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मन की बात को अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सुना।

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संताल परगना प्रवास के दौरान शिकारीपाड़ा के पलमा में कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन कार्यक्रम आम जनता से जुड़ाव का अनूठा कार्यक्रम है। विश्व के किसी राजनेता के द्वारा प्रति माह जनता से ऐसा प्रत्यक्ष संवाद नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा। मन की बात कार्यक्रम बढ़ते भारत, बदलते भारत की गाथा है। मरांडी ने कहा कि देश सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा। भारत का सांस्कृतिक गौरव बढ़ रहा है। दुनिया का भारत के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आये हैं। उन्होंने हूल क्रांति और उसके महानायक सिदो-कान्हू से भारत की जनता को परिचित कराने के लिए आभार प्रकट किया।

गोंदा मंडल स्थित रॉक गार्डन बूथ पर मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम भारत के सामर्थ्य और संस्कृति का संवाद है। उन्होंने कहा कि आज के 111वें संस्करण में विकसित भारत की सोच है। शहीदों की गाथाएं हैं। जनता का परिश्रम है। सांस्कृतिक विरासत है।

इसके अलावा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह सहित हजारों कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना।

देश में आज से तीन नये कानून

नाबालिग से रेप पर फांसी की सजा

अपराध पर कसेगी लगाम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। तीन नये आपराधिक कानून 1 जुलाई से लागू होंगे। तीनों नये कानून वर्तमान में लागू ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता, आपराधकि प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने वाले हैं। इन कानूनों के नाम हैं, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। नये कानून में नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले दोषियों को फांसी की सजा दी जा सकेगी। नाबालिग के साथ गैंगरेप को नये अपराध की श्रेणी में रखा गया है। राजद्रोह अब अपराध नहीं माना जायेगा। नये कानून में मॉब लिंचिंग के दोषियों को भी सजा दिलाने का प्रावधान किया गया है। इसमें कहा गया है कि जब पांच या उससे ज्यादा लोग जाति या समुदाय के आधार पर किसी की हत्या करते हैं, तो उन्हें आजीवन कारावास की सजा मिलेगी। 163 साल पुराने आइपीसी की जगह सेक्शन चार की तरह सजा के तौर पर दोषी को सामाजिक सेवा करनी पड़ेगी। अगर किसी ने शादी का धोखा देकर यौन संबंध बनाया, तो उसे 10 साल की सजा और जुर्माना हो सकता है। नौकरी या अपनी पहचान छिपाकर शादी के लिए धोखा देने पर भी सजा का प्रावधान किया गया है। अब संगठित अपराध जैसे अपहरण, डकैती, गाड़ी की चोरी, कांट्रैक्ट किलिंग, आर्थिक अपराध, साइबर क्राइम के लिए कड़ी सजा दी जायेगी। राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कामों पर भी सजा का प्रावधान किया गया है। आतंकवादी कृत्य को ऐसी किसी भी गतिविधि के रूप में परिभाषित करता है, जो लोगों के बीच आतंक पैदा करने के इरादे से भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता या आर्थिक सुरक्षा को खतरे में डालती है। नये कानून में मॉब लिचिंग पर भी सजा का प्रावधान किया गया है। मॉब लिचिंग में शामिल व्यक्ति को दोषी पाये जाने पर उम्रकैद या मौत की सजा के साथ-साथ जुर्माना की सजा मिल सकती है। इसमें एक अहम प्रावधान विचाराधीन कैदियों के लिए है। अगर किसी को पहली बार अपराधी माना गया, तो वह अपने अपराध की अधिकतम सजा का एक तिहाई पूरा करने के बाद जमानत हासिल कर सकता है। इसकी वजह से विचाराधीन कैदियों के लिए तुरंत जमानत पाना मुश्किल हो गया है। हालांकि, यह आजीवन कारावास की सजा वाले अपराधों को अंजाम देने वाले लोगों पर लागू नहीं होता है। बीएनएसएस में कम से कम सात साल की कैद की सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक जांच अब अनिवार्य हो जायेगी। फोरेंसिक एक्सपर्ट्स को अपराध वाली जगह से सबूतों को इकट्ठा और रिकॉर्ड करना होगा। अगर किसी राज्य में फोरेंसिक सुविधा का अभाव है, तो वह दूसरे राज्य में इस सुविधा का इस्तेमाल कर सकता है। न्यायालयों की व्यवस्था का भी जिक्र किया गया है और बताया गया है कि किस तरह सबसे पहले केस मजिस्ट्रेज कोर्ट में जायेगा और फिर सेशन कोर्ट, हाइकोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचेगा। अभी तक इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स की जानकारी एफिडेविट तक सीमित होती थी, लेकिन अब उसके बारे में विस्तृत जानकारी कोर्ट को देनी होगी। आसान भाषा में कहें तो कोर्ट को बताना होगा कि इलेक्ट्रॉनिक सबूत में क्या-क्या शामिल है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

युवती ने चौथे तले से लगायी छलांग, मौत

रांची (आजाद सिपाही)। हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद लेन की रहने वाली एक युवती ने प्रेमी से फोन पर बात हुए चौथे तले से छलांग लगा कर रविवार को अपनी जान दे दी। घटना के बाद प्रेमी ने ही अपने प्रेमिका को अंजुमन अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया है।
मृत लड़की के परिजनों का कहना है की मृत आयशा उर्फ सना और जावेद का लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस कारण दोनों की शादी भी तय हुई थी, लेकिन लड़के के घर वालों ने दहेज का लालच था, जिस कारण शादी में अड़चन आयी और सना और जावेद का विवाद हो गया। बाद में सबकुछ ठीक हुआ। तब तक जावेद का किसी दूसरी लड़की से प्रेम प्रसंग चलने लगा। इस कारण इन दोनो के बीच विवाद बढ़ गया। परिजनों ने बताया कि सना ने घर के चौथे तल्ले से कूदकर अपनी जान दे दी।

हूल दिवस के अवसर पर सीएम ने झारखंड के अमर वीर शहीदों को किया शत-शत नमन

झारखंड वीरों और अमर शहीदों की धरती है : चंपाई

- सीएम ने राजनगर में हूल विद्रोह के महानायक सिदो कान्हू की प्रतिमा का अनावरण कर किया नमन
- जंगलों -पहाड़ों और दूर दराज के इलाकों में रहने वाले अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच रही है राज्य सरकार की योजनाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड वीरों और अमर शहीदों की धरती है। राज्य का कोई ऐसा कोना नहीं है जहां से अन्याय, शोषण और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह ना हुआ हो। संताल में सिदो-कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था तो भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में उलगुलान और कोल विद्रोह ने अंग्रेजों की जड़ें हिला दी थीं। इसी तरह और भी कई आंदोलन हुए, जिसमें यहां के अनेकों वीरों ने अपनी शहादत दे दी थी। आज हूल दिवस के अवसर पर हम अपने इन महानायकों और वीर शहीदों के संघर्ष को याद कर उन्हें नमन करते हैं। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन रविवार को सरायकेला - खरसावां जिले के कुमडीह और राजनगर में हूल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने अमर वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कई नयी योजनाओं को लेकर आपके बीच आ रहे हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के हित में राज्य सरकार कई नयी योजनाओं को लेकर आ रही है। आने वाले 1 से 2 महीने में इन योजनाओं के माध्यम से यहां की लोगों को हम सशक्त बनायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य के लोगों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त में मिलेगी तो 25 से 50 वर्ष तक की बहन- बेटियों को आर्थिक सहायता देने जा रही है। स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत राशन कार्डधारियों को 15 लाख रुपये तक के इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी ।

जो हम कहते हैं, उसे करके दिखाते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जो कहते हैं, उसे करके दिखाते हैं। हमारी योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं । आज जंगलों -पहाड़ों और दूर दराज के इलाकों में रहने वाले समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार समेत सभी क्षेत्र के लिए सरकार योजनाएं लेकर आयी है। आप इन योजनाओं का लाभ लें और राज्य को आगे बढ़ाने में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में विपरीत और कठिन चुनौतियों के बीच हमारी सरकार ने विकास के जो कार्य किये हैं, वह इस राज्य के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है।

सरला बिरला स्कूल में नेशनल इंटर स्कूल इंटर डिसिप्लिनरी आर्ट्स कॉन्क्लेव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय नेशनल इंटर स्कूल इंटर डिसिप्लिनरी कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण संपन्न हुआ। यह सम्मेलन सरला बिरला की जन्मशती को समर्पित था। इस कार्यक्रम में पूरे भारत के 35 स्कूलों के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने इस कॉन्क्लेव में आयोजित प्रतियोगिताओं में झारखंड की सांस्कृतिक परंपराओं का ध्यान रखा। प्रतियोगियों को पूरे शहर में हेरिटेज वाक के लिए ले जाया गया। उन्होंने हमारे राज्य के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर जनजातीय संग्रहालय और बिरसा मुंडा स्मृति पार्क का दौरा किया। प्रतिभागियों के लिए विद्यालय के पूर्व छात्रों ने एक आइस ब्रेकिंग सत्र का आयोजन किया। अंतिम दिन रचनात्मक लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिता का सेमीफाइनल और फाइनल राउंड आयोजित किया गया। इवेंट क्यूरेटर प्रणव मुखर्जी की उपस्थिति में सभी कार्यक्रम संपन्न हुए। बिहू नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। पुरस्कार वितरण के साथ समारोह का संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों को 200 से अधिक पुरस्कार प्रदान किये गये। प्राचार्या परमजीत कौर ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी भाग लेने वाले स्कूलों का आभार व्यक्त किया।
उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल हर बच्चे के समग्र विकास में मदद करते हैं, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान में भी मदद करते हैं, जो सहयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देते हैं।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रदेश उपाध्यक्ष तनवीर ने शिबू सोरेन से मुलाकात की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल से निकलने के बाद मुलाकात के लिए उनके आवास पर गये, लेकिन वह निजी दौरे के लिए निकल चुके थे, फिर उनकी अनुपस्थिति में उनके पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन से अल्पसंख्यक कांग्रेस के उपाध्यक्ष तनवीर खान ने शिष्टाचार मुलाकात की और विधानसभा चुनाव के बारे में भी चर्चा की। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष तनवीर खान ने कहा कि आने वाला विधानसभा चुनाव मजबूती के साथ लड़ना है। कार्यकर्ताओं को मजबूती प्रदान करना है उनके हौसले को बुलंद करना है, ताकि चुनाव में हम कामयाब हो सकें। इस मौके पर साथ में महासचिव गुलाम रब्बानी और शकील हाशमी भी मौजूद थे।

संजय सेठ ने की रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान प्रमुख रूप से उनके साथ हटिया विधायक नवीन जयसवाल, मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा सहित अन्य भी मौजूद रहे। मंत्री ने रेल अधिकारियों से रांची, हटिया, नामकुम, टाटीसिल्वे, गंगाघाट, मुरी, सिल्ली और पिस्का स्टेशन के उन्नयन कार्य की जानकारी ली। इस दौरान रांची रेलवे स्टेशन पर चल रहे उन्नयन कार्य का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।
समीक्षा बैठक में नगड़ी, नयासराय और नामकुम अंडरपास पर चर्चा हुई। केतारी बगान ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर हुई कार्रवाई, सिरमटोली फ्लाइ ओवर निर्माण में आ रही समस्या और उसके समाधान पर भी बातचीत हुई। सिल्ली में बांसारूली के समीप बनने वाले अंडर पास पर चर्चा और इलू रेल लाइन के प्रस्ताव पर हुई गति प्रगति की जानकारी मंत्री ने ली।
रेलवे जंक्शन मुरी से बिसरिया गांव तक सड़क निर्माण की दिशा में अब तक हुई कार्रवाई पर चर्चा की गयी। इसमें तेजी लाने का निर्देश मंत्री ने दिया। कडरू, सिरमटोली के समीप अंडरपास निर्माण के दौरान रास्ता बंद होने से आदिवासी परिवारों को हो रही समस्या पर चर्चा करते इसका समाधान करने को डीआरएम रांची रेल मंडल को कहा गया।

मन की बात से प्रेरणा मिलती है : संजय सेठ

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ ने रविवार को चुटिया मंडल के अंतर्गत कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनी। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री केंद्र सरकार संजय सेठ ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनकर हम सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री ने हूल दिवस पर शहीद हुए वीर सपूतों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही प्रधानमंत्री ने स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील देशवासियों से की है। हम सबों को स्वदेशी वस्तुओं को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मां के नाम एक पौधा लगाने का अभियान शुरू किया है। पूरे देश में 20 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम में संजय सेठ के साथ पदमश्री मुकुल नायक ने भी मन की बात सुनी।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी और परामर्श का महत्व

आवनी प्रसाद

हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी एक गंभीर समस्या है। बहुत से लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को अनदेखा कर देते हैं, क्योंकि उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं होती या फिर वे शर्मिंदगी महसूस करते हैं। इस लेख में हम मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, परामर्श की गोपनीयता और इसके फायदों के बारे में चर्चा करेंगे।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी बहुत से लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को स्वीकार नहीं करते। वे सोचते हैं कि यह कमजोरी या पागलपन का संकेत है। वास्तव में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं किसी भी व्यक्ति को हो सकती है और इनका इलाज संभव है। जागरूकता की कमी के कारण लोग सही समय पर मदद नहीं ले पाते, जिससे समस्याएं और बढ़ जाती हैं।

मदद लेने में शर्मिंदगी हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर बात करने से लोग कतराते हैं। उन्हें डर लगता है कि लोग क्या कहेंगे। लेकिन यह समझना जरूरी है कि मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य का। किसी विशेषज्ञ से मदद लेना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी का परिचय है।

अगर आप इन लक्षणों में से किसी का अनुभव कर रहे हैं, तो आपको एक मनोवैज्ञानिक से मिलना चाहिए।

लगातार उदासी या निराशा महसूस करना, जीवन में रुचि या आनंद की कमी, अत्यधिक चिंता या डर, नींद की समस्या, आत्मविश्वास की कमी, आत्महत्या के विचार, अचानक मूड में बदलाव, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाना, काम या पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अत्यधिक गुस्सा या चिड़चिड़ापन, भोजन की आदतों में बदलाव, सिरदर्द या पेटदर्द, नशे की लत या अत्यधिक शराब पीना भावनात्मक रूप से अस्थिर महसूस करना वैवाहिक जीवन में तनाव और पारिवारिक विवाद परामर्श सत्रों में गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा जाता है। आपकी बातें और समस्याएं पूरी तरह से गोपनीय रहती हैं। आपका मनोवैज्ञानिक आपकी अनुमति के बिना किसी से भी आपकी जानकारी साझा नहीं करेगा। यह गोपनीयता आपको अपनी समस्याओं को खुलकर साझा करने का सुरक्षित माहौल देती है।

परामर्श के फायदे

समस्याओं को समझने में मदद, मानसिक तनाव कम होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, जीवन में संतुलन और खुशहाली आती है, समस्याओं का समाधान, संबंध सुधार, भावनाओं को व्यक्त करने का सुरक्षित स्थान मिलता है। स्वस्थ विचार और व्यवहार अपनाने में मदद मिलती है। व्यक्तिगत विकास और आत्मसमझ बढ़ती है। बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। आधुनिक और प्रभावी उपचार विधियां प्राप्त होती हैं। भावनात्मक समर्थन मिलता है। समर्थन समूहों से जुड़ने के अवसर बच्चों और किशोरों के लिए विशेष परामर्श, पारिवारिक और दांपत्य समस्याओं का समाधान आपको अपनी समस्याओं को समझने और उनका समाधान खोजने में मदद मिलती है। मानसिक तनाव कम होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है। जीवन में संतुलन और खुशहाली आती है। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय पर मदद लेना बेहद जरूरी है। मनोवैज्ञानिक से परामर्श लेने में कोई शर्मिंदगी नहीं होनी चाहिए। यह एक समझदारी भरा कदम है जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करेगा। इसलिएए अगर आपको मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कोई भी समस्या महसूस हो, तो बिना किसी झिझक के एक मनोवैज्ञानिक से मिले। उम्मीद है कि आप मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझेंगे और जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक से परामर्श लेने में संकोच नहीं करेंगे।

(लेखक : मनोवैज्ञानिक हैं।)

छोटानागपुर विधि महाविद्यालय में दो दिवसीय झारखंड विधिज्ञ समागम का समापन

तीन नये आपराधिक कानूनों का अध्ययन करें छात्र : जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। छोटानागपुर विधि महाविद्यालय में दो दिवसीय झारखंड विधिज्ञ समागम दूसरे दिन रविवार को तीसरा टेक्निकल सेशन प्रातः 11.00 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमें प्रो डॉ चंद्रकांत शुक्ला, पूर्व प्रो वाइस चांसलर, कामाख्या सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो डॉ शैवाल सत्यार्थी, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली यूनिवसीर्टी, डॉ के श्यामला, एसोसिएट प्रोफेसर सह डीन, नेशनल यूनिवसीर्टी ऑफ स्टडी एंड लिगल रिर्सच, रांची, डॉ राजू माझी, एसोसिएट प्रोफेसर, बीएचयू, वाराणसी, डॉ एमआर श्रीनिवासा मूरथी, एसोसिएट प्रोफेसर सहः हैड पीजी डिपार्टमेंट, नेशनल यूनिवसीर्टी ऑफ स्टडी एंड लिगल रिर्सच, रांची, प्रो डॉ अनील कुमार चैधरी, एमजी काशी विद्यापीट, वाराणसी थे।
कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची, गेस्ट ऑफ ऑनर चेयरमैन, राजेंद्र कृष्णा, झारखंड स्टेट बार कॉउंसिल, रांची, विशेष अतिथि प्रो डॉ जय शंकर सिंह, कुलपति, राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, विशेष अतिथि प्रो डॉ तपन कुमार शांडिल्य, कुलपति, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची, अतिथि दिवाकर पांडेय, न्यायिक आयुक्त, रांची, रंजना अस्थाना, झालसा सचिव (प्रधान जिला न्यायाधीश, रांची), वाइस चेयरमैन राजेश शुक्ला, चीफ पेटरोन डॉ अजीत कुमार सिन्हा, कुलपति, रांची विश्वविद्यालय, रांची और पेटरोन प्रो डॉ पंकज कुमार चतुर्वेदी, डीन सह प्राचार्य, रांची विश्वविद्यालय, रांची और छोटानागपुर विधि महाविद्यालय, रांची और साथ ही रांची के गणमान्य लोगों की भी उपस्थिति थी। डॉ साक्षी पाठक, सहा प्रो ने स्वागत भाषण दिया। प्रो डॉ जय शंकर सिह ने भारतीय संस्कृति और शिक्षाविदों पर गर्व किया और बताया कि भारत ने उच्च स्तर की बौद्धिकता पैदा की है। प्रो डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने डाइसी की कानून की अवधारणा और कानून के शासन का भी उल्लेख किया।
राजेंद्र कृष्णा ने भारतीय पद्धति के आधार पर कानूनी शिक्षा न देने और उचित ज्ञान न होने तथा आगे भी इसकी आवश्यकता होने के मुद्दे पर कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने भारत में आधुनिक न्यायपालिका में लंबित मामलों पर भी विचार-विमर्श किया।
समारोह के मुख्य अतिथि न्यायाधीश, सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय ने समागम के उद्देश्य पर अपने विचार प्रसतुत किये, आगे उन्होंने इसे पहचानने की आवश्यकता पर जोर दिया। दोषों और दोषों को दूर करने के उपाय जिनके कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है कि हमें ऐसे सेमिनार आयोजित करने पड़ रहे हैं।
उन्होंने कहा समागम आधुनिक कानूनी प्रणालियों में फिट होने के लिए प्राचीन विचाारों की खोज है। उन्होंने छात्रों को निर्देश दिया कि वे पुराने और तीन नये आपराधिक कानूनों का अध्ययन करें ताकि सीखने के परिणाम को अधिकतम किया जा सके। उन्होंने कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987और 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधन, 1992 निहितार्थ का भी उल्लेख किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ निलाद्री मंडल, सहा प्रो द्वारा दिया गया। उक्त कार्यक्रम के एसोसिएटेड पार्टनर इक्फाई यूनिवर्सिटी, रांची साईं नाथ यूनिवर्सिटी, रांची, आइएलएस, रांची वि, रांची और बीएनएस लॉ कॉलेज, डालटेनगंज थे।

विद्यार्थी परिषद रांची विभाग के सह संयोजक बने खूंटी के कमलेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। अपने स्थापना काल 09 जुलाई 1949 से ही देश प्रथम के भाव से पूरे देश में कार्य कर रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड के चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग का समापन रविवार को जमशेदपुर समाप्त हो गया। मौके पर झारखंड के विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं को संगठन का दायित्वों की घोषणा की गयी। खूंटी जिले के कमलेश महतो को रांची विभाग का विभाग सह संयोजक बनाया गया। खूंटी जिला संगठन में भी कुछ फेरबदल किया गया। अभाविप के जिला प्रमुख डॉ चंद्रकिशोर भगत तथा खूंटी के जिला संयोजक प्रकाश टूटी को बनाया गया। गुड्डू राय, उत्कर्ष तिवारी, पवन कुमार, माया कुमारी, हीरांजलि हेंब्रम, श्रद्धा सिंह, सुमन कुमारी , राजकुमार महतो, राहुल कुमार, प्रवीण नाग, अमित कुमार महतो आदि कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामना दी है।

तमाड़ में हूल दिवस मनाया गया

सीपीआइ (एम) ने तमाड़ विधानसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशी की घोषणा की, सुरेश मुंडा होंगे तमाड़ के प्रत्याशी

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। सीपीआई (एम) लोकल कमेटी तमाड़ के द्वारा आज तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के भुईयांडीह चौक पर हुल क्रांति दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कामरेड लोदरा मुंडा ने किया। कार्यक्रम में पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य समीर दास, तमाड़ विधानसभा प्रभारी सुरेश मुंडा सहित कई नेता शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत भुईयाडीह चौक स्थित निर्मल महतो के मुर्ति पर नेताओं ने सिद्धू कान्हु के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात मंच से नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। संबोधित करते हुए राज्य सचिव मंडल सदस्य समीर दास ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार से पूरे देश भर में पिछड़ापन, बेरोजगारी, महंगाई बढ़ गयी है उन्होंने लोगों को बताया कि किस प्रकार से सत्ता में बैठे सरकार के द्वारा गरीब तथा आदिवासी लोगों को ठगा जा रहा है उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा गरीबों के रोजमर्रा चीजों पर टैक्स की बढ़ोतरी कर दी जा रही है वहीं हीरे जवारात पर कम जीएसटी लिया जा रहा है इससे साफ प्रतीत होता है की सरकार अमीरों की प्रति संवेदनशील दिखाई देती है गरीबों के ऊपर बोझ डाला जा रहा है। इस मौके पर तमाड़ तथा सिल्ली विधानसभा में सीपीआई (एम) पार्टी ने अपने प्रत्याशी देने की घोषणा कर दी। 2024 के विधानसभा चुनाव में सीपीएम पार्टी के तमाड़ विधानसभा प्रभारी सुरेश मुंडा का नाम की घोषणा की गयी। मौके पर सुरेश मुंडा ने कहा कि तमाड़ विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान विधायक के कार्यशैली से जनता त्रस्त है। वह ना तो गरीब गुरबों की आवाज के लिए खड़े होते हैं और ना ही आवाज उठाते हैं। आज जल जंगल जमीन की रक्षा करने के लिए लोग परेशान है। आदिवासियों की जमीन की लूट हो रही है। स्थानीय थाना अंचल तथा प्रखंड कार्यालय में बगैर चढ़ावे का काम नहीं हो रहा है। इसे वर्तमान विधायक नजर अंदाज करके चल रहे हैं आने वाले दिनों में सीपीएम पार्टी इसको लेकर अनुमंडल स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी तथा अनुमंडल कार्यालय का घेराव के साथ सड़क पर उतरेगी। हजारों की संख्या में सीपीआई (एम) पार्टी के कार्यकर्ता शामिल होंगे अगर स्थितियों पर सुधार नहीं की जाती है तो इसका जोरदार विरोध किया जायेगा। इस मौके पर विशेष रूप से, दिवाकर मुंडा, जहरूलाल मुंडा, बीरेंद्र सिंह, सुखनाथ लोहरा, सुफल महंतो, रामधन मछुआ, गणेश मुंडा, प्रकाश टोप्पो, लछमी देवी, रीता स्वासी, यदु गोपाल सिंह मुंडा व कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महत्वपूर्ण न्यूज

गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय के सचिव ने केंद्रीय मंत्री सह रांची सांसद सेठ को सौंपा ज्ञापन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय के संस्थापक सह सचिव गणेश कुमार महतो ने भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ से रांची में औपचारिक मुलाकात कर उन्हें केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री बनने की बधाई दी। साथ ही राय पंचायत के अंबेडकर मैदान राय को स्टेडियम बनाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने सांसद को बताया कि खलारी पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र से लगभग 40 से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय खेल में शामिल हो चुके हैं एवं इस क्षेत्र के कई खिलाड़ी मेडल जीतकर अपने जिला एवं राज्य का नाम रौशन कर चुके हैं। यदि इस खेल मैदान मे चारों ओर बाउंड्री (दीवार) एवं स्टेज का निर्माण होता है तो यहां के खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर में मेडल जीतकर अपने देश का नाम रौशन करेंगे। समस्या सुनने के बाद सांसद संजय सेठ ने इस खेल मैदान को जल्द से जल्द सुंदरीकरण कराने का आश्वासन दिया।

विश्व हिंदू परिषद के वर्ग प्रशिक्षण का आयोजन

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा एनएचपीसी मंदिर प्रांगण में रविवार को विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री कल्याण श्यामल और उमेश मांझी के मार्ग दर्शन में वर्ग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। चार घंटे तक चले वर्ग प्रशिक्षण में धर्म और मंत्रोच्चार के महत्व के बारे में जानकारी दी गयी। मौके पर जयघोष, उद्घोष और पूजा-पाठ के बारे में विशेष रूप से चर्चा की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विहिप के प्रखंड अध्यक्ष एमपी सिंह ने की। बैठक में विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष विरेंद्र साहू, बजरंग दल संयोजक मोहित जयसवाल, उमेश मांझी, गृड्डू मिश्रा, प्रताप साहू, विद्यार्थी परिषद के पवन महतो, मातृशक्ति संयोजिका सीमा देवी, दुर्गा वाहिनी संयोजिका भानुमति कुमारी, रूपा देवी, रिंकी देवी, मंजू देवी, पिंकी देवी, मधु देवी, शोभा देवी, चांदनी देवी, अंबिका देवी, सुनिता देवी, कलावती देवी, ज्योति देवी, संगीता मिश्रा, मंगला देवी, अमृता देवी उपस्थित थीं।

चैता महासमिति के 14 लोगों ने किया रक्तदान

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले में खून की कमी को दूर करने और लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेवा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा समुदाय के साथ मिलकर चलाये जा रहे अभियान से प्रभावित होकर खूंटी जिला चैता महासमिति के 14 सदस्यों ने रविवार को ब्लड बैंक खूंटी में स्वेच्छा से रक्तदान किया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ वीनू वंदना, चैता महासमिति के सुशील राय, कंचन सिंह, सुभाष चंद्र गुप्ता शामिल थे।

सुदेश महतो ने हूल दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

तमाड़ (आजाद सिपाही)। डोड़ेया मोड़ स्थित गुप्ता हॉल में हूल दिवस मनाया गया। शहीदों के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए सुदेश महतो ने कहा शहीदों की बलिदान को स्मरण करने ओर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है। इसके साथ ही पार्टी सुप्रीमो ने तमाड़ प्रखंड कमिटी को भंग कर नये प्रभारी नियुक्त किया। उमेश मछुवा ओर धनेश्वर महतो को तमाड़ पश्चिमी एवं हरदेव महतो और अनिल महतो को तमाड़ पूर्वी का का प्रभारी नियुक्त किया। इस अवसर पर तमाड़ विधानसभा प्रभारी हरेलाल महतो, सुनील सिंह, गुंजन इकिर मुंडा, विजय सिँह मानकी, परमेश्वरी शांडील, हीरालाल दास,, उमेश नायक, रेशमी देवी, सुनीता देवी, ताराचंद मुंडा, धनेश्वर महतो, हरदेव महतो, अनिल महतो अज्जू पाठनी आदि पार्टी के लोग उपस्थित थे।

फुटबॉल लीग में एफसी तमाड़ बनी चैंपियन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। पांच परगना स्पोर्ट्स एसोसिएशन के द्वारा आयोजित फुटबॉल लीग का फाइनल मैच एफसी तमाड़ और एफसी पुण्डिदिरी के बीच आमलेशा मैदान में खेला गया। खेल के मध्यांतर तक दोनों टीमें गोलरहित रही, मध्यांतर के बाद एफसी तमाड़ ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए यह मैच 4-0 से जीत लिया। टीम के लिए रामेश्वर मुंडा ने दो गोल, भरत उरांव ने एक गोल और गोखन मुंडा ने एक गोल किया। मुख्य अतिथि के रूप में आाजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो मैदान में उपस्थित थे। मैच के दौरान बिमल बिरुआ (पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाडी) दिनेश कुमार (अंतरराष्ट्रीय लॉन बाल खिलाडी) निशांत भेंगरा (राष्ट्रिय रेफरी) विजय मानकी (जिप सदस्य तमाड़ प) परमेश्वरी सांडिल (जिप सदस्या) कुमार सत्येंद्र नाथ शाहदेव, पी पी ऐस एके संरक्षक हरेलाल महतो, पांच परगना स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संरक्षक हीरा लाल दास, अध्यक्ष हरीश चन्द्र मुंडा, करम मुंडा, गुप्टेस्व मुंडा, लुबरु तांती, प्रेम पूर्ति, रितेश गुप्ता कैलाश वरदियार व काफी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

शपथ पत्र

शपथ पत्र के अनुसार दिनांक : 28.06. 2024 क्रम.संख्या - 4469 मै अजय कुमार गुप्ता पिता का नाम राजेन्द्र प्रसाद निवासी - कुण्ड मुहल्ला हमीदिया स्कुल रोड, वार्ड नं.-7 , मेदिनीनगर, जिला - पलामु का स्थायी निवासी हूँ। शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि।
1. यह कि मै उपरोक्त नाम एवं पते का निवासी हूँ। 2. यह कि अजय कुमार गुप्ता एवं अजय कुमार प्रसाद दोनो ही नाम मेरा है तथा मै उपरोक्त दोनो नामों से जाने जाते है। 3. यह कि आधार कार्ड मे मेरा नाम अजय कुमार गुप्ता है जिनका आधार कार्ड - 8896 9225 3831 है। 4. यह कि किसान विकास पत्र पोस्ट ऑफिस रामगढ़, मे मेरा नाम अजय कुमार प्रसाद है 5. यह कि मै यह शपथ पत्र उपरोक्त दोनो ही नाम मेरा है इसी बात को सत्यपित करने हेतु शपथ पत्र का निष्पादित कर रहा हुँ।

ईचागढ़ के मिलन चौक में खुला आजसू का प्रखंड कार्यालय

जनता के लिए समाधान केंद्र के रूप में काम करेगा सभी आजसू कार्यालय : हरेलाल महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। प्रखंड के मिलन चौक पर आजसू पार्टी का प्रखंड स्तरीय कार्यालय का केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने उद्घाटन किया। हूल क्रांति दिवस के अवसर पर यह कार्यालय खोला गया। आजसू के केंद्रीय महासचिव हरेलाल ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरेलाल महतो ने ईचागढ़ प्रखंड के आजसू कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। हरेलाल महतो ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और सहयोग से उन्हें शक्ति मिलती हैं, जिसकी बदौलत वह दिन रात जनता की सेवा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईचागढ़ विधानसभा के चांडिल तथा नीमडीह प्रखंड में पहले से कार्यालय है, जहां से आम जनता को हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। अब ईचागढ़ में भी प्रखंड स्तरीय कार्यालय खुल गया है, यहां से भी जनता के समस्याओं का समाधान किया जायेगा। ईचागढ़ विधानसभा के सभी पार्टी कार्यालय समाधान केंद्र के रूप में काम करेगी। सभी कार्यालयों में जनता की समस्याओं को सुना जायेगा और समाधान का प्रयास किया जायेगा। हरेलाल महतो ने कहा कि 35 वर्ष से जितने भी विधायक बने हैं वह कभी नहीं चाहते हैं कि ईचागढ़ विधानसभा के युवा शिक्षित बनें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए स्वर्गीय डोमन सिंह मुंडा जी ने पांच एकड़ भूमि दान किए हैं, जहां इंटरमीडिएट की पढ़ाई होती हैं लेकिन आजतक उस इंटरमीडिएट कॉलेज की चारदीवारी भी नहीं बना है। वही स्थिति सिंहभूम कॉलेज चांडिल की है, जहां चार - पांच कमरें हैं लेकिन विद्यार्थियों की संख्या सात हजार से अधिक है।

बाबा आमेश्वर धाम प्रबंध समिति की बैठक

श्रावणी मेले को लेकर विचार विमर्श

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। बाबा आमेश्वर धाम प्रबंध समिति की बैठक की रविवार को समिति के उपाध्यक्ष रमेश मांझी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 22 जुलाई से शुरू होनेवाले श्रावणी मेले को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि बाबा आमेश्वर धाम परिसर में 22 जुलाई से 19 अगस्त तक श्रवणी मेले का आयोंजन होगा। इस दौरान बाबा के भक्तों की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था कों लेकर विमर्श किया गया। ज्ञात हो कि बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी में हर साल सावन में एक महीने तक श्रावणी मेले का आयोंजन किया जाता है, जिसमें न सिर्फ झारखंड के बल्कि छत्तीसगढ़, ओड़िशा, मध्यप्रदेश, बिहार और बंगाल के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में बाबा भोलनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। बैठक मे साफ-सफाई, विजली और सुरक्षा व्यवस्था सहित कई मुद्दों में चर्चा की गयी। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रावण माह के पूर्व ही मंदिर प्रवेश द्वार से निकासी और वीआइपी द्वार पर शेड बनाया जायेगा, ताकि बाबा के भक्तों को बर्षा और धूप से परेशानी न हो। साथ ही फूल और लाइट की सजावट भी कराई जायेगी तथा बनई नदी से मंदिर परिसर तक लाइट-साउंड की व्यवस्था की जायेगी। मौके पर प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष संतोष पोद्दार, श्रीपालचंद जैन, महेंद्र अग्रवाल, परिमल घोष, महेंद्र भगत, सुखदेव भगत, कैलाश भगत,अरूण कुमार कर, आनंद वर्मा, जगदीश शर्मा, प्रेमचंद महतो, दुर्गा महतो, प्रेमानंद तिवारी, प्रह्लाद कुमार, नरेंद्र अधिकारी, सुरेंद्र कर, केशरी महतो, सत्यजीत कुंडू सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

खलारी प्रखंड कार्यालय में विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार झालसा के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार डालसा सिविल कोर्ट रांची के द्वारा रविवार को खलारी प्रखण्ड कार्यालय में विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित सिविल कोर्ट रांची के न्यायिक पदाधिकारी प्रथम श्रेणी गौतम गोविंदा को खलारी बीडीओ संतोश कुमार और खलारी सीओ प्रणच अंबश्ट ने पौधा देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए न्यायिक पदाधिकारी गौतम गोविंदा ने कहा कि डालसा का उद्देश्य जरूरतमंद असहाय पीड़ित न्याय से वंचित दिव्यांग व्यक्ति और लोगों तक न्याय की सहायता पहुंचाना है। साथ ही कानूनी प्रकिया में फंसे लोगों को भी निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाना है। उन्होने बताया कि मध्यस्थता के द्वारा आपसी विवाद का भी निपटारा करा कर लोगों की मदद की जाती है। वहीं सड़क दुर्घटना में मृत परिवार को मुआबजे की राशि दिलाना, पीड़ित मुआबजा अधिनियम के तहत पीड़िता को न्याय द्वारा संरक्षण देकर मुआवजा दिलाना है। बालकों की देख रेख संरक्षण पर डालसा के द्वारा खलारी में विशेष कैंपेनिंग के जरिए बच्चों के सुरक्षित भविष्य बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होने मनरेगा के तहत संचालित कई कार्यो को बताया। साथ ही बताया कि अबुआ आवास योजना के तहत बीते वित्तीय वर्श 2023-24 में प्रखण्ड क्षेत्र में 565 लाभुको योजना का लाभ दिया गया। वहीं वित्तीय वर्श 2024-25 में 1297 से अधिक अबुआ आवास का लक्ष्य है। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वालंबन योजना के बारे में विस्तार से लोगों को बताया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन खलारी बीडीओ के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खलारी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह, मुखिया पुतूल देवी, पारसनाथ उरांव, पुश्पा खलखो, शिवरत मुंडा, मलका मुंडा, सुनीता देवी, शांति देवी, पंसस कुजीता देवी सहित महिला पुरूश ग्रामीण एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शिविर में लाभार्थियों के बीच परिसंपत्तियों का हुआ वितरण

विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर में न्यायिक पदाधिकारी गौतम गोविंदा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के हाथों विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। जिसमें ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार की ओर से आजीविका स्वयं सहायाता समूह खलारी जिनमें 31 महिला समूह और 310 सदस्य है उन्हे संयुक्त रूप से 89 लाख का बैंक ऋण राषि का चेक दिया गया। इसके अलावा शिक्षा विभाग द्वारा 20 बच्चों को पाठ्य सामग्रियां, कल्याण विभाग द्वारा 20 छात्रों के बीच साइकल का वितरण, पंचायती राज्य विभाग के द्वारा 15 लाभुकों के बीच खेल सामग्री का वितरण के अलावा बिरसा सिंचाई कूपसंवर्द्धन योजना के तहत 22 लाभुक, बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत 18 लाभुक और पशु शेड का तीन लोगों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

मनुष्य जीवन अनमोल है, इसे परमात्मा की भक्ति में ही लगायें : बहन सुधाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। संत निरंकारी सत्संग भवन हुटार खूंटी में रविवार को संयोजक स्तरीय महिला संत समागम का आयोजन किया गया। घंटों चले इस कार्यक्रम में खूंटी, रांची, बुंडू, खलारी, सिल्ली, नामकुम, रातू, नगड़ी, गुमला, लोहरदगा आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शामिल हुई बहनों ने आध्यात्मिक विचारों, गीतों और कविता के माध्यम से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु गद्दी में विराजमान बहन सुधाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आज महिलाएं सिर्फ घरों और समाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अध्यात्म में भी बढ़-चढ़ कर भागीदारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आत्मा रूपी इस शरीर को जब परमात्मा रूपी पति मिल जाता है, तो जीवन की अवस्था सहज हो जाती है। फिर वह हर पल अध्यात्म से अपना जीवन-यापन करती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है, इसे हम परमात्मा की भक्ति में लगायें। रांची जोन की संयोजिका बहन चंपा भाटिया ने भी महिलाओं के सामर्थ्य, शक्ति और भक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं को इस कलयुग में भी मीरा और सबरी (भीलनी) जैसी भक्ति करनी है, जिससे उनका जीवन धन्य हो। उन्होंने महिला समागम के इस आयोजन के लिए सेवा दल के अथक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में मोबाइल की लत से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए कहा गया कि नुकसानदेही मोबाइल की लत को त्याग कर परमात्मा के साथ संबंध स्थापित करना चाहिए।

मौके पर ब्रह्मकुमारी बहन अंजिता और नगर पंचायत खूंटी की पूर्व पार्षद फरहीन सब्बा, मुखी चक्रधारी सिंह, मुरहू के मुखी नवीन भगत, रोशन लाल भाटिया, देवेंद्र गोप सहित संस्था के अन्य लोग शामिल थे।

खूंटी जिले में थम नहीं रहा गजराजों का खूनी खेल, फिर एक वृद्ध को मार डाला

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरपा, कर्रा, रनिया सहित अन्य प्रखंडों में जंगली हाथियों का खूनी खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। गजराजों ने रविवार को अहले सुबह लगभग पांच बजे रनिया थाना क्षेत्र के डिम्बुकेल बड़का टोली गांव में सलोनी गुड़िया नामक 76 वर्षीय वृद्धा को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के संबंध में बताया गया कि सलोनी घर के बाहर आंगन की साफ-सफाई कर रही थी। उसी दौरान गोंडरा जंगल की ओर से पहुंचे एक हाथी ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वहीं उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर रनिया थाना पुलिस, वन विभाग के कर्मी और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी सलोनी के परिजनों से ली। रनिया थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया। वन विभाग द्वारा पीड़ित परिवार को 15 हजार रुपये की तत्काल मदद दी गयी। साथ ही हाथियों को भगाने के उपकरण भी ग्रामीणों को सौंपे गये। जंगली हाथी के हमले के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। मौके पर झामुमो नेता सुदीप गुड़िया, बनई पंचायत की मुखिया वरदानी कंडुलना, जॉन कंडुलना, कल्याण गुड़िया, उदय चौधरी प्रदीप केसरी, विलियम आदि मौजूद थे। **चार दशकों से जारी है, जंगली हाथियों का आतंक :** खूंटी जिले के कर्रा, खूंटी, तोरपा, रनिया और मुरहू इन सभी छह प्रखंडों के ग्रामीण इलाकों मे पिछले चार दशकों से जंगली हाथियों का आतंक जारी है।

दमदार वापसी कर बने विश्व विजेता

भारतीय टीम के मौजूदा दौर में दो सबसे बड़े खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 से संन्यास लेने का एलान कर दिया। भारत ने बारबाडोस में खेले गये फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 17 साल के लंबे इंतजार के बाद इस प्रारूप का अपना दूसरा वैश्विक खिताब जीता। रोहित के लिए यह जीत विशेष रही, क्योंकि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में महेंद्र सिंह धोनी के बाद विश्व विजेता कप्तान बनने वाले वह दूसरे भारतीय बने। हालांकि, इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के संन्यास की घोषणा करने से फैंस को खुशी के बीच निराशा भी मिली। रोहित 2007 विश्व विजेता टीम का भी हिस्सा रहे थे, वहीं कोहली भी लंबे समय से भारतीय टीम में नियमित रूप से शामिल रहे हैं। हालांकि, 2022 टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में मिली हार के बाद एक वक्त ऐसा आया, जब यह दोनों दिग्गज खिलाड़ी कुछ समय तक भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। रोहित की अनुपस्थिति में हार्दिक पांड्या ने कुछ द्विपक्षीय टी20 सीरीज में भारत की कमान संभाली थी और रोहित तथा कोहली के टी20 टीम में शामिल होने पर संशय बना हुआ था।

भारत के लिए विराट ने 125 टी20 मैच खेले, जिसमें 48.69 की औसत के साथ 4188 रन बनाये। वह रोहित शर्मा के बाद इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं। कोहली ने अपने इस करियर में एक शतक और 38 अर्धशतक जमाये।

कोहली ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 12 जून 2010 को की थी। अब 14 साल बाद जून में ही अपना आखिरी मैच भी खेला। भारत के लिए विराट ने 125 टी20 मैच खेले, जिसमें 48.69 की औसत के साथ 4188 रन बनाये। वह रोहित शर्मा के बाद इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं। कोहली ने अपने इस करियर में एक शतक और 38 अर्धशतक जमाये। वह टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा 1292 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। उनके नाम टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा 15 अर्धशतक भी हैं। वहीं, रोहित की बात करें तो उन्होंने अपने टी20 अंतराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 2007 में टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीत कर की थी। वह 2007 में धोनी की अगुआई में चैंपियन बनने वाली टीम का भी हिस्सा रहे थे। अब नौवें संस्करण में उन्होंने खुद अगुआई करते हुए भारत को टी20 विश्व कप चैंपियन बनाया और करियर का अंत भी एक चैंपियन के तौर पर किया। रोहित ने टीम इंडिया के लिए टी20 में बतौर कप्तान 50 मैच जीते हैं और यह एक रिकॉर्ड भी है। उनसे ज्यादा मैच अभी तक टी20 में किसी कप्तान ने नहीं जीते हैं। पिछले साल वनडे विश्व कप को देखते हुए भारत ने अधिकतर वनडे प्रारूप के मुकाबले खेले। विश्व कप से पहले एशिया कप 50 ओवर के प्रारूप में हुआ, जहां भारतीय टीम विजेता बन कर उभरी।

अभिमत
आजाद सिपाही

दरअसल प्रदेश और देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बढ़ती लोकप्रियता से उनके मंत्रिमंडल के ही कुछ लोग काफी परेशान हैं। इन मंत्रियों की मुख्यमंत्री बनने की लालसा भी हिलोरें मार रही है। जाने-अनजाने में कुछ केंद्रीय नेताओं का भी इन्हें संरक्षण मिल रहा था। ये लोग नहीं चाहते थे कि योगी की लोकप्रियता बढ़े। इसलिए लोकसभा के चुनाव में भाजपा को जिताने और बढ़ाने में इनकी कोई विशेष सक्रियता भी दिखायी नहीं पड़ी।

योगी का कद घटाने से यूपी की सीटें घटीं

निरंकार सिंह

अब पार्टी संगठन एक टास्क फोर्स बना कर इसके कारणों की छानबीन कर रहा है। प्रदेश में भाजपा की सीटें घटने के कई कारण बताये जा रहे हैं। पहला कारण दो बार लगातार चुनाव जीतने वाले सांसदों का अपने-अपने क्षेत्र में भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जनता से संपर्क टूट गया था। यदि आप सांसद या विधायक हैं, तो आपको अपने क्षेत्र का बराबर दौरा करना चाहिए। लोगों के दुःख दर्द में शामिल होना चाहिए।

लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सीटें कम मिलने के कारण भाजपा बहुमत का आंकड़ा पार नहीं कर पायी। इसके बारे में कई तरह की बातें कही जा रही हैं। दरअसल प्रदेश और देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बढ़ती लोकप्रियता से उनके मंत्रिमंडल के ही कुछ लोग काफी परेशान हैं। इन मंत्रियों की मुख्यमंत्री बनने की लालसा भी हिलोरें मार रही है। जाने-अनजाने में कुछ केंद्रीय नेताओं का भी इन्हें संरक्षण मिल रहा था। ये लोग नहीं चाहते थे कि योगी की लोकप्रियता बढ़े। इसलिए लोकसभा के चुनाव में भाजपा को जिताने और बढ़ाने में इनकी कोई विशेष सक्रियता भी दिखायी नहीं पड़ी।

अब पार्टी संगठन एक टास्क फोर्स बना कर इसके कारणों की छानबीन कर रहा है। प्रदेश में भाजपा की सीटें घटने के कई कारण बताये जा रहे हैं। पहला कारण दो बार लगातार चुनाव जीतने वाले सांसदों का अपने-अपने क्षेत्र में भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जनता से संपर्क टूट गया था। यदि आप सांसद या विधायक हैं, तो आपको अपने क्षेत्र का बराबर दौरा करना चाहिए। लोगों के दुःख दर्द में शामिल होना चाहिए। उनकी समस्याएं जाननी चाहिएं। जनता आप से यही अपेक्षा करती है। ये लोग मोदी और योगी के सहारे चुनाव जीतने की उम्मीदें लगाये बैठे थे, इसलिए अपने क्षेत्रों में जनता से संपर्क साधने की जरूरत नहीं समझी। ये लोग अपने घर पर ही ठेका-पट्टा पाने वालों का दरबार लगाते रहे। ऐसे लोगों को दोबारा टिकट देने वाले नेता भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते हैं। दूसरा बड़ा कारण भाजपा प्रदेश और जिला संगठन भी जनता से दूर हो गया है।

बहरहाल पार्टी संगठन इस हार की समीक्षा के लिए बनायी गयी टास्क फोर्स की सूचनाओं का इंतजार कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कितने जिलों में संगठन को मजबूत करने के लिए कितनी बार दौरा किया, इसका कोई ब्योरा पार्टी संगठन के पास नहीं है। प्रदेश पार्टी का आइटी सेल पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। ब्राह्मणों-ठाकुरों को लड़ाया गया, दलितों और पिछड़ों को भरमाया गया। इनके जरिए आरक्षण खत्म करने से लेकर संविधान बदलते तक की बातें तक कही गयीं। जिसका प्रदेश भाजपा का आइटी सेल कोई जवाब नहीं दे पाया। हर लोकसभा और विधानसभा चुनावों से 6 महीने पहले ही मतदाता सूची का पोलिंग, बूथ स्तर पर संशोधन और परिवर्धन होता है। यदि भाजपा संगठन के कार्यकर्ता अपने-अपने पोलिंग बूथों पर सक्रिय रहते तो हजारों भाजपा समर्थकों के नाम मतदाता सूची से नहीं कटते। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी का गारंटी कार्ड का फार्म खासतौर अल्पसंख्यक, अशिक्षित और निर्धन महिलाओं से भरवाया गया। उन्हें डर था कि 3 तलाक के मामले खत्म करने के कारण ये महिलाएं भाजपा को वोट दे सकती हैं। काट के लिए पार्टी स्तर पर कोई प्रयास नहीं किया गया। प्रमुखों की तमाम जिलों में फर्जी सूची बनायी गयी, जो वास्तव में कहीं थे ही नहीं।

बहरहाल पार्टी संगठन इस हार की समीक्षा के लिए बनायी गयी टास्क फोर्स की सूचनाओं का इंतजार कर रही है। पर यहां सवाल यह उठता है कि क्या कोई संगठन खुद अपनी कमियों को स्वीकार करेगा? इस टास्क फोर्स के काम के लिए दूसरे राज्यों के लोगों को लगाया गया होता तो शायद सही जानकारी सामने आती। लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश में 2019 में उसे जहां 62 सीटें मिली थीं, वहीं 2024 के आम चुनाव में 33 पर संतोष करना पड़ा है। भाजपा उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में 29 सीटें कम मिलने की पूरे देश में चर्चा है। अब पार्टी भी इस पर मंथन में जुटी है और पूरा फीडबैक लेने के बाद कुछ एक्शन हो सकता है। भाजपा को सबसे ज्यादा हैरानी अमेठी, फैजाबाद (अयोध्या वाली सीट), बलिया और सुल्तानपुर जैसी सीटों पर हार से है। इन सीटों को भाजपा के लिए मजबूत माना जाता था। अमेठी में स्मृति ईरानी की कांग्रेस के एक आम कार्यकर्ता से हार ने पूरे नरेटिव को चोट पहुंचायी है।

इसके अलावा अयोध्या की हार भी कान खड़े करने वाली है। सुल्तानपुर से मेनका गांधी भी चुनाव हार गयीं जो लगातार जीतती रही हैं। फिर अयोध्या की हार ने तो पूरे नरेटिव को ही चोट पहुंचायी है। भाजपा को उस सीट पर हारना पड़ गया, जहां ऐतिहासिक राम मंदिर बना है। 500 सालों के इतिहास का चक्र जिस अयोध्या में घूमा, वहां ऐसी हार ने भाजपा को हैरान कर दिया है। अब पार्टी पूरे नरेटिव को कैसे सेट करे और अपनी हार को कैसे पचाया जाये, इसकी तैयारी में जुटी है।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा को आरएसएस और उसके अनुषांगिक संगठनों से भी फीडबैक मिलेगा। संघ के लोगों से भी कहा गया है कि वे समीक्षा करके बतायें कि हार के क्या कारण रहे।

उत्तर प्रदेश ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। ये चुनाव नतीजे प्रदेश सरकार के मंत्रियों के लिए सबक है। मंत्रियों को भाजपा के कार्यकर्ताओं और जनता के संपर्क में रहना चाहिए और उनकी जनहित की समस्याओं का समाधान करते रहना चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करेंगे तो आगामी विधानसभा के चुनाव में उनका और पार्टी का चुनाव जीतना मुश्किल हो जायेगा।

जमशेदपुर की खबरें

छोटे-बड़े व्यापारिक संगठन, उद्योग, कंपनियां नये न्यूनतम मजदूरी कानून का करें पालन : डॉ अजय

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर सहित आसपास के छोटे बड़े व्यापारिक संगठन, उद्योग, कंपनियां में झारखंड सरकार के नये न्यूनतम मजदूरी कानून लागू करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने पहल शुरू कर दी। रविवार को बिस्टुपुर में प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस पार्टी के कार्यसमिति सदस्य, जमशेदपुर के पूर्व सांसद व आईपीएस डॉ अजय कुमार ने लागू किए गए न्यूनतम मजदूरी का मामला उठाया। डॉ.अजय ने कहा बढ़ती महंगाई को देख झारखंड सरकार ने बीते 11 मार्च को अधिसूचना जारी करते हुए श्रमिको की न्यूनतम मजदूरी में बढोतरी की है। साथ ही प्रदेश में इसको लागू भी कर दिया गया। उन्होंने कहा इसको लेकर सीएम चंपई सोरेन से वार्ता हुई है। उन्होंने कहा छोटे बड़े व्यापारिक संगठन,उद्योग, कंपनियो में नये न्यूनतम वेतन कानून का पालन करें। जो नये कानून का पालन नहीं कर रहे उनको निर्देश दिया जाना चाहिए। डॉ अजय ने कहा जिन मजदूरों को नए न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल रही वे लेबर कमिश्नर ऑफिस में लिखित शिकायत कर सकते हैं। मौके पर डॉ अजय कुमार के साथ नट्टू झा,राजा सिंह राजपूत,रहीस रिजबी छब्बन शामिल रहे।

देश भर में एक जुलाई से लागू होने वाले नये कानून को लेकर कार्यशाला सह परिचर्चा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। देश भर में आगामी एक जुलाई से नया कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 लागू होना है। रविवार को इसको लेकर आदित्यपुर अधिवक्ता संघ ने अध्यक्ष नरेंद्र सिंह के नेतृत में एक कार्यशाला सह परिचर्चा का आयोजन किया। मौके पर मुख्य अतिथि जलाडो के अध्यक्ष सह आदित्यपुर अधिवक्ता संघ के संरक्षक ओम प्रकाश शामिल हुए। अधिवक्ता नरेंद्र प्रसाद ने कहा कि नया कानून अधिवताओं के लिए चुनौती हैं। जिसे बारिकी से समझना होगा। नये किताब में कई धाराए बदली गयी है, जिसे याद करना होगा। मुख्य अतिथि जलाडो के अध्यक्ष सह आदित्यपुर अधिवक्ता संघ के संरक्षक ओमप्रकाश ने आदित्यपुर अधिवक्ता संघ और चांडिल अनुमंडल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं के बीच निःशुल्क नये किताबों का वितरण किया। ताकि नए कानून से वाकिफ होसके। उन्होंने कहा नये कानून से भारतीयता का बोध होता, जो दिल को सकून देता। अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए कई कानून को सख्त किया गया।मुख्य वक्ता अधिवक्ता सह जमशेदपुर डालसा के मीडियेटर रजनी मिश्रा ने कहा कि नये कानून में महिलाओं की सुरक्षा पर कई धाराओं को सख्त किये गये।महिला सशक्तिकरण को मजबूती मिलेगी। सुनील कुमार सवाई ने कहा कि नये कानून में जटिलताएं हैं, लेकिन इसमें अधिवक्ताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं। प्रशिक्षण की जरूरत है। ज्यादा जरूरत पुलिस की है। एफआईआर से ही हम विवेचना करते हैं। धन्यवाद ज्ञापन डी एन ओझा ने किया। मौके पर एलबी अकुर, विनोद ठाकुर, संजीव झा, दिलीप साव, सिकन्दर सिंह, मनोज कुमार, संजय द्विवेदी, मनीष कुमार, अजय कुमार सिंह, संजय कुमार सहित अन्य अधिवक्ताओं ने शामिल रहे।

एकल परिवार को अपवाद पुस्तिका से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाये : मुखिया

पोटका(आजाद सिपाही)। पोटका प्रखंड अंतर्गत हल्दीपोखर पूर्वी पंचायत के मुखिया देवी कुमारी भूमिज ने उपायुक्त को एक ज्ञापन देकर मांग की है कि एकल परिवार को अपवाद पुस्तिका से खाद्यान उपलब्ध कराया जाये। ज्ञापन में कहा गया है कि ऐसे वृद्ध तथा एकल राशन कार्डधारी जिनके पास ई पोश मशीन से फिंगर प्रिंट नही आता है और न ही उनके पास मोबाइल की सुविधा है। वैसे कार्डधारी लगभग सालभर से चावल नही मिलने के कारण भुखमरी से जूझ रहे है। अपवाद पुस्तिका चालू कर यदि ऐसे एकल परिवार को राशन मुहैया की जाती है तो इनके सामने भुखमरी की समस्या काफी हद तक हल हो जायेगी। भूमिज ने कहा है की इस संबंध में उपायुक्त को एक मांग पत्र पूर्व में भी दिया गया था, परंतु अभी तक इसमें कोई करवाई नहीं हुई है।

झारखंड प्रदेश इंटक कार्यकारिणी की बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। तार कंपनी वर्कर्स यूनियन कार्यालय में झारखंड प्रदेश इंटक कार्यकारिणी की एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में इंटक के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष राकेशश्वर पांडे शामिल हुए। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष को माला पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार विमर्ष किया गया। इस दौरान बक्ताओ ने कहा मजदूरों का शहर में इंटक एक महत्वपूर्ण रोल अदा करती है। लेकिन झारखण्ड में बोकारो,धनबाद,पश्चिम सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम से इंटक के किसी नेता और कार्यकर्ता को विधानसभा में टिकट नही मिला। बैठक में झारखंड इंटक के सदस्यों को संगठित करना, असंगठित क्षेत्र में नयी यूनियन बनाना, असंगठित मजदूरों को पीएफ और इएसआई का लाभ दिलाना, आदित्यपुर के इएसआई अस्पताल में असुविधाओं को दूर करना, महिला सशक्तिकरण और जरूरतमंद महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना, महिलाओं को आजीविका में मदद कर सशक्त बनाना, इंटक में महिलाओं की सहभागिता, उनकी जिम्मेदारी और मजबूती प्रदान करने पर विचार किया गया। साथ ही झारखंड के सभी जिलों में इंटक की जिला कमेटी का गठन कर उनकी जिम्मेदारियां से अवगत कराना, उन्हें ट्रेनिंग देने की सुविधा,कांग्रेस व इंटक में संमजस्य स्थापित कर एक साथ आगे बढ़नें पर विचार किया गया। प्रदेश अध्यक्ष राकेशश्वर पांडे ने सभी को एकजुट होकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा इंटक कार्यकारिणी सदस्यों की अगली बैठक 7 जुलाई को हजारीबाग टाउन हॉल में होगी। बैठक में इंटक के राष्ट्रीय महामंत्री संजय सिंह शामिल होंगे। बैठक में टाटा मोटर वर्क्स यूनियन के महामंत्री आरके सिंह,पंकज कुमार सिंह, श्रीकांत सिंह,महेंद्र मिश्रा, परविंदर सिंह सोहल, संजीव श्रीवास्तव, राकेश तिवारी, पिंटू श्रीवास्तव, केपी तिवारी, राणा सिंह, मीरा तिवारी,जगदीश नारायण चौबे, बीरबल सिंह, देबू चटर्जी, राजेश सिंह राजू, शिव लखन सिंह, कमल हसन,जयंती दास, अंजनी कुमार,उषा सिंह, विजय यादव सहित अन्य शामिल रहे।

उल्दा में पहाड़ पूजा में भक्तों की उमड़ी भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशीला । उल्दा एतिहासिक सार्वजनिक पहाड़ पूजा का रविवार को आयोजन किया गया।इस पहाड़ पुजा में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। पुजारी विरेन्द्र सिंह ने विधि विधान से पूजा अर्चना की।इस पहाड़ पुजा में महुलिया पंचायत,बडाखुशी पंचायत,जोडसा पंचायत सहित आस पास के ग्रामीण पहुंचे। मुखिया लाल मोहन सिंह सह निर्णायक ने बताया कि उल्दा पहाड़ पूजा 200 वर्ष पुराना पुजा है। उन्होंने कहा कि अच्छी बारिश,सुख, शांति समृद्धि और खुशहाली को लेकर जंगल के देवता की पूजा की जाती है। इस पहाड़ पुजा में भक्तों की मन्नते पुरी होती है चाहे वह संतान प्राप्ति की हो या चाहे नौकरी की या बीमारी को लेकर हो सभी मन्नते पुरी होती है। मन्नते पुरी होने पर अपने द्वारा किये गये वादे के अनुसार चढ़ावा चढ़ाया जाता है, जिसमें,पाठा, मुर्गा सहित नारियल लड्डु आदि चढ़ाया जाता है। शाम को महिला कलाकारों के द्वारा छौ नाच का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। उसके बाद संतोष महतो के द्वारा झुमूर संगीत का आयोजन किया गया। उसके बाद सोमवार को डांस धमाका का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से गौर मोहन सिंह, बृहस्पति गोराई, बादल गोराई, मनोहर सिंह,केदार सिंह, भागीरथ सिंह ,किशोर सिंह आदि शामिल रहे।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 01 जुलाई, 2024
www.azadsipahi.in

अबुआ आवास में विधायक ने हस्तक्षेप किया तो मुखिया संघ करेगा हड़ताल

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत भवन में रविवार को मांडर विधानसभा के पांचों प्रखंड मांडर, चान्हो, बेड़ो, इटकी व लापुंग के मुखियाओं की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता बेड़ो मुखिया सुशांति भगत ने की। इसमें विधायक शिल्पी नेहा तिर्की की ओर से अधिकारियों को उनकी अनुशंसा के बगैर प्रखंड में अबुआ आवास सहित अन्य योजनाओं की स्वीकृति नहीं देने के निर्देश का विरोध किया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि मुखिया संघ की मांगें पूरी नहीं हुईं तो मांडर विधानसभा के पांचों प्रखंडों के मुखिया कलमबद्ध हड़ताल पर चले जायेंगे। इस अवसर पर रांची जिला मुखिया संघ के सचिव नीरज कुजूर ने कहा कि मुखिया अपने-अपने पंचायत में अबुआ आवास के लाभुकों का चयन ग्रामसभा के माध्यम से करने में सक्षम हैं। ऐसे में विधायक ने उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया है। जिसे मुखिया संघ कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि प्रखंड प्रशासन द्वारा हमारी मांगों को अगर पूरा नहीं किया गया तो पूरे मांडर विधानसभा के मुखिया कलमबंद आंदोलन पर चले जाएंगे। मौके पर जिला कोषाध्यक्ष प्रकाश खलखो, लापुंग प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष सविता उरांव, चान्हों प्रखंड अध्यक्ष भोला उरांव, मांडर प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण भगत, केशा मुखिया अंजू कच्छप, करकरी मुखिया सरिता एक्का, बेडो मुखिया सुशांति भगत,नेहालू मुखिया वीरेंद्र भगत, खुखरा मुखिया जतरु उरांव समेत पांचों प्रखंड के मुखिया मौजूद थे।

बेड़ो में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल हुए 605 विद्यार्थी, 1039 अनुपस्थित

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड में रविवार को मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा को लेकर बनाये गए पांच परीक्षा केंद्रों पर कुल 605 विद्यार्थियों ने परीक्षा दिया। हालांकि 1039 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। गौरतलब हो कि पूरे प्रखंड के विभिन्न स्कूलों के आठवीं कक्षा के 1644 विद्यार्थियों के लिए परीक्षा आवंटित थी। जिनमें राजकीय मध्य विद्यालय बालक में 88 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित और 320 अनुपस्थित थे। वहीं एसएस प्लस टू में 231 उपस्थित व 213 अनुपस्थित रहे। प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में 188 उपस्थित व 262 अनुपस्थित रहे। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में 27 उपस्थित व 173 अनुपस्थित रहे। जहां राजकीय मध्य विद्यालय बालिका में 71 छात्र उपस्थित 159 छात्र अनुपस्थित रहे।

सवारी ऑटो व बाइक में टक्कर, एक की मौत

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नरकोपी थाना क्षेत्र के बोबरो मोड़ के समीप नरकोपी-बोबरो सड़क पर रविवार अपराह्न 3.30 बजे एक सवारी ऑटो व बाईक में आमने सामने की टक्कर हो गई। इस घटना में ऑटो चालक नरकोपी थाना क्षेत्र के चरनालों गांव निवासी सुरेश भगत (45) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चालक ईंटा गांव निवासी मईदीन अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नरकोपी थाना के एएसआई राम नगीना ने ग्रामीणो के सहियोग से इलाज के लिए चान्हो रेफरल अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स अस्पताल रेफर दिया। नरकोपी पुलिस ने मृतक सुरेश भगत के शव व दोनों वाहनों को अपने साथ थाने ले गयी। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सोमवार को रिम्स अस्पताल भेजा जाएगा।

जावेद सदर और इमरान चुने गये सचिव

रातू (आजाद सिपाही)। सिमलिया अंजुमन इस्लामिया कमेटी का चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। जिसके पांच पद सदर, सेकेट्री, खजांची, उप सदर व उप सेकेट्री के लिए पांच ही लोगों ने नामांकन किया था। सभी पद के लिए एक- एक उम्मीदवार ही मैदान में थे। जिस कारण सभी निर्विरोध चुने गये। इसमें जावेद मंसुरी को सदर, इमरान अंसारी को सेक्रेटी, उप सदर गेयासुद्दीन अंसारी उप सेक्रेटी, बरकत अंसारी व खजांची इमरान अंसारी को बनाया गया।

आजसू ने नामकुम में मनाया हूल दिवस

नामकुम (आजाद सिपाही)। आजसू खिजरी विधानसभा की ओर से रविवार को हूल क्रांति दिवस पर नामकुम में संथाल हूल के अमर नायक सिद्धू-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर एवं चांद-भैरव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर आजसू रांची जिला के वरीय उपाध्यक्ष प्रकाश लकड़ा ने कहा कि झारखंड के महान सपूत सिद्धू-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर एवं चांद-भैरव ने 150 वर्ष पूर्व अंग्रेजों के शोषण व अत्याचार के खिलाफ स्वाभिमान एवं आत्मसम्मान के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका था। यह आंदोलन 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि थी। यह सबसे अधिक संगठित और सशक्त आंदोलन था। जिसमें संथाली अपनी मातृभूमि की खातिर कुर्बान होने को तैयार हो गए। एक छोटे से गांव से शुरू हुए हूल से पूरे संथाल में ऊर्जा का संचार हुआ। जिसे तत्कालीन अंग्रेज सरकार की नींद उड़ा दी थी। उन्होंने कहा कि आज के दिन हम झारखंडवासियों को उन महान सपूतों के त्याग बलिदान से प्रेरणा लेकर झारखंड को विकास के पथ पर आगे बढ़ाते हुए समृद्ध एवं विकसित राज्य बनाने का संकल्प लेना होगा। मौके पर आजसू के केंद्रीय सदस्य संजीव सिंह, सोहराई बेदिया, अजय आदि उपस्थित थे।

'एक पेड़ मां के नाम' के तहत किया गया पौधरोपण

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में चल रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रविवार को ठाकुरगांव के खिजुर टोला बूथ नंबर 131 में भाजपा नेता कमलेश राम के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। पौधरोपण हूल क्रांति के महानायकों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव व फुल-झानो को समर्पित किया गया। कमलेश राम ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक पेड़ लगानी चाहिए। कहा कि मां प्रकृति निःस्वार्थ प्रेम का प्रतीक हैं, इसलिए प्रकृति मां के प्रति हमारी भी जिम्मेदारी बनती है। आधुनिक विकास जरूरी है, लेकिन हरियाली को नुकसान ना पहुंचे यह आवश्यक है।

कानूनी सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का हुआ समापन

56,569 लाभुकों के बीच 51.78 करोड़ की संपत्तियों का वितरण

अनगड़ा में लाभुकों के बीच 3.74 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

कानूनी सेवा सह सशक्तिकरण शिविर के समापन कार्यक्रम का शुभारंभ करते गणमान्य लोग।

अनगड़ा। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजित नारायण प्रसाद के निर्देश एवं न्यायायुक्त सह डालसा अध्यक्ष के मार्गदर्शन में रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से रविवार को 18 प्रखंडों में एक साथ कानूनी सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में श्रम विभाग, ग्रामीण विकास, शिक्षा, समाज कल्याण, कल्याण, स्वास्थ्य, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा, आपूर्ति, भू राजस्व विभाग, मनरेगा सहित अन्य सरकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। अनगड़ा प्रखंड में आयोजित कानूनी सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का उद्घाटन अपर न्याययुक्त 4 सह विशेष न्यायाधीश पोस्को मो आसिफ इकबाल एवं प्रमुख दीपा उरांव, बीडीओ जयपाल सोय व सीओ राजू कमल ने संयुक्त रूप से किया। इस शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभूकों के बीच कुल तीन करोड़ 74 लाख रुपए के परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर न्यायायुक्त ने लोगों को झारखंड पीड़ित प्रतिकर स्कीम के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए पीड़ित पुनर्वास के लिए रांची विधिक सेवा प्राधिकार के क्रियाकलापों व गतिविधियों पर ध्यान केंद्रीय किया। वहीं डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने जागरूकता कैंप का अवलोकन किया और उपस्थित लोगों को रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलनेवाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। कहा कि समय-समय पर शिविर लगाकर जरूरतमंद लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाता है। डालसा सचिव ने यह भी कहा कि डालसा के द्वारा लाभुकों का चयन करके परिसंपत्तियों का वितरण जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है और अनुच्छेद 39-ए के तहत दिये गये अधिकारों को लागू करने का प्रयास रांची डालसा कर रही है। सशक्तिकरण शिविर में झालसा की योजना जैसे मानवता, कत्तर्व्य, श्रमेव वन्दते, तृप्ति, चेतना, निरोगी भवः,आत्मनिर्भरता एवं शक्ति आदि योजनाओं पर लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया जिसकी पूर्व तैयारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची द्वारा जोर-शोर से की गयी थी। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि एक ही दिन रांची जिला के सभी प्रखंडों में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। डालसा के पीएलवी द्वारा लाभुकों को चिन्हित किया गया था और कैंप में 56,569 लाभुकों के बीच 51 करोड़ 78 लाख 45 हजार 946 रुपए के परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। ये वैसे लाभुक है जो किसी कारणवश सरकारी योजना के लाभ से वंचित थे। शिविर के माध्यम से न सिर्फ उन्हें कानून की जानकारी दी गयी बल्कि उन्हें सरकार के द्वारा प्रदत्त स्कीम से जोड़ा भी गया। मौके पर अनगड़ा प्रखंड के बीपीओ अवनिंद्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी और प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

कांके में झामुमो ने मनाया हूल दिवस

कांके (आजाद सिपाही)। हूल दिवस पर झामुमो कांके प्रखंड समिति की ओर से ऑक्सब्रिज पब्लिक स्कूल चुटू के प्रांगण में अमर बलिदानी सिद्ध्र-कान्हू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। साथ की एक बैठक की गयी, जिसमें लोकसभा चुनाव की समीक्षा व विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को पंचायत स्तर पर घर- घर जाकर प्रचार प्रसार करने, अल्पसंख्यक मोर्चा एवं कीड़ा मोर्चा का गठन का निर्णय किया गया। बैठक की अध्यक्षता कांके प्रखंड के जावेद अख्तर अंसारी ने किया। बैठक में अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष फरीद खान, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, प्रदीप मिर्धा, अनमोल रतन सांचा, प्रखंड उपाध्यक्ष हनीफ अंसारी, फलंदर मुंडा, बसंत महतो, सहाबुदीन अंसारी आदि थे।

नगड़ी में विधिक सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन, लाभुकों में परिसंपत्तियों का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। परियोजना निदेशक आईटीडीए सह रांची डालसा के नोडल पदाधिकारी के निर्देश पर रविवार को नगड़ी प्रखंड मुख्यालय सभागार में एक दिवसीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की ओर से चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में पदाधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दी। साथ ही नगड़ी प्रखंड के विभिन्न पंचायत एवं ग्रामों के लाभुकों के बीच मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन के तहत स्वीकृति पत्र, पीएमएवाईजी के लाभुकों को दूसरी किस्त, जॉब कार्ड का वितरण, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, पशुधन विकास योजना के तहत बतख का चूजा, ग्रीन राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड के तहत दो लाख 35 हजार रुपये के केसीसी लोन और समूह लोन के तहत 8.5 लाख रुपये के परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ दीपाली भगत और मुख्य अतिथि के रूप में दंडाधिकारी जेएमएफसी रांची श्रुति सोरेन, सीओ राकेश कुमार श्रीवास्तव, जिला परिषद सदस्य पूनम देवी, उप प्रमुख अफसाना प्रवीण, पारा लीगल वोलेंटियर रीना लिंडा, भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकरी, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकरी, प्रखण्ड कृषिपदाधिकरी, विभिन्न पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, अंचल कर्मी एवं दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

रातू में विधिक सेवा का आयोजन, ग्रामीणों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

रातू (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन और रांची जिला विधिक प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में रातू प्रखंड सभागार में रविवार को विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिला से आये ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) राज कुमार पांडेय, अंचल पदाधिकारी सह बीडीओ रवि कुमार, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी मनरेगा बीपीओ समेकित बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षिका रंजना कुमारी, जेएस एलपीएएस के बीपीएम आदि ने हिस्सा लिया। इस दौरान लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। मौके पर बीटीएम मुनी कुजूर, किरण देवी आदि मौजूद थीं।

'एक पौधा मां के नाम' कार्यक्रम के तहत भाजपाइयों ने लगाया पौधा

हम सभी के सहयोग से पूरा होगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास : करमवीर सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में पहली बार रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं ने देखा व सुना। साथ ही 'एक पौधा मां के नाम' अभियान का शुंभारंभ भी किया। बताते चलें कि नामकुम आरडीएस पब्लिक स्कूल में बूथ संख्या 239, 240, 241 के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का सीधा प्रसारण देखा व सुना। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्रदेश संगठन महामंत्री करमवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी जी के मन की बात देश को समर्पित है। देश को दुनिया की अग्रिम पंक्ति में लाना उनका मकसद है। उन्होंने कहा कि देश के अंतिम व्यक्ति तक उनकी बात पहुंचे। इसका प्रयास हम सभी को करना है। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाना है। वहीं, मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा ने कहा कि बूथ स्तर तक पार्टी की नीतियों को बताना व पहुंचाना जरुरी है। पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्हें पार्टी के प्रति लोगों को जोड़ना और चुनाव की तैयारी में लग जाने को कहा है। संचालन करते हुए प्रदेश किसान मोर्चा नेता सह सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व का लोहा दुनिया मान रही है। सैनिको की भूमिका समाज का उदाहरण है। इस दौरान अशोक मुंडा ने तीनों बूथ अध्यक्षों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अतिथियों के साथ कार्यकर्ताओं ने एक पौधा मां के नाम अभियान का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अरुण झा ने सैनिकों की समस्याओं से संबंधित पांच सूत्री मांगों को रखा। मौके पर किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू, संतोष साहू, अनिता तिर्की, अजय मुंडा, ललन ठाकुर, अरुण तिवारी, कौशल सिंह, गोपाल चौधरी, बंटी पांडेय, विकास सिंह, एनपी सिन्हा, अक्षय मिश्रा, नारायण प्रसाद, दिनेश सिंह, अरुण सिंह, रामाशंकर सिंह, धनराज सिंह, अखिलेश मिश्रा, मुश्ताक अहमद, बिनोद सिंह, प्रदीप सिंह, रामप्रवेश राय, सुबोध सिंह, बृजकिशोर सिंह, कृष्णा कुमार, पृथ्वी, देवराज, शिव नारायण, संगीता देवी, रेखा देवी, शिल्पी देवी, सुनीता सिंह के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

महत्वपूर्ण न्यूज

हूल दिवस पर एक्यूप्रेशर पखवाड़ा का आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। एक्यूप्रेशर परिसर झारखंड शाखा टाटीसिलवे में रविवार को हूल दिवस के अवसर पर एक दिवसीय एक्यूप्रेशर पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रांची सांसद सह राज्य रक्षामंत्री संजय सेठ एवं एक्यूप्रेश झारखंड शाखा के सचिव डॉ मधुसूदन पांडे ने संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर संजय सेठ ने कहा कि आम जनमानस को एक्यूप्रेशर अपनाने एवं इसके विकास के लिए हर संभव प्रयास करनी चाहिए। मधुसूदन पांडे ने कहा कि एक्यूप्रेशर भारतीय चिकित्सा पद्धति है। इससे जटिल से जटिल बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। यह स्वयं स्वस्थ रहने की कला है। इसका प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार उत्पन्न किया जा सकता है। इस दौरान पांच सूत्री मांग पत्र राज्य रक्षामंत्री को सौंपा गया। शिविर का संचालन डॉ बलराम महतो ने किया। मौके पर डॉ ललिता कुमारी, डॉ महेश प्रजापति, डॉ जगन्नाथ माली, राजेश मिश्रा, सोनू ठाकुर, अजय महतो, राजेश यादव, उमेश बड़ाईक आदि उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कूल्ही की बालिकाओं का प्रांत स्तरीय खो-खो में रहा बेहतर प्रदर्शन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की ओर से 28 से 30 जून तक बोकारो के देवनगर दुग्धा में आयोजित प्रांत स्तरीय खो खो खेलकूद प्रतियोगिता में पूरे झारखंड से किशोर वर्ग में 16 टीम शामिल हुई थी। जिसमें सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कूल्ही की बहनों ने अपने पहले मैच में फुसरो की टीम को 18-0 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में इसका मुकाबला मधुपुर से हुआ था जहां इन्होंने 18-3 से हराकर पूरे प्रांत में प्रथम स्थान लाकर गोल्ड मेडल जीता। उनकी सफलता पर राज्यसभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र से गई बहने आज प्रांत स्तर पर खेल के माध्यम से इस क्षेत्र का नाम रोशन कर रही है।

रथ पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

रातू (आजाद सिपाही)। ऐतिहासिक रथ पूजा एवं मेले को लेकर रविवार की शाम शांति समिति की बैठक हुई। राजकीला परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता बड़ी मणि माधुरी मंजूरी देवी ने किया। बैठक में पेयजल, अतिक्रमण, स्वच्छता, अवैध शराब, यातायात के नियमो पर चर्चा हुई। शांति समिति के लोगों ने मेले में भीड़ को देखते हुए पुलिस से ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने व अवैध शराब की बिक्री पर पाबंदी लगाने की मांग की। वहीं, मेले के बाद मेला मैदान की साफ सफाई पर जोर दिया गया। थाना प्रभारी शशिभूषण चौधरी ने कहा कि मेले में हुड़दंगियों व मनचलो पर पुलिस की पैनी निगाह रहेगी। शराब पीकर आनेवालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं शराब व मास मछली बेचने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। बैठक में प्रशासन की मेले व पूजा सुरक्षा को लेकर पुरुष व महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सीओ रवि कुमार ने कहा कि गढ़ की ओर से बनाये गये वॉलंटियर की सूची बनाये, ताकि सभी वॉलेंटियर की भी पहचान हो सके। मेला में प्रशासन की ओर से बेहतर सुरक्षा का इंतेजाम किया जायेगा। बैठक को रातू प्रखंड प्रमुख संगीता देवी, राज कुमार साव,हजारी प्रसाद,बैजू साहू, पूर्व मुखिया फूलकुमारी देवी, नीलम तिर्की, सुषमा तिर्की, प्रभा तिर्की, कोशलिया देवी,महेश्वरी देवी, रीना कच्छप, आदि सुखदेव आदि लोगो ने भी संबोधित किया।

इटकी में विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर आयोजित

इटकी (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सभागार में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची की ओर से आयोजित प्रखण्ड स्तरीय विधिक सेवा सह शक्तिकरण शिविर में लाभुकों के बीच लाखों रुपये के परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला जुडिस्यर मजिस्ट्रेट मनोज कुमार इंदवार ने गरीब और मजबूर तबके के लोगों को निःशुल्क कानूनी सेवा की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी और लोगों से इसका लाभ उठाने को कहा। इस दौरान जुडिस्यर मजिस्ट्रेट इंदवार ने मनरेगा सहित विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों रुपय के परिसंपत्तियों का वितरण लाभुकों के बीच किया। इसके पूर्व ज्यूडिसियर मजिस्ट्रेट इंदवार ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मनरेगा योजना के तहत 18 लाभुकों को बिरसा सिंचाई कुप, 16 लाभुकों को हरित ग्राम योजना के तहत आम वागवानी, 12 मजदूरों को जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री पशु योजना से 15 लाभुकों बतख के चुजा, विभिन्न महिला समितियों करीब पांच लाख का चेक, समाजिक सुरक्षा पेशन योजना के पांच लाभुकों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम में बीडीओ शशि निलिमा डुंगडुंग, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, प्रखण्ड पंचायत राज अधिकारी रईस मलिक, बीएसओ हेमन्त टोप्पो, पशु पालन अधिकारी शिवानंद कांशी, वीपीओ संजय साहू, नाजीर चंदन तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, रोजगार सेवक, महिला समिति सदस्य आदि उपस्थित थे।

खभावन में मनाया गया हूल दिवस

सिकिदीरी (आजाद सिपाही)। कुच्चू पंचायत के खभावन बजार टॉड़ स्थित वीर शहिद निलाम्बर -पिताम्बर स्मारक पर रविवार को भाजपा एवं आजसू की ओर से संयुक्त रूप से माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विदित हो कि 30 जून 1855 को अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ सिध्दो, कान्हू, चांद-भैरों, फुलो-झानों के नेतृत्व में तत्कालीन दामिनी ए कोह वर्तमान संथाल परगना के भोगनाडीह गांव से एक संगठित विद्रोह का शंखनाद हुआ था। संथाल विद्रोह में एक जुटता के साथ अंग्रेजी शासन के दमनकारी नीतियों के खिलाफ एक स्वर में किए गए विरोध और इस महान संग्राम के तपिश और अक्रोश को हुल कहा गया। सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरों और फूलो-झानों एवं इस विद्रोह में शहिद हुए सहासिक बलिदानियों को झारखण्ड वासियों द्वारा स्मरण करते हुए हर वर्ष 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में आजसू के वरीय उपाध्यक्ष प्रकाश लकड़ा, पूर्व सांसद प्रतिनिधि पंचम भोगता, मंडल महामंत्री सोहरैया बेदिया, संजीव सिंह, शंकर बेदिया, नागेश्वर बेदिया, धन किशोर ठाकुर, प्रकाश बेदिया, सुरेश बेदिया, मदन बेदिया और फुलचंद करमाली आदि उपस्थित थे।

संदेश : प्रो सुभाषचंद्र की लिखित पुस्तक 'कोयल की धारा' का लोकार्पण

कोयल नदी पलामू का श्रृंगार है : इंदर सिंह नामधारी

'कोयल की धारा' पढ़कर इसे पवित्र और स्वच्छ रखने की शिक्षा मिलेगी: अरुणा शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के वरिष्ठ साहित्यकार प्रो सुभाषचंद्र मिश्रा की लिखित पुस्तक 'कोयल की धारा' का लोकार्पण रविवार को जेएमपी कॉम्प्लेक्स में झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, पूर्व महापौर अरुणा शंकर और प्रो केके मिश्रा ने किया। समारोह की अध्यक्षता प्रो दयाशंकर श्रीवास्तव और संचालन शिक्षक परशुराम तिवारी ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि कोयल नदी पलामू का श्रृंगार है। सुभाष जी मेरे छोटे भाई की तरह हैं। उन्होंने अपनी पुस्तक में प्रकृति के सौंदर्य के साथ ही इससे जुड़ी समस्याओं को भी दिखाया है। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो दया शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि रचनाकार ने साहित्य के माध्यम से उन सभी विषयों को उठाया है जिसके लिए पर्यावरणविद संघर्ष करते रहे हैं।

'कोयल की धारा' पुस्तक का विमोचन करते झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, पूर्व मेयर अरुणा शंकर व अन्य।

साहित्य समाज का दर्पण होता है इसे इस पुस्तक ने चरितार्थ किया है। पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि कोयल की धारा देख-देख कर हम बड़े हुए हैं। पलामूवासियों के लिए इसकी पवित्रता गंगा और नर्मदा से कतई कम नहीं है। पुस्तक में कोयल को बांधने की इच्छा जताई गई है। हम कोयल को जगह-जगह बांधकर पलामू की प्यास बुझाएंगे। वहीं, पूर्व मेयर अरुणा शंकर ने कहा कि 'कोयल की धारा' पढ़कर हम सभी को इसे पवित्र और स्वच्छ रखने की शिक्षा मिलेगी। प्रो केके मिश्रा ने कहा कि कोयल की धारा एक यात्रा वृतांत नहीं, बल्कि एक जीवन दर्शन है। जिसे ध्यान से समझने की आवश्यकता है। जीवन का प्रारंभ और विकास नदी की ही भांति होता है। कवि राकेश कुमार ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि पुस्तक में चार रेडियो रूपक हैं जिनमें इतिहास, भूगोल, साहित्य और दर्शन का समावेश है। साहित्यानुरागी आलोक तुलस्यान ने कहा कि इस पुस्तक में पलामू के बारे में बहुत ही रोचक जानकारी है। लोकार्पण समारोह में कलाकार प्रेम भसीन, कवि हरिवंश प्रभात, समाजसेवी अविनाश देव, पूर्व छात्र नेता अभय तिवारी, समाजसेवी अमित तिवारी, प्रियरंजन पाठक, पंकज श्रीवास्तव, अनुपमा तिवारी ने भी अपने विचार रखे। वहीं, कवि राम प्रवेश पंडित ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। प्रो मिश्रा के पुत्र वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सुमन ने स्वागत उद्बोधन किया एवं शुभ्रा मिश्रा मानसी ने 'कोयल की धारा' गीत की प्रस्तुति की। शालिनी श्रीवास्तव ने एक गीत के माध्यम से सुरीले स्वर में जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। रेडियो उद्घोषिका अनुपमा तिवारी ने 'कोयल की धारा' के रेडियो रूपांतरण से जुड़ी यादें साझा की। जबकि पुस्तक के लेखक प्रो सुभाष चंद्र मिश्रा ने कहा कि साहित्य में एक पंक्ति लिखकर अमरत्व प्राप्त किया जा सकता है। साहित्य की भाषा सरल होती है पर उसके अर्थ सरल नहीं होते। उन्होंने पुस्तक के निर्माण में सहयोग के लिए सबका आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन दिल्ली विश्वविद्यालय की शोध छात्रा एवं प्रो मिश्रा की नतिनी वेदिका मिश्रा ने किया। मौके पर प्रो मिश्र की पत्नी बसंती मिश्रा, बहू रागिनी मिश्रा व अलका मिश्रा, पुत्री प्रियंका मिश्रा, अशोक मिश्रा, संतोष मिश्रा, शैलेन्द्र पाठक, सतीश पाठक, अभय तिवारी, अनुज कुमार पाठक, अजय मिश्रा, रमेश सिंह, रमेश पांडेय, उमेश कुमार पाठक रेणु, रमेश पाठक, सुमन मिश्रा, विमल कुमार, अनुपमा तिवारी, रीना प्रेम दूबे, दिनेश कुमार शुक्ला, रविशंकर पांडेय, देवेंद्र पाठक, अजीत पाठक आदि उपस्थित थे।

जिप उपाध्यक्ष ने की पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात, कहा संविधान-संघर्षों की हुई जीत

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला परिषद के उपाध्यक्ष सह झामुमो के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद उनके रांची स्थित आवास पर जाकर मुलाकात की। उन्हें बुके देकर बधाई दी। टूटू सिंह ने कहा कि संविधान, सच्चाई व हेमंत सोरेन के संघर्षों की जीत हुई है। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग करने की साजिश नाकाम हुई है। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत देकर जो टिप्पणी की है, उसने भाजपाइयों को कठघरे में खड़ा कर दिया है। हेमंत सोरेन को जमानत मिलने के साथ कोर्ट की टिप्पणी उन्हें बेदाग साबित करती है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन को विश्वास दिलाया कि जहां भी उनकी आवश्यकता होगी, पार्टी को आगे बढ़ाने में वह अपनी पूरी शक्ति लगा देंगे।

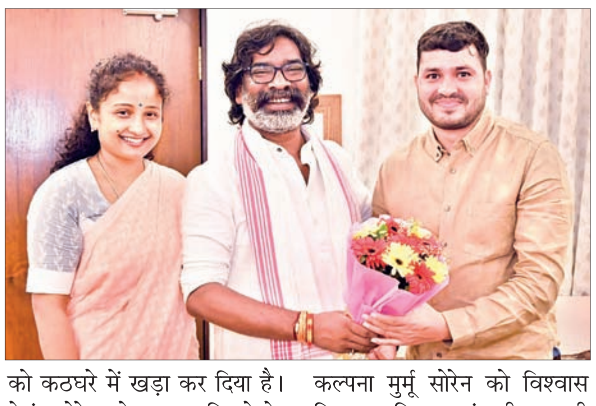

झारखंड सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है: विनोद तिवारी

झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने सरकार के विरोध में निकाला मशाल जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के राज्य कमेटी की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस जिला स्कूल चौक से प्रारंभ होकर छह मुहान पर समाप्त हुआ। जिसमें झारखंड के विधायक शर्म करो, झारखंड सरकार मुदार्बाद, लूट राज बंद करो आदि नारे लगाए जा रहे थे। छह मुहान चौक पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनाव से पहले वादा किया था कि हमारी सरकार बनते ही तीन महीने के अंदर पारा शिक्षकों को स्थाई शिक्षक बनाकर वेतन देंगे। पर उक्त वादे को अब तक पूरा नहीं किया गया। सरकार ने सहायक अध्यापकों के लिए जो नियमावली बनाये वह एक कोरा कागज साबित हो रहा है। यहां तक की अपने कैबिनेट में भी नियमावली में आवश्यक सुधार करने से असफल रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार सहायक अध्यापकों को वेतनमान देना तो दूर अब तक राज्य कर्मी का दर्जा भी नहीं दिया है। कहा कि सहायक अध्यापकों के लिए कोई चिकित्सा सुविधा भी नहीं है। सहायक अध्यापकों में सरकार के प्रति असंतोष व आक्रोश है। आंदोलन रोक पाना नेता के बस से बाहर है। सहायक अध्यापकों के कई संघों ने मिलकर आंदोलन का आगाज प्रारंभ कर दिया है। मशाल जुलूस का नेतृत्व अमलेश चौरसिया, अनुराग सिंह व विकास मिश्रा ने किया। इस मौके पर अनुज दूबे, इमामुद्दीन अंसारी, रामरूप चौरसिया, नित्यानंद दूबे, धनंजय चौरसिया, संजय सिंह, विनय तिवारी, राजेंद्र दीक्षित, अरविंद चंद्रवंशी, शिव शंकर चौधरी, राजाराम सिंह, इस्माइल अंसारी व अमरेश प्रजापति आदि शामिल थे।

काजरात नावाडीह स्टेशन पर हुआ आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का शुभारंभ

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पूर्व मध्य रेल के डीडीयू रेल मंडल रिकॉर्ड अवसंरचना का विकास, उन्नयन व आधुनिकीकरण जैसे कार्य करते हुए सुचारू रेल परिचालन एवं परिचालन क्षमता में वृद्धि का भी निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में काजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की स्थापना की गई। जिसका शुभारंभ डीडीयू रेल मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार की उपस्थिति में हुई। नए सिस्टम के साथ रेल परिचालन का शुभारंभ भी किया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार ने कहा कि सैकड़ों रेल कर्मियों की कठिन श्रम और कड़ी मेहनत की बदौलत मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर, हैसडैग, भीडीयू जैसे कई नयी तकनीक से स्टेशन को लैस कर दिया गया है। नयी तकनीक से लैस इस स्टेशन को 80 रूट क्षमता के साथ सोननगर से मोहम्मदगंज स्टेशन के साथ तिसरी लाईन की सुविधा से भी लैस किया गया है। रेलवे स्टेशन पर स्थापित अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम समग्र रूप से रेल परिचालन क्षमता वृद्धि में और सहायक होगा। इस दौरान एडीआरएम के साथ रेल विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक ने की एचएमएस की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशि भूषण मेहता ने अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक की। जिसमें अस्पताल के बाहर दुकान बनाने सहित कई आवश्यक निर्णय लिए गए। अस्पताल में एक्स-रे संयंत्र के अधिष्ठापन का निर्णय लिया गया। मॉड्यूलर ओटी, प्रसव कच्छ और डॉक्टर एवं एएनएम रूम को अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया। प्रभारी चिकित्सा प्राधिकारी ने अस्पताल के कई आवश्यक जगह पर एसी लगाने का प्रस्ताव लाया जिसे पारित किया गया। अस्पताल का सुंदरीकरण एवं आय संवर्धन के लिए अस्पताल परिसर के बाहर खाली पड़े जमीन पर विधायक निधि से दुकान एवं सामुदायिक शौचालय बनवाने का निर्णय लिया गया। साथ ही सिजेरियन ऑपरेशन की सुविधा एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा के साथ कुपोषण उपचार केंद्र बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में प्रमुख सुनील कुमार पासवान,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन, बीपीएम राजकुमार सिंह,बैम मोहम्मद शकीरा, डॉ रेशु रंजन, डॉ अरुण चंद्र मोहन्ता,राजीव रंजन, प्रवीण कुमार मौजूद थे।

वित्त रहित शिक्षकों व कर्मियों ने विधायक आवास को घेरा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। विधानसभा क्षेत्र के वित्त रहित शिक्षक-कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में विधायक कमलेश कुमार सिंह के हुसैनाबाद स्थित आवास का घेराव किया। इसके बाद विधायक ने झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को पत्र प्रेषित किया है। विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि अनुदानित इंटर कॉलेजों, उच्च विद्यालयों, संस्कृत एवं मदरसा विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक कर्मचारियों को सरकार राज्यकर्मी का दर्जा दे। साथ ही अनुदान के राशि में हुई बढ़ोतरी के प्रस्ताव जो विभाग में लंबित है, उसे मंत्री परिषद से पारित कराए। उन्होंने लिखा है कि उनके विधानसभा क्षेत्र में विगत 25-30 वर्षों से भी ज्यादा समय से विषयांकित संस्थाएं चल रही है, जिसमें आस-पास के आर्थिक दृष्टिकोण से कमजोर, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक छात्र- छात्रा पढ़ते हैं। इन संस्थाओं में कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों को सरकार वेतन नहीं देती है। शिक्षक व कर्मचारी अनुदान पर सेवा दे रहे हैं। अनुदान वर्ष में एक बार मिलता है। उन्होंने कहा कि अनुदान की राशि इस महंगाई के दौर में काफी कम है। कहा कि अगर वित्त रहित शिक्षक व कर्मचारियों को सरकार न्याय नहीं देगी तो उनके साथ हुसैनाबाद का विधायक होने के नाते मांगों के समर्थन में आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा संपन्न अनुपस्थित रहे 220 परीक्षार्थी

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। विभागीय निर्देश पर रविवार को हुसैनाबाद के स्तरोन्नत उच्च विद्यालय कामगारपुर में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा 2024 ली गयी। जिसमें 380 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। जबकि 220 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उक्त परीक्षा के लिए 600 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा था। इस दौरान हुसैनाबाद प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी नरेश राम ने परीक्षा भवन का निरीक्षण किया। केंद्राधीक्षक व वीक्षकों को कई निर्देश दिये। इस मौके पर केंद्राधीक्षक विश्वजीत कुमार चौबे, वीक्षक भंवर सिंह, अंगद प्रसाद, कुमारी अलका और रमेश कुमार आदि सक्रिय रहे।

सूर्या ने ट्रॉफी के साथ सोते हुए फोटो शेयर की

कहा- रात की नींद अच्छी होगी; हार्दिक ने लिखा- यह कोई सपना नहीं, सच है

बारबाडोस (एजेंसी)। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप-2024 का खिताब जीत लिया है। भारत की जीत में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की अहम भूमिका रही। पंड्या ने भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए फाइनल मैच में 3 ओवरों में 20 रन देकर 3 विकेट झटके। हार्दिक भारत की जीत के बाद काफी देर तक रोते दिखे। हार्दिक ने बल्लेबाजी में तो सिर्फ 5 रन बनाए, लेकिन गेंद से कमाल कर दिया। उन्होंने 27 गेंदों पर 52 रन बना चुके हेनरिक क्लासन का महत्वपूर्ण विकेट लिया। आखिरी ओवर में जब साउथ अफ्रीका को 12 रन चाहिए थे, तब डेविड मिलर को और कगिसो रबाडा को आउट किया। जीत के बाद हार्दिक ने रविवार को ट्रॉफी के साथ फोटो शेयर की है। लिखा- 'सुप्रभात, भारत। यह कोई सपना नहीं था, यह सच है। हम वर्ल्ड चैंपियन हैं।'

पेयजल समस्या का जल्द समाधान हो, नहीं तो बड़े आंदोलन को तैयार है पलामू: आशीष

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। 'पानी नहीं तो वोट नहीं', 'पलामू को पानी दो', 'कोयल नदी पर बराज बनाओ' के नारे के साथ विगत पंद्रह दिनों से लगातार चल रहे पानी यात्रा के पहले चरण को विराम दिया गया। शहर में व्याप्त भीषण पेयजल संकट के विरोध में डॉ राजेन्द्र प्रसाद चौक (छहमुहान) पर घड़ा, तसला, बाल्टी, नाद, गैलन आदि जल संचय के पारंपरिक वस्तु के साथ हमे हमारा पानी दो, हमारे आहर, पोखर, तालाब को अतिक्रमण मुक्त करो आदि नारेबाजी की गयी। इससे पूर्व शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए संकल्प लिया गया कि जो पानी देगा उसी को वोट देना है। युवाओं की टीम का नेतृत्व कर रहे आशीष भारद्वाज ने कहा कि विधानसभा व नगरनिगम चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों को पेयजल आपूर्ति पर ठोस कदम उठाना होगा। उन्हें अपने घोषणापत्र में पेयजल उपलब्ध कराने को पहला प्राथमिकता देना होगा नहीं तो पेयजल संकट झेल रहे शहरवासियों का आक्रोश झेलना पड़ेगा। कहा कि 'पानी यात्रा' किसी व्यक्ति विशेष की नहीं , बल्कि संपूर्ण पलामू की मांग है। आज शहर के 90 फीसदी भाग पेयजल संकट से जूझ रहा है, पर कोई हमारी सुध लेने वाला नहीं है। कहा कि जब भी पलामू के धरती पर बदलाओ की बात होगी सभी पानी यात्रियों का नाम लिया जाएगा। हमारे यात्रा के दौरान चलाये गये हस्ताक्षर सह जनजागरण अभियान के तहत संकलित सभी मामलो को लेकर हम बहुत जल्द अपने जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और मुख्यमंत्री जी से मुलाकात कर पेयजल संकट के सीमित समय में समाधान करने का ज्ञापन देंगे। बताते चलें की मेंदिनीनगर नगरनिगम क्षेत्र के युवाओं ने एक टीम गठित कर पूरे निगम क्षेत्रवासियों के बीच पहुंचकर उनकी समस्या को नजदीक से देखने का प्रयास किया। 15 दिनों से चल रहे इस अभियान में शहर के लगभग ड्राई जोन एरिया का दौरा किया गया। पानी यात्रा के विराम दिवस के दिन शैलेश तिवारी, सोनू नामधारी, बबलू चावला, नवीन तिवारी, मुकेश तिवारी, पिंकू तिवारी, साहेब सिंह नामधारी, मनीष सिंह, धनंजय सोनी, निरंजन मेहता, शशांक सुमन,आनंद दूबे, ज्ञानेश तिवारी,राकेश तिवारी, सोनू पांडेय, वीरमणी तिवारी, आशा शर्मा, संध्या शेखर, शालिनी श्रीवास्तव, वैजंती जी, वीणा जी, इंदू तिवारी, फोटू दूबे आदि मौजूद थे।

स्पोर्ट्स

टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्व विजेता बन गयी। इसके साथ ही टीम भारतीय टीम के तीन दिग्गज खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा, विरोट कोहली और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टी-20 से सन्यास से लिया।

विराट-रोहित के बाद जडेजा का भी टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

15 साल के करियर में 74 मैच खेले, 515 रन बनाये और 54 विकेट लिये

एजेंसी

नई दिल्ली। बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को फाइनल में सात रनों से हराकर 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के साथ ही शनिवार को भारतीय टीम के दो दिग्गज खिलाड़ी कप्तान रोहित शर्मा और किंग कोहली के नाम ने विख्यात विराट कोहली ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा कर कर जीत के जश्न में डूबे करोड़ों देशवासियों को झटका दिया था। इसके कुछ घंटे बाद ही रविवार को भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भी टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से सन्यास का ऐलान कर दिया।

जडेजा ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर दी जानकारी

रवींद्र जडेजा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पूरे दिल से आभार जताते हुए मैं टी 20 इंटरनेशनल मैचों को अलविदा कहता हूं। मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य फॉर्मेट में भी ऐसा करना जारी रखूंगा। टी-20 वर्ल्ड कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था। आप लोगों के अटूट विश्वास के लिए धन्यवाद। जय हिंद।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2009 में किया था डेब्यू

रवींद्र जडेजा ने भारत के लिए 2009 में डेब्यू किया था। टी-20 फॉर्मेट में उन्होंने कुल 74 मैच खेले। उन्होंने 127.16 के स्ट्राइक रेट से 515 रन बनाए और 54 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा बाएं हाथ के गेंदबाज भारतीय टी-20 टीम में 2009 से 2024 तक शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 30 मैच खेले। इनमें जडेजा ने 130 रन बनाए और 22 विकेट अपने नाम किए। वहीं, एशिया कप में उन्होंने 6 मैच खेले। इनमें उन्होंने दो पारियों में 35 रन बनाए। बतातें चलें कि रवींद्र जडेजा ने इस पूरे टूर्नामेंट में 8 मैचों की पांच पारियों में मात्र 36 रन बनाए। इस दौरान उनके स्कोर 2, 17, 9, 7, 10 रहे। इतना ही नहीं, गेंदबाजी में भी उन्होंने सिर्फ एक विकेट लिया।

वर्ल्ड कप जिताकर रोहित-विराट का टी-20 से संन्यास

16 साल, 9 महीने और 5 दिन बाद भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का इंतजार खत्म कर दिया। यह संभव हुआ कप्तान रोहित शर्मा की ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के खिलाफ अटैकिंग फिफ्टी और विराट कोहली की प्लेयर ऑफ द फाइनल परफॉर्मेंस से। रोहित-विराट के साथ टीम के बाकी खिलाड़ी भी अहम रहे, लेकिन इंडियन क्रिकेट के इन 2 दिग्गजों ने भारत की वर्ल्ड कप भूख खत्म करते ही टी-20 से संन्यास ले लिया

विधिक जागरूकता शिविर की जानकारी पंचायत प्रतिनिधियों को नहीं, प्रखंड प्रमुख ने किया विरोध

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय परिसर में मेगा विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें सिर्फ अधिकारियों व कर्मचारियों को आमंत्रित कर बीडीओ क्या साबित करना चाहते हैं। प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने कहा कि बीडीओ विधिक जागरूकता में खुद नियम की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने इस शिविर कि सूचना पंचायत प्रतिनिधियों तक को भी नहीं दी। अगर पंचायत प्रतिनिधियों को जानकारी होती तो आम जनता भी शिविर से लाभ उठा पाती। प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने बीडीओ पर केवल विभाग को ही पत्र प्रेषित करने का आरोप लगाया है। कहा कि कार्यक्रम में एक भी जनप्रतिनिधि भाग नहीं लेंगे। उन्होंने हुसैनाबाद बीडीओ पर तानाशाही रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया है। वहीं, मीडिया को भी प्रखंड में होने वाले किसी भी कार्यक्रम की सूचना नहीं दिए जाने का आरोप लगा है। मीडिया कर्मियों ने भी सभी कार्यक्रमों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

बिहार के बाद झारखंड में 'पुल हादसा', पांच करोड़ की लागत से हो रहा था निर्माण

गिरिडीह में अरगा नदी पर बन रहा पुल गिरा

मॉनसून की पहली बारिश भी नहीं झेल पाया अरगा नदी का पुल

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। बिहार के बाद अब झारखंड में भी एक पुल गिर गया है। गिरिडीह के देवरी थाना क्षेत्र स्थित अरगा नदी पर निमार्णाधीन ब्रिज पहली बारिश भी नहीं झेल सका। फतेहपुर भेलवाघाटी सड़क के डुमरीटोला और कारीपहरी गांव के बीच बना अरगा नदी का पुल मानसून की पहली बारिश भी नहीं झेल पाया और गिर गया। ग्रामीणों ने बताया कि पुल का निर्माण साढ़े पांच करोड़ रुपये की लागत से हो रहा था। पुल के काम की जिम्मेदारी ओम नमः शिवाय कंस्ट्रक्शन नामक एजेंसी को मिली थी। ग्रामीणों ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ गया था। नदी की तेज धारा में निमार्णाधीन पुल का गडर टूट कर गिर गया। इसके अलावा एक पाया भी टेढ़ा हो गया।

गिरिडीह के अरगा नदी पर निर्माण कार्य के दौरान टूटा ब्रिज।

लोगों में आक्रोश

जानकारी के मुताबिक पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल गिरिडीह की ओर से साढ़े पांच करोड़ रुपये की प्राक्कलित राशि से पुल बनवाया जा रहा था। कार्य ओम नमः शिवाय कंस्ट्रक्शन द्वारा करवाया जा रहा था, जो ढह गया। इस घटना के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि भ्रष्टाचार के कारण यह घटना घटी है। इस घटना के पीछे जितने संवेदक जिम्मेदार हैं, उतनी ही जवाबदेही पथ निर्माण विभाग की भी है। पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों की सीधी लापरवाही के कारण यह घटना घटी है। इधर, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता विनय कुमार ने कहा है कि भारी बारिश के कारण पुल हल्का सा डैमेज हुआ है। अभी वे घटनास्थल पर जा रहे हैं। पूरी जांच होने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

हेमंत है तो हिम्मत है: अनुपमा सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

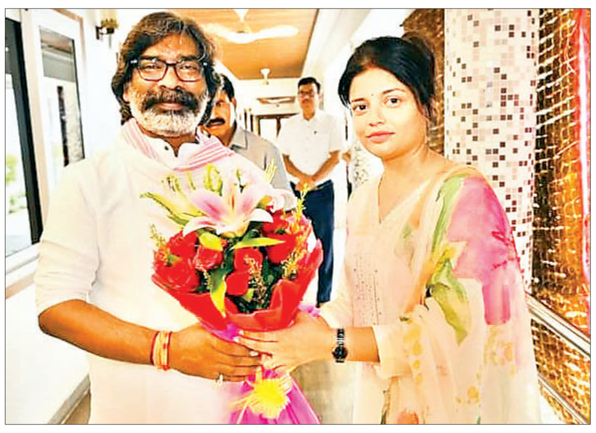

धनबाद/धनसार। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की कार्यकारी अध्यक्ष अनुपमा सिंह ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास पर जाकर रविवार को उनसे मुलाकात की और पुष्प गुच्छ देकर शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी। कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले षड्यंत्र के तहत हेमंत सोरेन की लोकप्रियता से घबराई केंद्र सरकार ने जेल में डलवा दिया था। बावजूद इसके हेमंत सोरेन डरे-दबें नहीं, बल्कि झारखंड और आदिवासियों की आवाज बुलंद करते रहे। हालांकि सच ना ही दबता है ना ही झुकता है। सबुत नहीं मिलने के कारण झारखंड हाई कोर्ट ने भी हेमंत सोरेन को जमानत दे दिया। साथ ही कहा कि किसी भी रजिस्टर/राजस्व रिकॉर्ड में उक्त भूमि के अधिग्रहण और कब्जे में याचिकर्ता की प्रत्यक्ष भागीदारी का कोई संकेत नहीं है। आज सच्चाई की जीत हुई है। हेमंत सोरेन के बाहर आने से आइएनडीआइए महागठबंधन एवं कार्यकर्ताओं में नई ताकत और ऊर्जा का संचार हुआ है। मैं विश्वास दिलाती हूं कि झारखंड की जनता इस बार भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकेंगी।

आदिवासी महानायकों के दिखाये मार्ग पर चलने की जरूरत है : लक्खी सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झामुमो धनबाद समिति की ओर से कुर्मीडीह स्थित जिला कार्यालय में रविवार को हूल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष लक्खी सोरेन और संचालन जिला प्रवक्ता समीर रवानी ने किया। जिलाध्यक्ष ने स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा सिधो कान्हू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद अन्य लोगों से बारी-बारी से तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर महान स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। अपने संबोधन में लक्खी सोरेन ने कहा कि आज ही के दिन (30 जून 1855) आदिवासी भाइयों सिद्धो-कान्हो और चांद-भैरव के नेतृत्व में भोगनाडीह में लगभग 50 हजार आदिवासियों ने महाजनी प्रथा और ब्रिटिश बंदोबस्त नीति के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंक दिया था। जिसका मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी हुकूमत द्वारा आदिवासियों के कृषि कर के नाम पर 50 से 500 प्रतिशत वसूलना बंद करवाना था। आदिवासियों ने एकजुट होकर अंग्रेजों के इस शोषण के खिलाफ आवाज उठाई और निष्कर्ष निकाला कि वे खुद को स्वतंत्र घोषित करेंगे और भू-राजस्व नहीं देंगे। इसके बाद स्थानीय जमींदारों और अंग्रेजी सरकार से आए उद्यमियों को भी मौत के घाट उतार दिया गया। इस मौके पर केंद्रीय सदस्य कंसारी मंडल, धरनीधर मंडल, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, जिला प्रवक्ता समीर रवानी, जिला सह सचिव एजाज अहमद, टिंकू अंसारी, भरत कालिंदी, पवन माझी, राकेश मसीह और जूनैद आलम आदि मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

भाजपाइयों ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

बोकारो (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का 111वां प्रसारण रविवार को भाजपा चास नगर उत्तरी के कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथों पर सुना। चास नगर उत्तरी के अध्यक्ष पन्नालाल कांदू व नगर प्रभारी सह जिला महामंत्री संजय त्यागी संग बूथ संख्या 392 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 30 जून एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि आज 'हूल दिवस' मनाया जाता है। कहा कि यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के अदम्य साहस से जुड़ा है, जिन्होंने ब्रिटिश शासकों के अत्याचारों का विरोध किया था। उन्होंने 1855 में झारखंड के संथाल परगना में हजारों संथाल लोगों को अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष के लिए एकजुट किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड के इन सपूतों का सर्वोच्च बलिदान आज भी लोगों को प्रेरित करता है। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस पर इस वर्ष शुरू किए गए विशेष अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' का उल्लेख किया। साथ ही लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के साथ या अपनी मां की स्मृति में एक पेड़ लगाएं। पीएम ने कहा कि इस अभियान से धरती माता को भी लाभ होगा और उसकी रक्षा भी होगी। मौके पर पन्नालाल कांदू, राजेश घोषाल, पिंटू पाल, सेंटी कांदू, धर्मेंद्र बाउरी, गीता देवी, ममता देवी, तरुबाला देवी, बालिका देवी, पिंकी देवी, बजरंग कान्दु, अजीत शर्मा, हरेकृष आदि मौजूद थे।

वेतनमान की मांग को लेकर सहायक अध्यापकों ने निकाला मशाल जुलूस

टुंडी (आजाद सिपाही)। राज्यव्यापी आंदोलन के तहत रविवार को हुल दिवस पर राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों में झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले मशाल जुलूस निकाला जा रहा है। इस निमित टुंडी प्रखंड के सहायक अध्यापको ने प्रखंड मुख्यालय से बाजार तक कुलदीप पांडेय और अनिल राजवंशी के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला। जिसमें निरंजन दे व सुशील पांडेय भी शामिल हुए। दोनों ने संयुक्त बयान जारी कर राज्य सरकार को चेताया कि तीन महीने के भीतर वेतनमान देने के अपने वादे को पूरा करे अन्यथा इससे भी उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर सुशील कुमार पांडे, राजीव सिंह, गिरीश साव, पंकज विश्वकर्मा, सतार अंसारी, अब्दुल रसीद, गाजों सिंह, अशोक महरा, लीलनाथ मंडल, पवन मंडल, मलयाशीस बनर्जी, कोमेश हंसदा, सुशील कुमार, अनोज शर्मा, भागीरथ सिंह, ईश्वर मुर्मू, नंदलाल महतो, सुरेन किस्कू, नीलांबर रजवार, पूर्वी टुंडी प्रखंड अध्यक्ष दिनेश कुमार महतो, लखन राय, इंद्रदेव राय, सुभाष महतो आदि मौजूद थे।

बीएंडके में स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। सीसीएल के बीएंडके क्षेत्र के करगली स्थित ऑफिसर क्लब में 16 जून से शुरु होकर 30 जून तक चले स्वछता पखवाड़ा का रविवार को समापन हुआ। जिसकी अध्यक्षता महाप्रबंधक के रामकृष्ण और संचालन कार्मिक अधिकारी प्रेक्षा मिश्रा ने किया। इस दौरान विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज को स्वच्छ रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले क्षेत्र के स्वछता कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जूट बैग का वितरण कर समाज में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील की गई। महाप्रबंधक ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी बच्चों को शुभकामनाएं दीं। साथ ही सभी लोगों को स्वछता के प्रति सजग रहने और इसे अपने जीवनशैली का एक हिस्सा बनाने पर जोर दिया। कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। हमें जीवन के सभी पड़ाव पर सीखते रहना चाहिए। मौके पर प्रबंधन की ओर से एकेकेओसीपी के पीओ केएस गैवाल, बोकारो कोलियरी के पीओ एके शर्मा, स्टाफ अधिकारी कार्मिक राजिब कुमार, क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक ज्ञानेंदु चौबे, सीएसआर अधिकारी संजीत कुमार, कार्मिक अधिकारी सुजाता सहित श्रमिक प्रतिनिधि में जिप सदस्य ओमप्रकाश सिंह उर्फ टीनू सिंह, विजय भोई, सुशील सिंह और संतोष ओझा आदि मौजूद रहे।

संथाल विद्रोह ने आजादी के संघर्ष को नया आयाम दिया था: उमाकांत

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। आजसू ने 30 जून 1855 को संथाल में अंग्रेजों द्वारा दमन किए शहीदों को रविवार को चंदनकियारी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर स्मरण किया। महानायक सिद्धू कान्हु, चांद भैरव के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री उमाकांत रजक ने कहा कि सिद्धो-कान्हु व चांद भैरव के नेतृत्व में 30 जून 1855 को हुई जनसंघर्ष में देश की आजादी के लिए हो रहे आंदोलन में एक नया आयाम दिया था। उससे प्रेरणा लेकर लोगों में शहीदी का जुनून पैदा हुआ था। अंग्रेजों से संघर्ष में हो रहे मृत्यु को पुण्य का काम मानने लगे। कहा कि झारखंड की मिट्टी बलिदानियों की खून से सनी है। इसे शासन में बैठे लोग भूल गए हैं। झारखंडी मिट्टी से भ्रष्टाचार को खदेड़ने के लिए एक हुल की जरूरत है। इसके लिए आजसू झारखंडी माटी से भ्रष्टाचार को खदेड़ों कार्यक्रम चलाएगी। मौके पर मिथिलेश महतो, बाटुल राय, तपन रजवार हानिफ अंसारी, जादू रवानी, महाराज महतो, राजीव रंजन झा, गनेश महतो, मनोज शर्मा आदि थे।

आजादी की पहली लड़ाई थी हूल क्रांति: प्रेम

आजसू ने खरखरी बाजार स्थित सांसद आवासीय कार्यालय में मनाया हूल दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। खरखरी बाजार स्थित सांसद आवासीय कार्यालय में रविवार को आजसू के प्रखंड सचिव प्रेम कुमार तिवारी के नेतृत्व में 'हूल दिवस' मनाया गया। पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने सभी हूल क्रांति के महानायक सिद्धों-कानू, चांद-भैरव और फूलो-झानू सहित सभी वीर योद्धाओं को श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। इस असर पर प्रेम तिवारी ने कहा कि जिस दिन झारखंड के आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया था। उस दिन को 'हूल क्रांति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस युद्ध में करीब 20 हजार आदिवासियों ने अपनी प्राणों की आहूति दी थी। आदिवासियों ने 30 जून, 1855 को सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में, मौजूदा साहेबगंज जिले के भगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ था। सिद्धू ने नारा दिया था, 'करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो'। प्रेम तिवारी ने बताया कि मौजूदा संथाल परगना का इलाका बंगाल प्रेसिडेंसी के अधीन पहाड़ियों एवं जंगलों से घिरा क्षेत्र था। ईस्ट इंडिया कंपनी ने राजस्व बढ़ाने के मकसद से वहां जमींदारो की फौज तैयार की। जो पहाड़िया, संथाल और अन्य निवासियों से जबरन लगान वसूलने लगे। लगान देने के लिए उनलोगों को साहूकारों से कर्ज लेना पड़ता और साहूकार के भी अत्याचार का सामना करना पड़ता था। इससे लोगों में असंतोष की भावना मजबूत होती गई। सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव चारों भाइयों ने लोगों के असंतोष को आंदोलन में बदल दिया। आंदोलन को दबाने के लिए अंग्रेजों ने इस इलाके में सेना भेज दी। आंदोलनकारियों को नियंत्रित करने के लिए मार्शल लॉ लगा दिया गया। आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी के लिए अंग्रेज सरकार ने पुरस्कारों की भी घोषणा की थी। बहराइच में अंग्रेजों और आंदोलनकारियों की लड़ाई में चांद और भैरव शहीद हो गए। जब तक एक भी आंदोलनकारी जिंदा रहा, वह लड़ता रहा। इस युद्ध में करीब 20 हजार आदिवासियों ने अपनी जान दी थी। सिद्धू और कान्हू के करीबी साथियों को पैसे का लालच देकर दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया गया और फिर 26 जुलाई को दोनों भाइयों को भगनाडीह गांव में खुलेआम एक पेड़ पर टांगकर फांसी की सजा दे दी गई। इस तरह सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव, ये चारों भाई सदा के लिए भारतीय इतिहास में अपना अमिट स्थान बना गए। मौके पर विकाश सरकार, गोल्डन तिवारी, विक्रम कुमार, प्राण बाऊरी, जयराम कुमार, बीरु सिंह, मनोज पाण्डेय, शेख संटू, किशोर कुमार, चंदन सिंह, शेख मोबिन, जितन नापीत, ओम पाण्डेय, मुकेश महतो, अनीश कुमार आदि थे।

आजसू ने संथाल हूल के महानायक सिदो-कान्हू चांद-भैरव व फूलो-झानो का मनाया शहादत दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

तोपचांची। गोमो रोड स्थित जागेश्वर मेडिकल के परिसर में रविवार को हुल दिवस के अवसर पर आजसू की तोपचांची इकाई की ओर से संथाल हूल के महानायक सिद्धे-कान्हों, चांद-भैरव और फूलो-झानो की शहादत दिवस मनाया। आजसू के जिला संगठन सचिव सदानंद महतो ने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ने वाले हमारे पूर्वज देश एवं झारखंड में हो रहे शोषण-अत्याचार से मुक्ति दिलाने में शहीद हो गए। उनके दिखाए मार्ग पर चलने की जरूरत है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वहीं, हूल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता आजसू के प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद कुमार महतो एवं संचालन जिला संगठन सचिव सदानंद महतो ने किया। इस मौके पर केंद्रीय सदस्य दयालचंद्र महतो, कार्यकारिणी जिला अध्यक्ष रमेश मुनि यादव, विनोद बिहारी महतो, आजसू के संस्थापक सदस्य शिव शंकर शर्मा, विनोद महतो, प्रखंड सहसचिव रमेश कुमार जायसवाल, सोशल मीडिया प्रभारी योगेश महतो, महिला प्रकोष्ठ की प्रखंड अध्यक्ष रुद्रनी देवी, रीना देवी, प्रियंका देवी, मधुसूदन महतो, राजू यादव, मनोज रजक, रास बिहारी प्रमाणिक, झारखंड आंदोलनकारी गिरधारी प्रसाद महतो, सूरजमल निराला आदि ने सिद्धो-कान्हो की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोपालपुर पंचायत भवन में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

एग्यारकुंड (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत गोपालपुर पंचायत भवन परिसर में रविवार की सुबह निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुखिया सीखा नाग ने किया। शिविर में पंचायत क्षेत्र के लोगों ने भरपूर लाभ उठाया। मुखिया शिखा नाग ने कहा कि पंचायत में दूसरा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। इसमें कई तरह के डॉक्टर भी आए हैं। लोगों की सभी तरह की जांच की जा रही है। मरीजों को मुफ्त दवाई भी दी जा रही है। हमारा उद्देश्य है कि पंचायत क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों का किसी भी छोटी-मोटी बीमारी का इलाज मुफ्त में हो सके।

बैठक : जेबीकेएसएस की महिला मोर्चा शाखा का किया गया विस्तार

सिंदरी विस चुनाव में दर्ज करेंगे ऐतिहासिक जीत: उषा महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति इस बार सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत को लेकर तैयारी कर चुकी हैं। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय कमेटी के निर्देश पर रविवार को धनबाद जिले के गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत बरवाअड्डा जोन के बड़ा पिछड़ी पंचायत कुरमीडीह गांव में लगभग 200 महिलाओं की उपस्थिति में महिला मोर्चा संगठन विस्तार, प्रखंड कमेटी पंचायत कमेटी और बूथ स्तरीय कमेटी की मजबूती प्रदान करने का निर्णय लिया गया। संगठन के केंद्रीय महासचिव उषा महतो की उपस्थिति से बरवाअड्डा जोन क्षेत्र में हुई महिला मोर्चा संगठन विस्तार को लेकर बड़ा पिछड़ी पंचायत और बरवाअड्डा जोन क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि इस बार सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बदलाव होगा। इस मौके पर झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो, धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, बरवाअड्डा जोन अध्यक्ष हरेंद्र रजक, केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पू पहाड़ी महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटा टाइगर छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक आदि सभी ने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की महिला मोर्चा संगठन के विस्तार, गोविंदपुर प्रखंड और बूथ स्तरीय कमेटी की मजबूती के लिए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के मिशन और केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो के विचारधाराओं को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया। मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक अशोक साव, गुंजा देवी, किरण देवी, यशोदा देवी, राखी देवी, रीना देवी, गीता देवी, संजोती कुमारी, रंजू देवी, ऐसा बीवी, उषा देवी, सुनीता देवी, शांति देवी, लक्ष्मी देवी और नोमिता देवी आदि उपस्थि थीं।

तस्करों के मंसूबों पर पानी फेरा, स्पेशल टीम ने अवैध कोयला लदे दो ट्रकों को किया जब्त

धनबाद (आजाद सिपाही)। कोयला तस्करों के खबर अखबारों में छपते ही सीआइएसएफ की टीम अवैध कोयला तस्करी के खिलाफ मुहिम छेड़ दिए हैं। इसकी कड़ी में शनिवार की रात निरसा मोड़ से अवैध कोयला लदे दो ट्रकों को जब्त कर लिया। बताते चलें कि शनिवार को ही धनबाद की डीसी माधवी मिश्रा ने अवैध कोयला खनन के खिलाफ खनन टास्क फोर्स एवं सीआईएसएफ की टीम को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। जिसके बाद देर रात एक बजे निरसा मोड़ के पास सीआइएसएफ, ईसीएल मुगमा टीम, एसटीपी मुख्यालय क्यूआरटी टीम और ईसीएल सुरक्षा मुगमा टीम द्वारा संयुक्त रूप से छापामारी की गई। जिसमें कोयले की अवैध तस्करी में लिप्त ट्रक को पकड़ लिया। दोनों वाहनो में करीब 60 मैट्रिक टन अवैध कोयला लदा था। जिसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए निरसा थाने को सौंप दिया गया है। वहीं, सीआईएसएफ एवं ईसीएल मुगमा सुरक्षा कर्मियों द्वारा मुगमा क्षेत्र के हर कोलियरी खदानों के आसपास एवं जंगलों में छापामारी की जा रही है। इससे कोयला तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय टीम से फोन पर की बात, कहा

आपने देशवासियों का दिल जीत लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 में टीम इंडिया की जीत के बाद दुनियाभर से खिलाड़ियों को बधाई संदेश मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारतीय टीम की जीत पर बधाई दी थी। अब उन्होंने आज भारतीय क्रिकेट टीम से फोन पर बात की और पूरी टीम को फोन पर बधाई दी। उन्होंने रोहित शर्मा को उनकी शानदार कप्तानी के लिए बधाई दी और उनके टी20 करियर की सराहना की। उन्होंने फाइनल में विराट कोहली की पारी और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान की भी सराहना की। पीएम मोदी ने हार्दिक पांड्या को उनके अंतिम ओवर और सूर्यकुमार यादव को उनके कैच के लिए सराहा। उन्होंने जसप्रीत बुमराह के योगदान की भी तारीफ की। पीएम ने भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान के लिए राहुल द्रविड़ को भी धन्यवाद दिया। टी20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका पर शानदार जीत दर्ज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि टीम इंडिया ने एक के बाद एक शानदार विजय हासिल कर पूरे टूर्नामेंट को रोमांचक बना दिया। पीएम मोदी ने कहा कि इंडिया को इस भव्य विजय के लिए सभी देशवासियों की तरफ से बहुत-बहुत बधाई। आज 140 करोड़ देशवासी आपके इस शानदार प्रदर्शन के लिए गर्व का अनुभव कर रहे हैं। खेल के मैदान में आपने वर्ल्डकप जीता लेकिन हिंदुस्तान के हर गली-मोहल्ले में आपने देशवासियों का कोटि-कोटि दिल जीत लिया। यह टूर्नामेंट एक विशेष कारण से भी याद रखा जायेगा। इतने सारे देश, इतनी सारी टीमें और एक भी मैच हारना नहीं, यह छोटी उपलब्धि नहीं है। आपने क्रिकेट जगत के हर महारथी उनके हर बॉल को खेला और आप शानदार विजय प्राप्त करते रहे। एक के बाद एक विजय की इस परंपरा ने आपके हौसले को तो बुलंद कर दिया लेकिन साथ ही इस टूर्नामेंट को भी रोचक बना दिया। मेरी तरफ से मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

टीम इंडिया को 125 करोड़ देगा बीसीसीआइ

मुंबई। बीसीसीआइ टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपये कैश प्राइज देगा। बोर्ड के सचिव जय शाह ने रविवार को खुद इसका एलान किया। शाह ने एक्स पर लिखा- 'मुझे यह एलान करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया को 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि दी जायेगी। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जबर्दस्त टैलेंट, समर्पण और खेल भावना का प्रदर्शन किया। मैं इस असाधारण उपलब्धि के लिए सभी खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं।'

किस के समर्थन में मजबूती से खड़े हैं जनजातीय समुदाय

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज को लगातार बदनामी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे छात्रों और अभिभावकों में चिंता बढ़ रही है। ग्रीष्म अवकाश के बाद स्कूल फिर से खुलने के साथ, चिंताएं बढ़ रही हैं। इसके जवाब में, 40,000 छात्रों के माता-पिता और आदिवासी नेताओं सहित 500 प्रतिनिधि आज संस्थान की सुरक्षा के उपायों पर चर्चा करने के लिए किस में एकत्र हुए। कीट द्वारा समर्थित, किस का अत्यधिक महत्व है। बैठक में निर्णय लिया कि यदि 15 दिनों के भीतर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो निर्णायक कार्रवाई की जायेगी।

ओड़िशा में 100 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण किया गया है, जो श्रीलंका के कुल रेल नेटवर्क से भी अधिक है

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। चालू वित्त वर्ष में इसीओआर को 500 किलोमीटर रेल लाइन के निर्माण का लक्ष्य दिया गया है। पिछले वित्त वर्ष में इसीओआर ने 450 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण किया था। वैष्णव ने कहा कि आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी के लिए इसके महत्व को रेखांकित करते हुए रेल लाइनों के विस्तार को प्राथमिकता दी गयी है। समीक्षा बैठक में इसीओआर के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल, ईसीओआर के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, ईसीओआर मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, खुर्दा रोड के मंडल रेल प्रबंधक एचएस बाजवा और खुर्दा रोड डिवीजन के शाखा अधिकारी शामिल हुए। अश्विनी वैष्णव की समीक्षा ने ओड़िशा में रेलवे विकास में तेजी लाने, कुशल परियोजना निष्पादन सुनिश्चित करने और रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। रेल मंत्री के निर्देशों का उद्देश्य पूर्वी तटीय रेलवे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास और परिचालन उत्कृष्टता को आगे बढ़ाना है।

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

VERMA PRESS ®
वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

वरिष्ठ आइएएस मनोज आहूजा ने ओड़िशा के मुख्य सचिव का पदभार संभाला

आजाद सिपाही संवाददाता

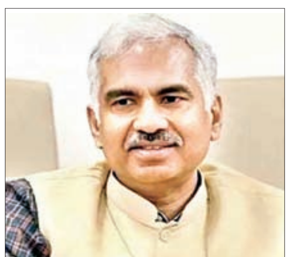

भुवनेश्वर। आइएएस मनोज आहूजा ने रविवार को ओड़िशा के मुख्य सचिव का पदभार संभाल लिया और प्रदीप जेना सेवानिवृत्त हो गये। खबरों के मुताबिक, नवनियुक्त मुख्य सचिव मनोज आहूजा आज ओड़िशा पहुंचे। वरिष्ठ आइएएस अधिकारी मनोज आहूजा को राज्य सरकार ने शुक्रवार को ओड़िशा का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया था। सामान्य प्रशासन और लोक शिकायत विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, भारत सरकार से प्रत्यावर्तन पर, मनोज आहूजा, आइएएस (आरआर-1990) को प्रदीप कुमार जेना, आइएएस की रविवार से सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप ओड़िशा के मुख्य सचिव और सरकार, सामान्य प्रशासन और लोक शिकायत विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया जाता है। गौरतलब है कि वर्तमान मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जेना का कार्यकाल आज यानी 30 जून 2024 को समाप्त हो गया है। इससे पहले 25 जून को कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के तहत कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने राज्य सरकार के अनुरोध पर आहूजा को ओड़िशा वापस भेजने को मंजूरी दी थी। कृषि विभाग के सचिव के रूप में शामिल होने से पहले, मनोज आहूजा ने संयुक्त निदेशक (कार्मिक प्रशिक्षण / कार्मिक और सामान्य प्रशासन), आयुक्त और सचिव (इस्पात और खान, खेल और युवा सेवाएं) जैसे कई विभागों को संभाला था। वर्तमान पदस्थापना से पहले आहूजा भारत सरकार में सचिव के पद पर शिक्षा मंत्रालय के केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

कागज फैक्ट्री में आग, लाखों की संपत्ति राख

आजाद सिपाही संवाददाता

ओड़िशा। के बोलनगीर जिले में रविवार को एक पेपर फैक्ट्री में भीषण आग लगने की खबर है। खबरों के मुताबिक, लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो गयी है। बोलनगीर जिले के टिटिलागढ़ ब्लॉक के चोरमारा गांव में कागज की फैक्ट्री में भीषण आग लग गयी। मिली जानकारी के अनुसार, लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। गांव में एक निजी कागज की फैक्ट्री में आग लग गयी। प्राथमिक जांच में बताया गया है कि आग किसी रासायनिक पदार्थ के विस्फोट के कारण लगी। फैक्ट्री के गोदाम में आग लगने की वजह से पता चला कि वहां कागज और कई तरह के केमिकल थे और आग को जल्दी ही बुझा दिया गया।

हालांकि, गोदाम में लगी आग की वजह कागज और कई तरह के केमिकल होने की वजह से आग तेजी से फैली। फैक्ट्री छोटी होने की वजह से वहां सुरक्षा के कोई उपाय नहीं किए गये थे। हालांकि, आग में कितना नुकसान हुआ है, इसका पता नहीं चल पाया है, लेकिन सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। मौके पर दमकल विभाग पहुंच गया है और आग बुझाने की कोशिश कर रहा है।

हेमंत सोरेन के बयान पर बिफरे सीएम साय कहा-आदिवासी समाज का अपमान न करें

सोरेन परिवार ने अपने कृत्यों से आदिवासी समाज को बदनाम किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उस बयान पर आड़े हाथों लिया है, जिसमें उसने भाजपा शासित राज्यों के आदिवासी मुख्यमंत्रियों को रबर स्टांप बताया है। सोरेन के इस बयान पर बिफरे सीएम साय ने पलटवार करते हुए सोरेन परिवार को जनता को लूट कर गाढ़ी कमाई करने वाला परिवार कहा है। साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल में लिखा है कि - देश भर में जिस तरह से भाजपा, सक्षम आदिवासी नेतृत्व दे रही है, ऐसा इससे पहले कभी नहीं था। ऐसे में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आदिवासी मुख्यमंत्रियों के बारे में अनर्गल प्रलाप निंदनीय है। यह देश भर के आदिवासी और पिछड़े समाज का अपमान है। जीवन भर अपने कृत्यों से सोरेन परिवार जिस तरह आदिवासी समाज को बदनाम करता रहा है, वह भी निंदनीय है। जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर अपनी तिजोरी भरने वाले सोरेन और उनकी पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता सबक सिखाने का मन बना चुकी है' यही कारण है कि अब वे समाज के प्रति ही अनाप-शनाप बयानबाजी पर उतारू हो गये हैं। सोरेन परिवार का रिश्वत कांड भी अभी तक जनता भूली नहीं है। हेमंत सोरेन जी को यह समझ लेना चाहिए कि महज जमानत मिल जाना अपराध मुक्ति का सर्टिफिकेट नहीं होता है। अंतिम फैसला अभी बाकी है। दरअसल आदिवासियों, अनुसूचित जातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं और युवाओं के बीच भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से इंडी गठबंधन घबराया हुआ है। इसी कारण ऐसी बयानबाजी हो रही है। समाज को अपमानित करने वाले किसी भी बयान को जनता सहन नहीं करेगी, इसका माकूल जवाब देगी। गौरतलब है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जमीन घोटाले का आरोप है। जिसको पांच महीने बाद जमानत मिली है। जेल से निकलने के बाद पत्रकारों से चर्चा के दौरान उसने कहा था कि विधानसभा चुनाव के बाद झारखंड से बीजेपी का सफाया हो जायेगा। जिस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पलटवार किया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पुरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन यात्रा तैयारियों का निरीक्षण किया

- एआइ आधारित डायनेमिक शेड्यूलिंग के माध्यम से अधिक विशेष ट्रेनों की योजना बनाना
- 15 लाख यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य
- यात्री विश्राम के लिए मेला शेड और तीर्थ यात्री शेड दोनों में 25 हजार यात्री विश्राम कर सकते हैं।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। रेल, सूचना और प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को पुरी रेलवे स्टेशन का दौरा किया और यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों और भक्तों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा की गयी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और तैयारियों की समीक्षा की। रेलवे द्वारा ट्रेन यात्रा प्रणाली का निरीक्षण करते हुए, वैष्णव ने बेहतर यात्री सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ यात्रियों के समग्र यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। ट्रेन यात्रा के लिए रेलवे द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए रेल मंत्री ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए इस वर्ष कुल 315 विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। ये विशेष ट्रेनें पुरी को पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के साथ-साथ ओड़िशा के विभिन्न हिस्सों से जोड़ेंगी। ओड़िशा के बादामपाहाड़, बांगिरीपोसी, राउरकेला, संबलपुर, जूनागढ़ रोड, सोनपुर, गुनुपुर, ब्रह्मपुर, दसपल्ला, अंगुल, पारादीप, क्योंझारगढ़, भद्रक और बालेश्वर जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को विशेष ट्रेनों द्वारा पुरी से जोड़ने की योजना है, पुरी को जोड़ने का एक कदम लगभग सभी जिलों में ले जाया गया। रथ यात्रा उत्सव के दौरान रेलवे द्वारा लागू किए जाने वाले उपायों के बारे में जानकारी देते हुए, वैष्णव ने कहा कि यात्री भीड़ प्रबंधन, ट्रेन सूचना प्रणाली / पूछताछ केंद्र, वीडियो वॉल डिस्प्ले, मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट प्रणाली, अतिरिक्त टिकट बुकिंग काउंटर और मोबाइल टिकट काउंटर, 15 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के लिए रेलवे क्षेत्र/शेड और सुरक्षा व्यवस्था जैसे आराम, खानपान और आतिथ्य, एम्बुलेंस सहित चिकित्सा सुविधाएं, सेवाएं और यात्रियों, विशेष रूप से बिजली आपूर्ति, जल आपूर्ति, स्वच्छता, सुरक्षा, पीने का पानी और पर्याप्त सुविधा प्रदान करेगा। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए शौचालय की व्यवस्था की गयी रेल मंत्री श्री वैष्णव ने आगे कहा कि इस वर्ष रेलवे का लक्ष्य पुरी से 15 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का है। इसके अलावा अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने में मदद के लिए एआई-आधारित डायनेमिक शेड्यूलिंग के माध्यम से और अधिक विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनायी गयी है। मांग बढ़ने पर योजना लागू की जायेगी।

हिट एंड रन का मामला, ट्रैफिक कांस्टेबल की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। रविवार को आयी खबरों के अनुसार, भुवनेश्वर में एक हिट एंड रन की दुखद घटना में एक ट्रैफिक कांस्टेबल की कथित तौर पर मौत हो गयी। खबरों के मुताबिक, भुवनेश्वर में एक पुलिस कांस्टेबल की कथित तौर पर हिट एंड रन मामले में हत्या कर दी गयी है। यह घटना ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर के नयापल्ली इलाके में एक पॉश निजी होटल के सामने हुई। मृतक कांस्टेबल की पहचान मधुसूदन किशोर के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस महकमे में शोक की लहर छा गयी है। इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है। हाल ही में 8 अप्रैल को भुवनेश्वर में एक और हिट एंड रन का मामला सामने आया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक कंटेनर ट्रक ने कथित तौर पर चार लोगों को टक्कर मार दी थी। विश्वसनीय रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना राजधानी भुवनेश्वर में हुई। साहिदनगर इलाके में एक कंटेनर ट्रक चार लोगों को टक्कर मारकर फरार हो गया। बताया गया है कि भुवनेश्वर में हिट एंड रन का मामला उस समय हुआ जब लोग वाणीविहार इलाके में सत्संग मंदिर के पास सड़क पार कर रहे थे। कंटेनर ट्रक का चालक लोगों को टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। साहिदनगर थाना पुलिस ने पलासुनी पुल के पास सड़क से कंटेनर ट्रक को जब्त कर लिया है। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है और ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। घायलों में से दो की हालत गंभीर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए कटक के एससीबीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि 30 सितंबर 2023 को ओडिशा की राजधानी में राजमहल स्क्वायर के पास फुटपाथ पर सो रहे एक मजदूर को कार ने कुचल दिया था। यह भी उल्लेखनीय है कि कार के मालिक की पहचान बिकाश पाल के रूप में हुई है, जो लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। बिकाश पाल पर आईपीसी की धारा 279 और धारा 304 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रायगडा में कई वाहनों की टक्कर में 3 की मौत, 7 गंभीर

ओड़िशा (आजाद सिपाही)। के रायगढ़ शहर में आज शाम हुई बहु-वाहन दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। यह दुखद दुर्घटना रायगडा कस्बे में माझीघरियानी मंदिर के पास उस समय घटी जब आंध्र प्रदेश की ओर जा रही एक बाइक विपरीत दिशा से आ रहे एक ऑटोरिक्शा से टकरा गयी, जिसे पीछे से एक बोलेरो ने भी टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। उनकी पहचान ऑटो चालक सत्यम मंडंगी, बाइक सवार देबराज मंडंगी और तिपहिया वाहन पर सवार एक अन्य व्यक्ति के रूप में हुई है। मृतकों के लिए मुआवजे और घायलों के लिए बेहतर और मुफ्त इलाज की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act - 06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BDSU
Admission Open : 2024-25
B.TECH CSE | CSE (AI) | CE | EEE
CSE (CYBER SECURITY)
4 Yrs Regular Eligibility : 10+2 / I.Sc
DIPLOMA CSE | EEE | CE
ME | EE
3 Yrs Regular Eligibility : 10th Pass
OTHER PROGRAMES : B. Pharm | D.Pharm | BCA
MCA | BBA | MBA | B.Lib.I.Sc | M.Lib.M.Sc | ITI
Programes Run & Managed by Vananchal Educational & Welfare Trust
B.D.S. | B.H.M.S | B.Sc. Nursing | GNM | ANM | B.Sc. (Medical) | B.Sc. MLT
B.Ed. | D.EL.Ed | M.D. | M.D.S. | M.Sc. (Medical) | PARAMEDICAL
BDSU : FARATHIYA, GARHWA-822114, JHARKHAND
9661462506, 6206297213, 9934688493
bdsu.ac.in | vananchaltrust.org

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109, Postal Registration No. RN/249/2019-21